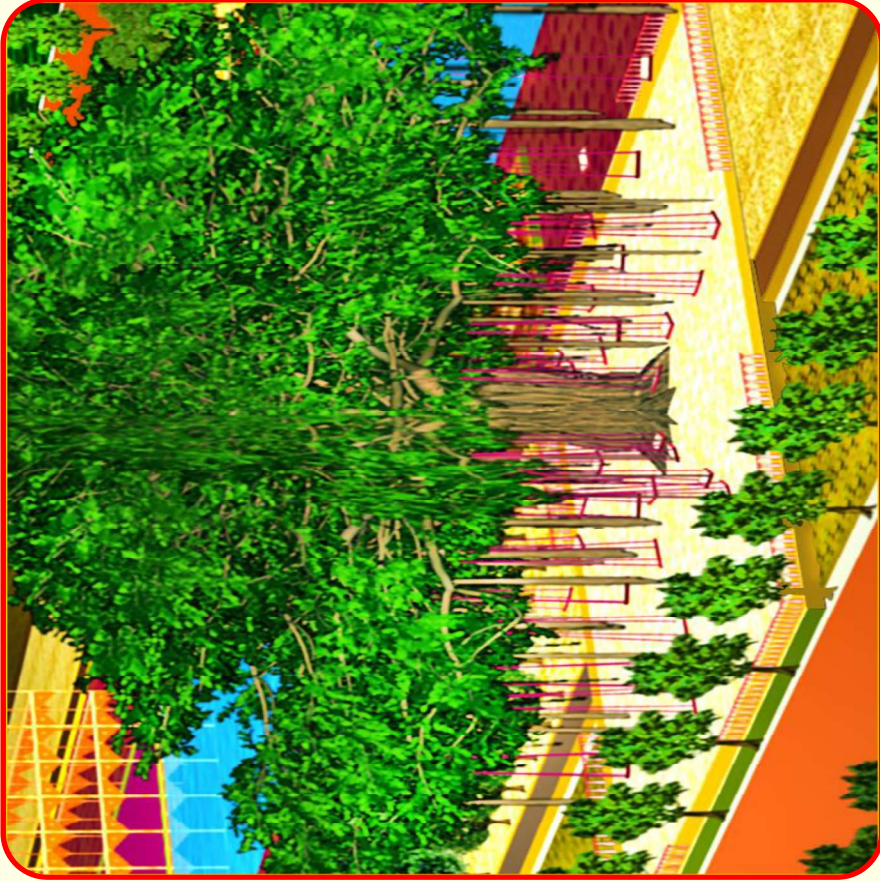
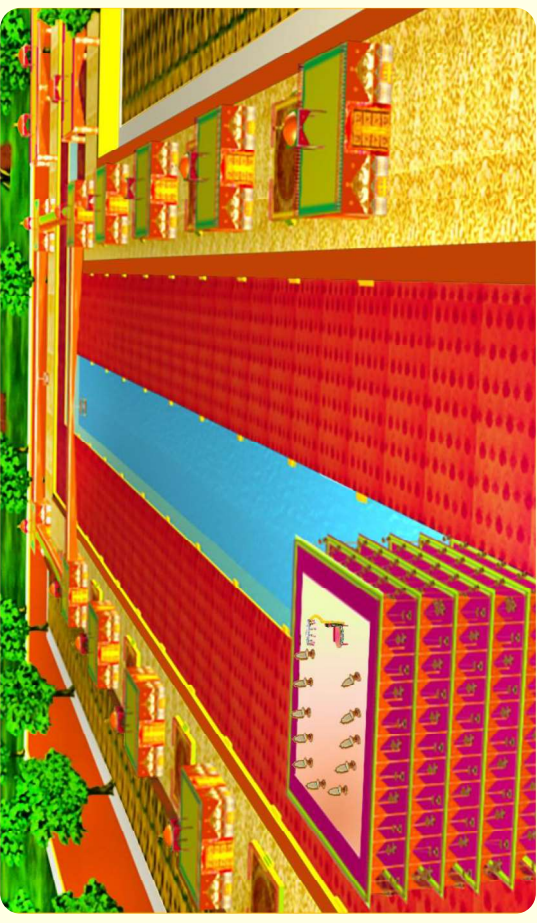


बट घाट की शोभा



बट पुल से मरोड़ तक यमुना जी की शोभा



90 देहरियाँ (पाल पर, मरोड़ से होजकौसर तक)



छत्री पांच ऊपरा ऊपर, जानों रचिया भोम समार ।
एक भोम रेती तले, ऊपर भोम बट चार ॥



नक्शा नं. 64 हौज कौसर तालाब की शोभा



13 देहुरी का घाट

टापू महल

ताल

ताल की रौस (500 मंदिर चौड़ी)

घाट की सीढ़ियाँ

चबूतरे व देहुरियाँ

झुंड का घाट

बड़ौवन के वृक्ष (5 भोम ऊँचे, हांस के मध्य में व हिंडोले)

124 छोटी देहुरियाँ व दाएं-बाएं कटी पाल की सीढ़ियाँ

पश्चिम दिशा

128 बड़ी देहुरियाँ

चौरस पाल (128 हांस की गोलाई में, 1000 मंदिर चौड़ी व भोम भर ऊँची)

9 देहुरी का घाट

संक्रमणिक सीढ़ियाँ (250 मंदिर)

ढलकती पाल (500 मंदिर चौड़ी, कमरभर ऊँची)

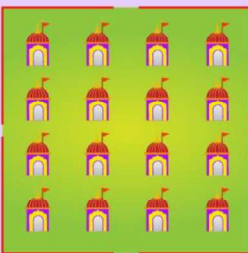
वनरौस (250 मंदिर चौड़ी)

पुखराजी रौस 500 मंदिर चौड़ी (कमरभर ऊँची)

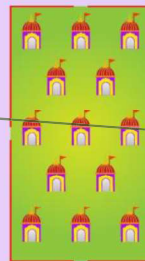
16 देहुरी का घाट

पाल पर 90 देहुरियाँ

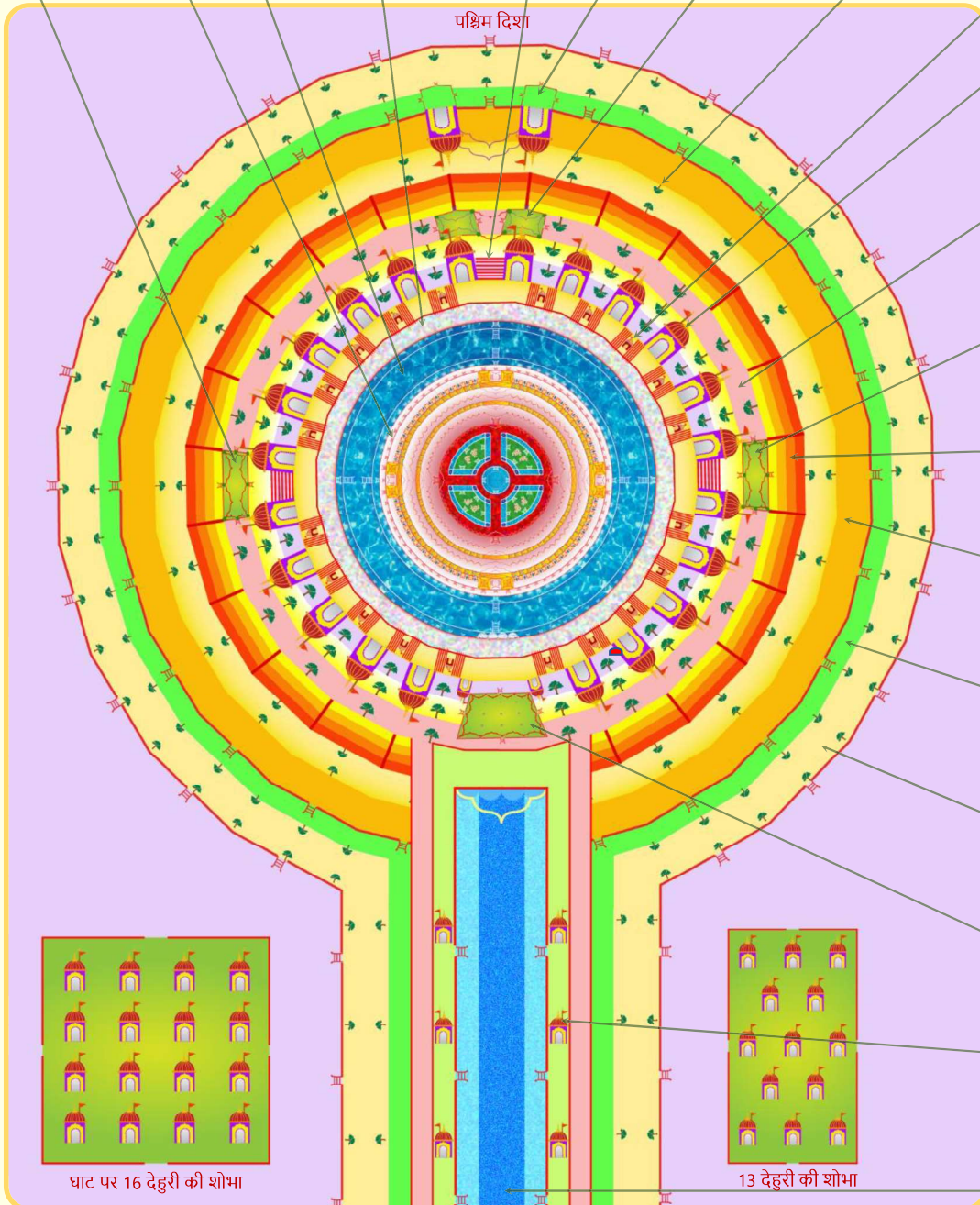
यमुना जी (500 मंदिर चौड़ी) व दाएं-बाएं जल रौस (250 मंदिर चौड़ी)



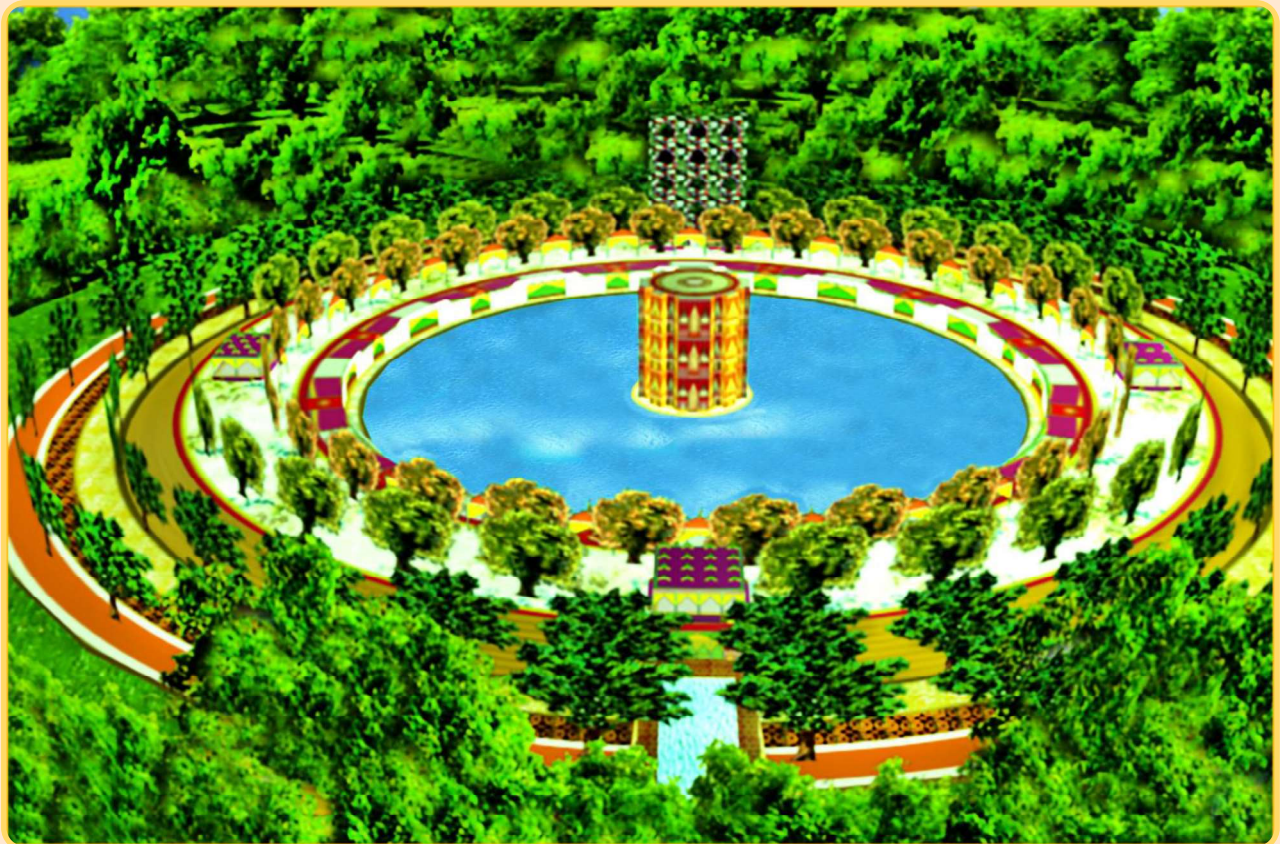
घाट पर 16 देहुरी की शोभा



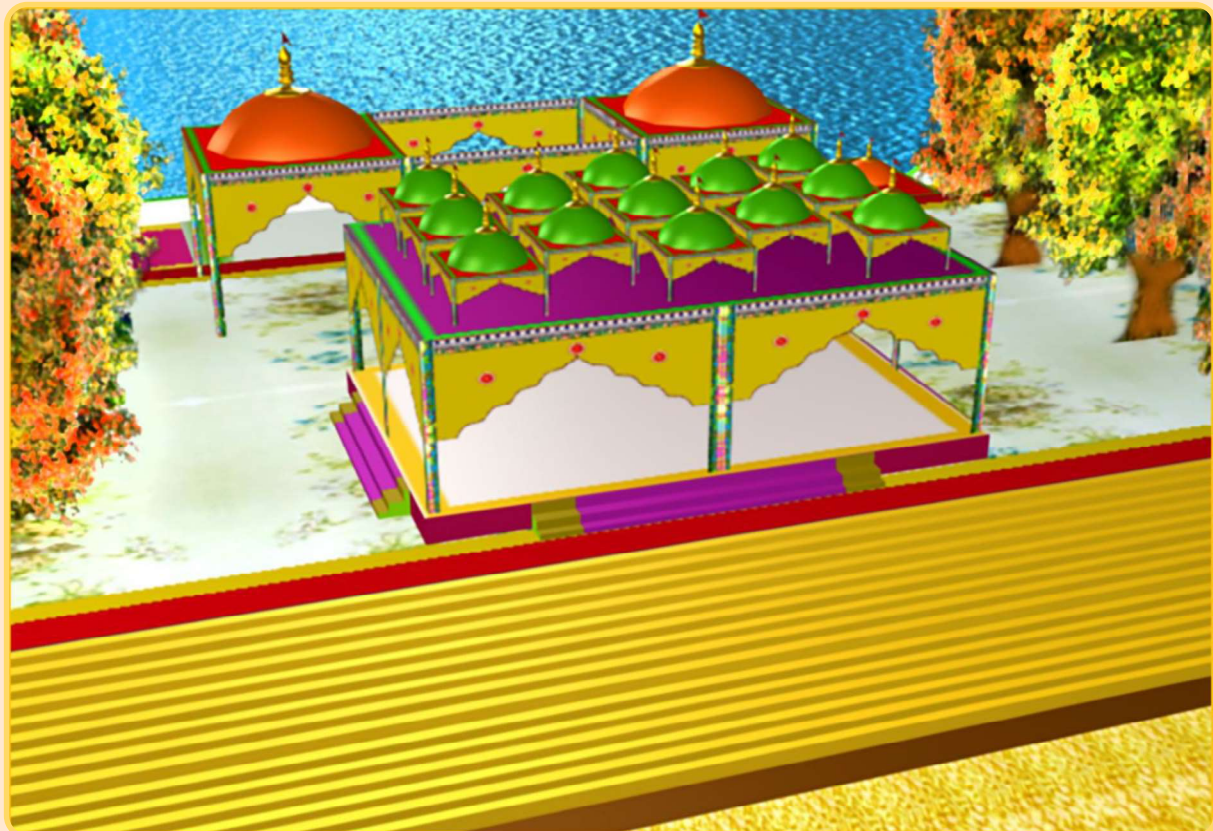
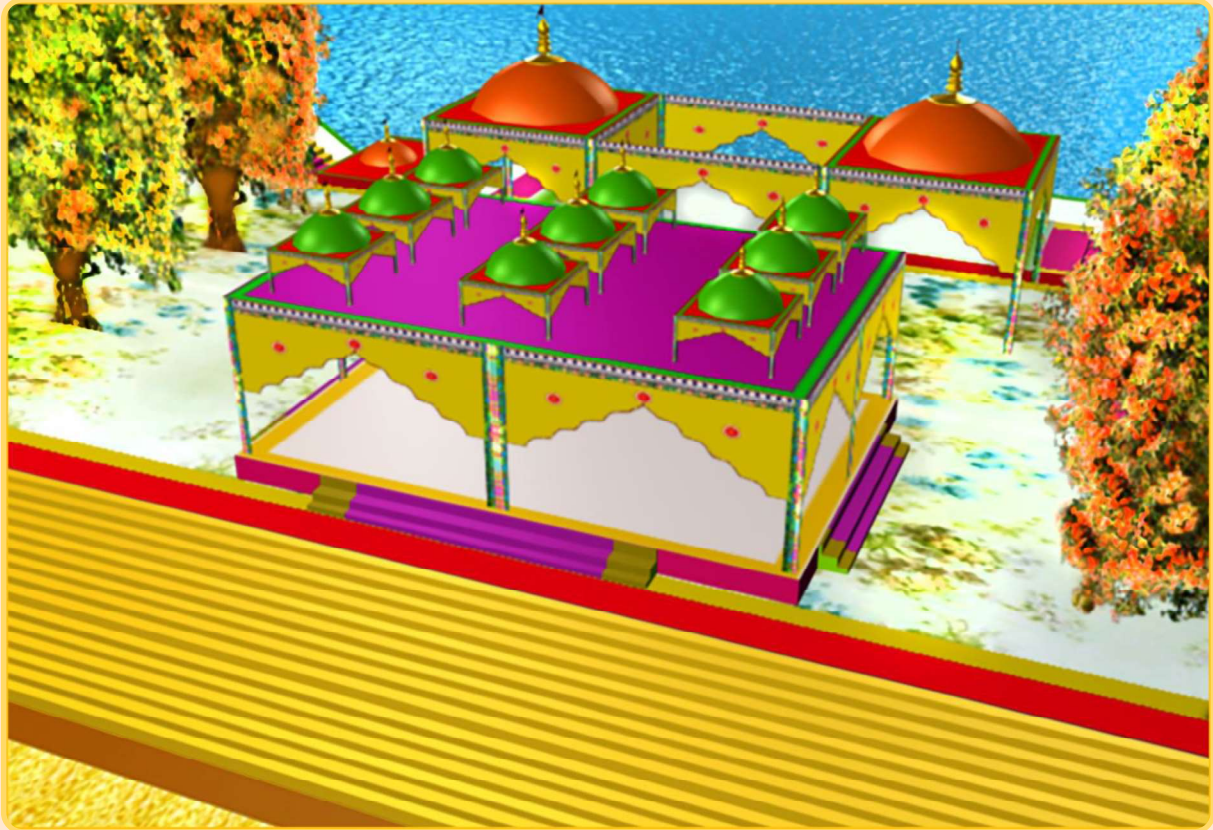
13 देहुरी की शोभा



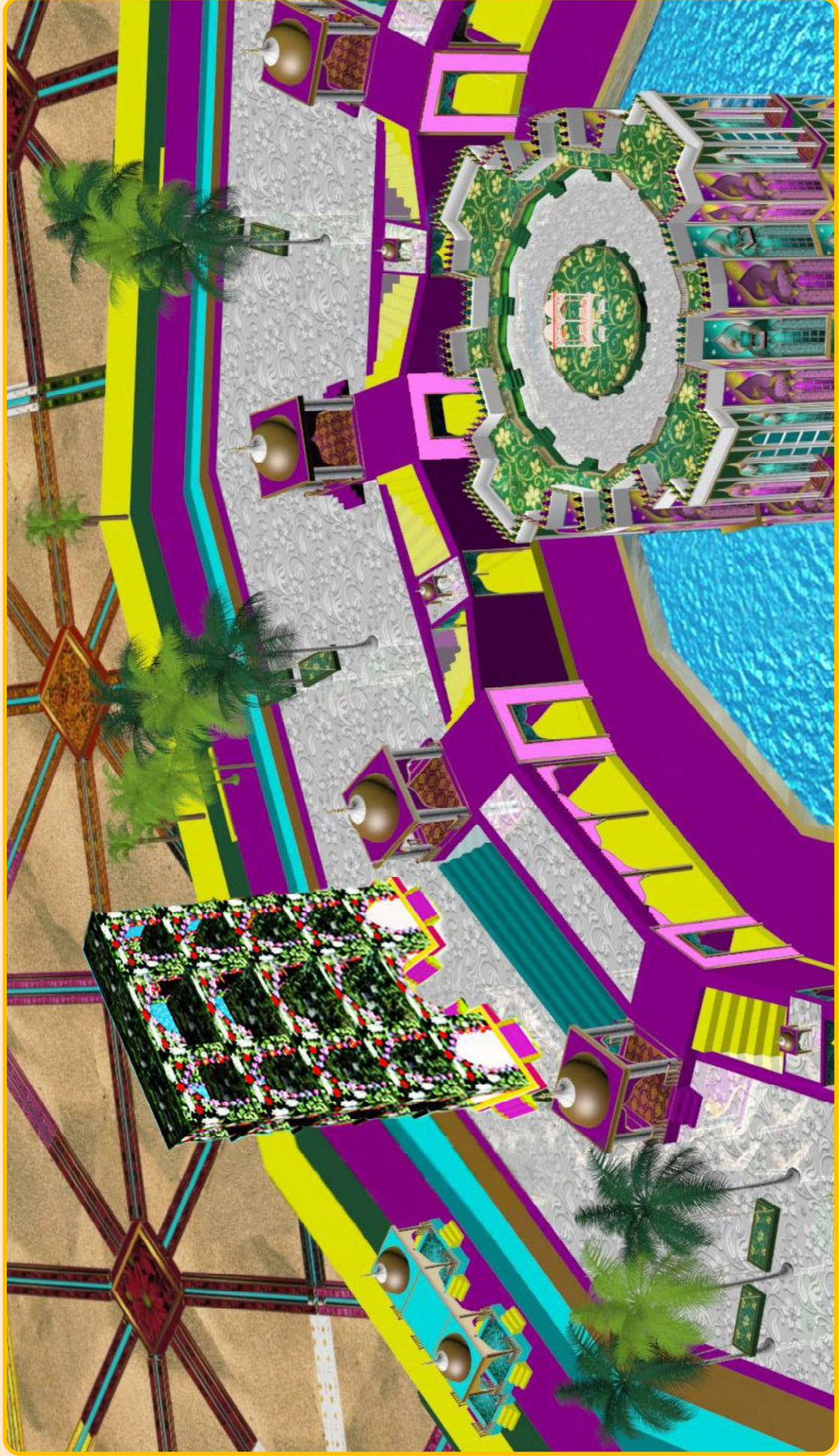
हौज कौसर ताल/तालाब की शोभा



!! नक्शा नं. 65(अ) हौज कौसर ताल : 9 देहुरी का घाट व 13 देहुरी का घाट !!



!! नक्शा नं. 65(ब) हीज कौसर ताल : झुंड के घाट की शोभा !!





नक्शा नं. 66(अ) हौज कौसर तालाब : पाल के अंदर के महल/मंदिर



टापू महल

ताल

जल रौंस

दो चबूतरे
(250 मंदिर लम्बे-चौड़े)

दो देहरियाँ
(250 मंदिर लम्बी-चौड़ी)

चौक (750 मंदिर लम्बा,
250 मंदिर चौड़ा)

दरवाजे
(अन्दर के महल में
जाने के लिए)

कटी पाल की
सीढ़ियाँ

एक गली

मंदिरों की दूसरी हार

थंभों की 2 हारों में
हिंडोले

मन्दिरों की पहली
हार (चौरस पाल के
नीचे)

संक्रमणिक सीढ़ियाँ

ढलकती पाल

कुंड (250 मंदिर
लम्बा-चौड़ा)

16 देहरी के घाट की
प्रथम भोम
(5 थंभों की 7 हारें)

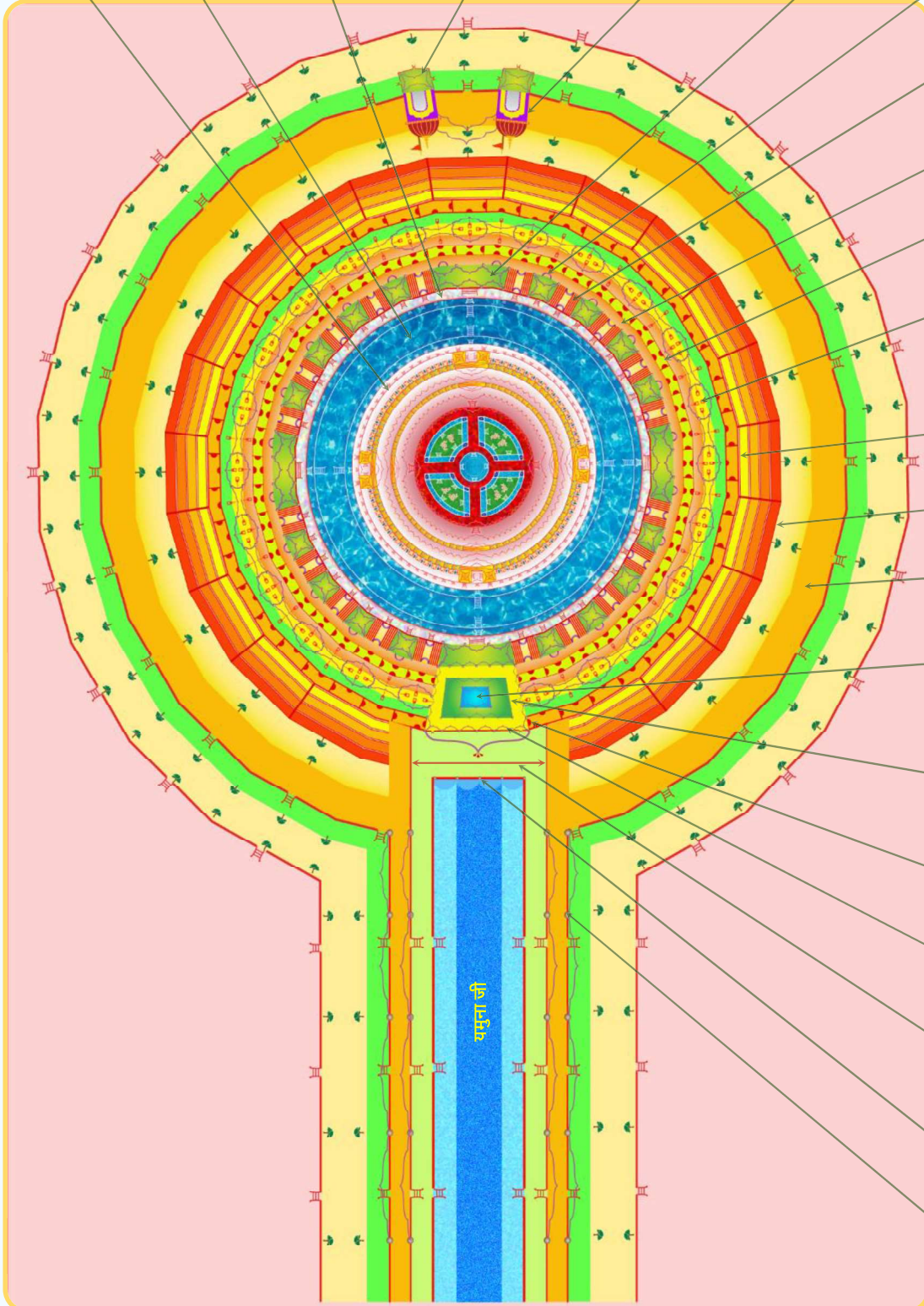
दरवाजा (मंदिर में
जाने के लिए)

झरोखों के थंभ

जल रौंस (1000
मंदिर लम्बी, 250
मंदिर चौड़ी)

5 थंभ व 4 घड़नाले

पाल पर देहलान व
थंभों की 2 हारें





संक्रमणिक
सीढ़ियाँ

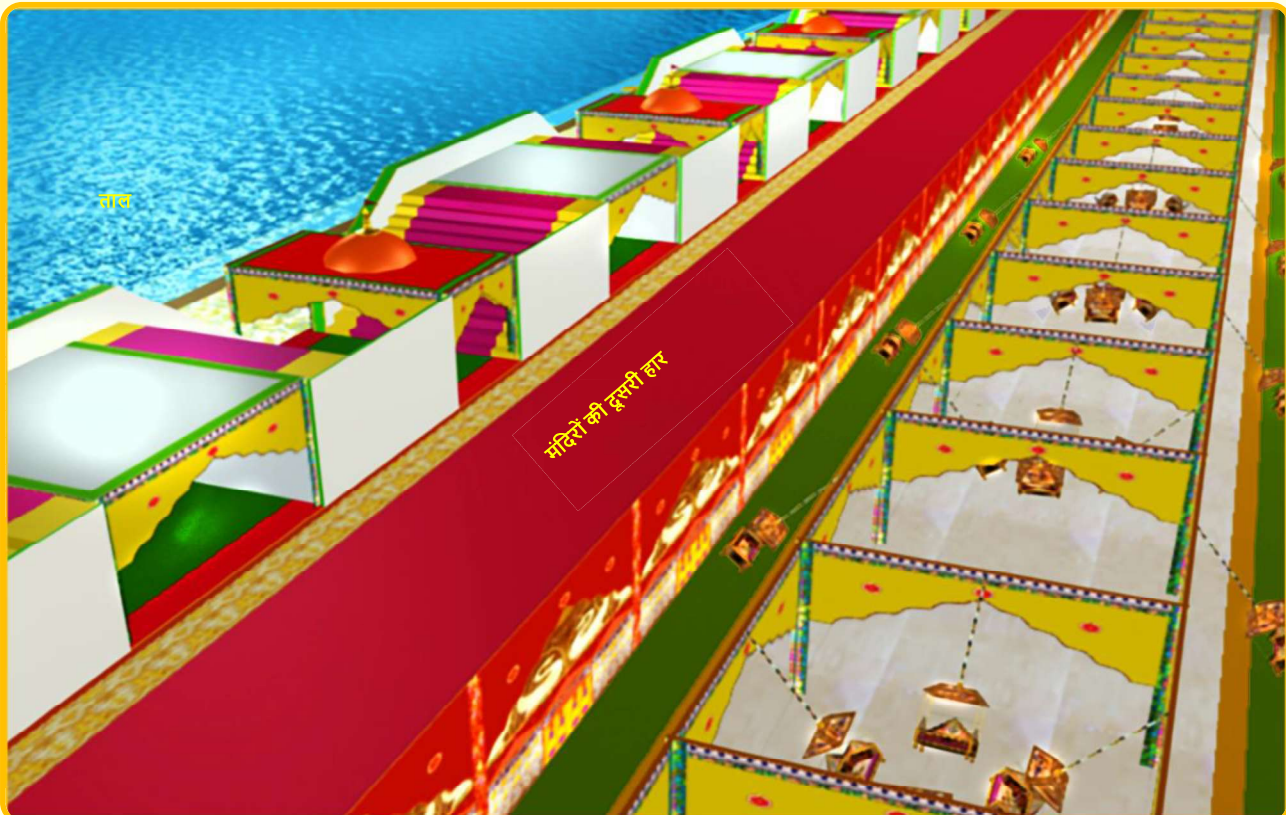
मंदिरों की पहली
हार

हिंडोले
(थम्भों की 2 हारों
में)

मंदिरों की दूसरी
हार

1 गली

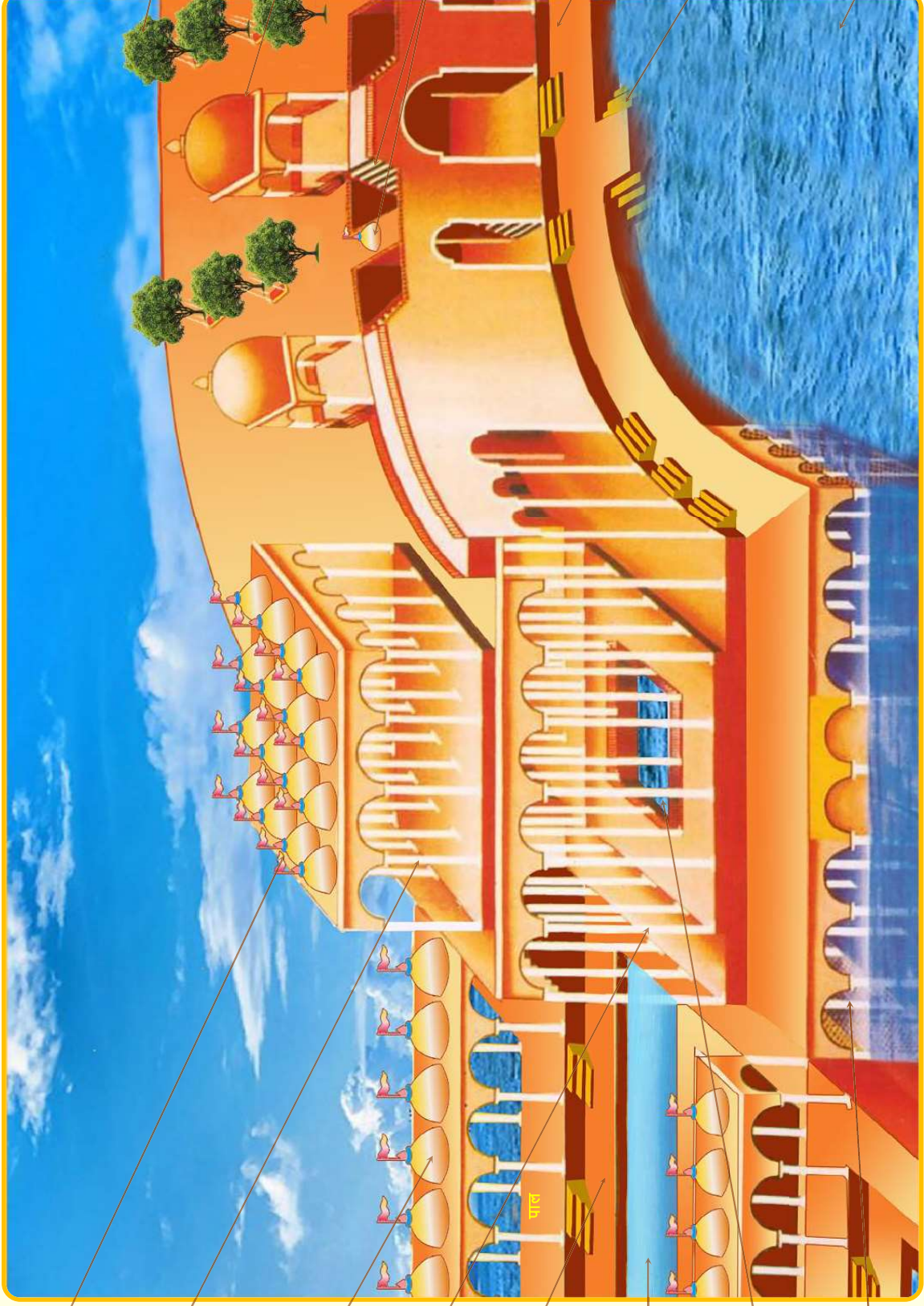
कटीपाल की
सीढ़ियाँ



तास

मंदिरों की दूसरी हार

ii नक्शा नं. 67 सोलह देहरी के घाट की शोभा ii



16 देहरियाँ

5 शंभों की 5 हारें
(कमरभर ऊँचे
चबूतरे पर)

90 देहरियाँ

5 शंभों की 7 हारें
(प्रथम भौम में)

जल रौस

यमुना जी

कुंड

5 शंभों की 9 हारें
(जल जमीन पर)

बड़ोवन के वृक्षों
की 3 हारें चौरस
पाल पर (5 भौम
ऊँची)

बड़ी देहरियाँ

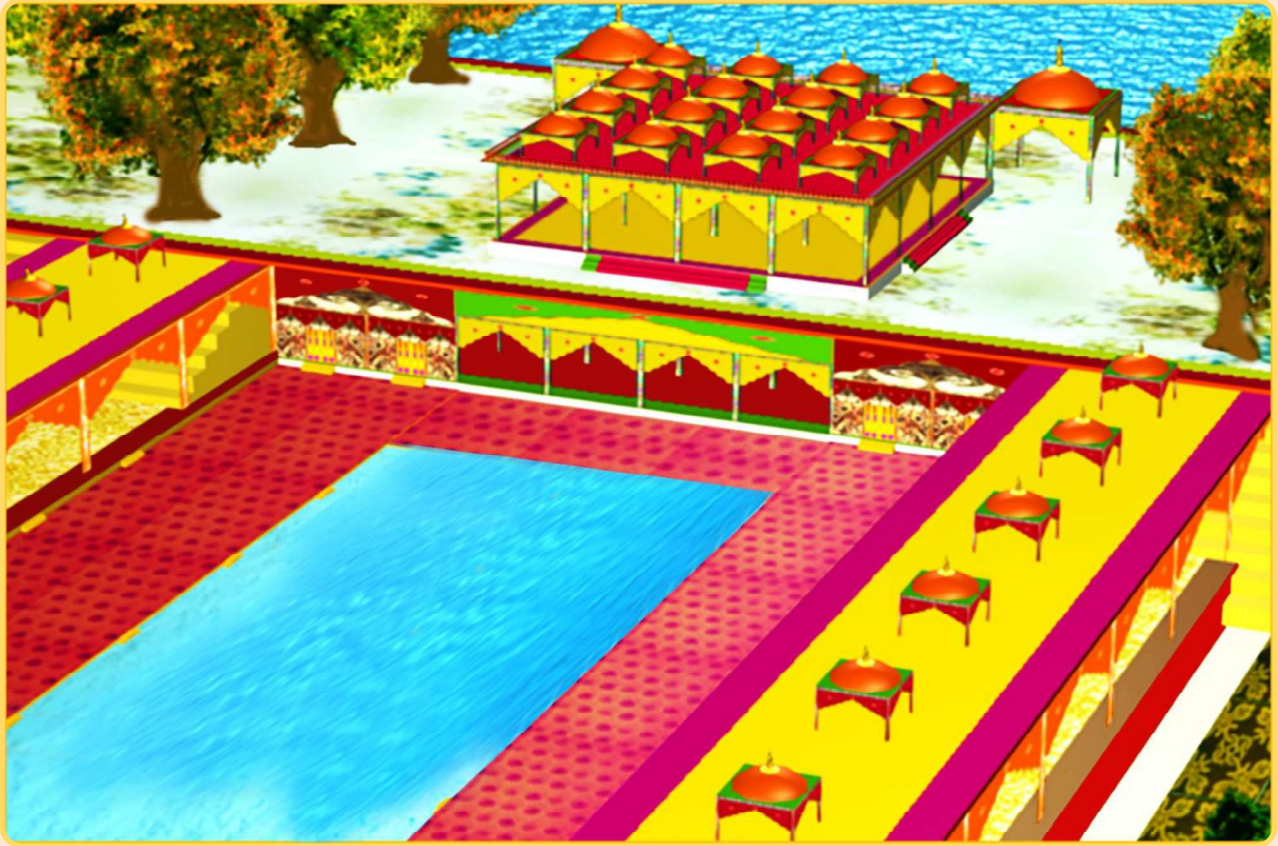
कटीपाल की
सीढियाँ व छोटी
देहरियाँ

जल रौस

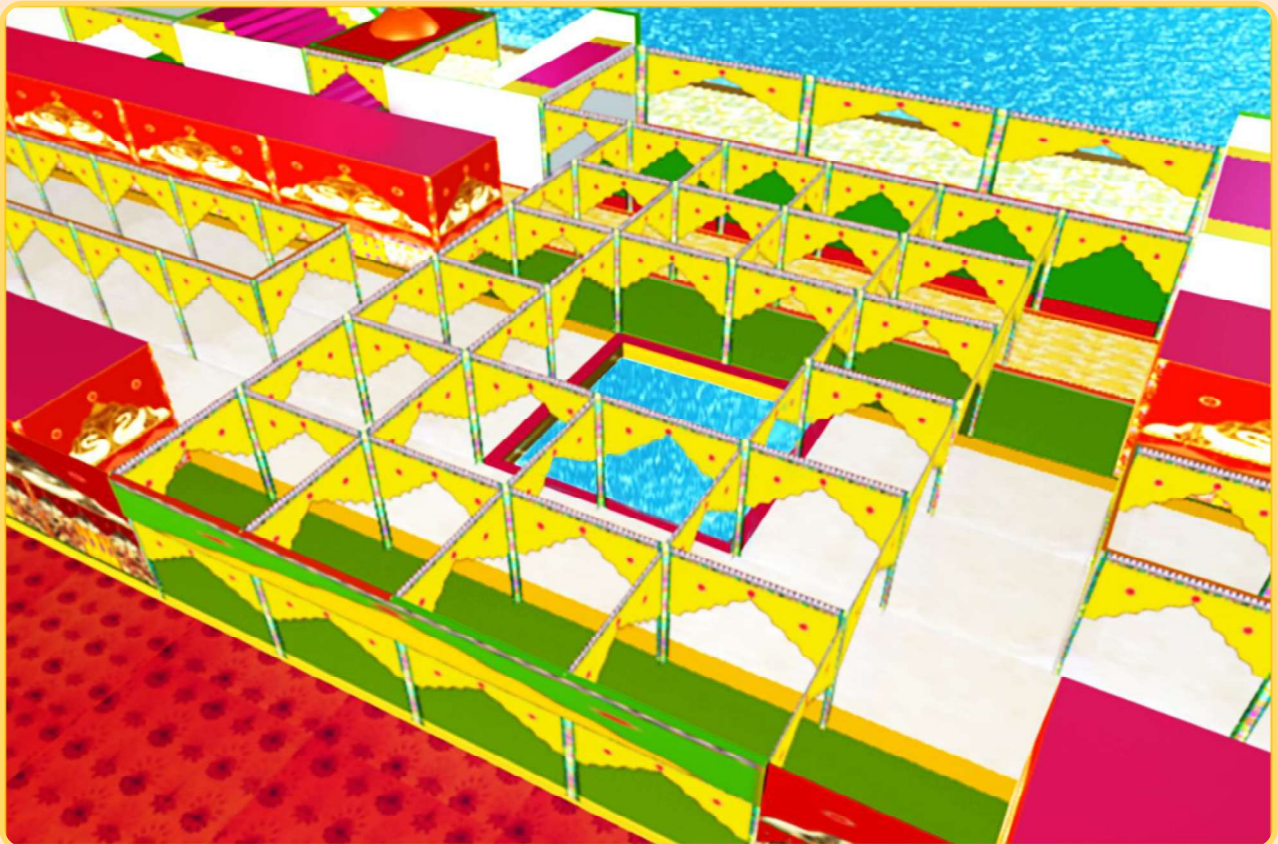
चाँद व 3 सीढियाँ
जल चबूतरा

ताल

16 देहुरी के घाट की शोभा



16 देहुरी के घाट की प्रथम भोम की शोभा



ii नक्शा नं. 68 चौरस पाल पर बड़ी देहरियाँ, छोटी देहरियाँ व कटी पाल की शोभा ii



बड़ोवन के वृक्षों की 3 हारे व 5 भोम में हिंडोले

बड़ी देहरियाँ

छोटी देहरियाँ

भोमभर सीढ़ियाँ

कंगरी

जल सैस

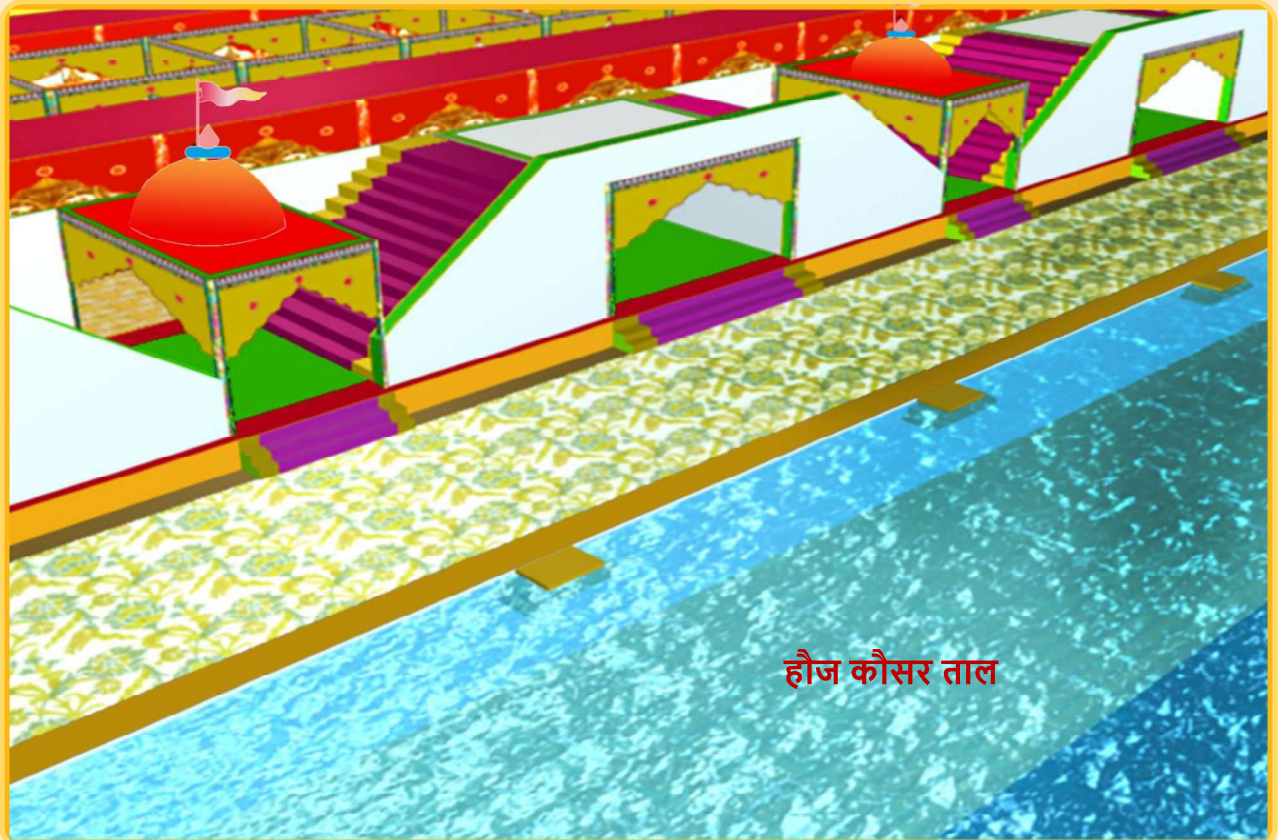
चौंटे व सीढ़ियाँ (जल चबूतरे पर)

होलकौसर ताल

हौज कौसर ताल : चौरस पाल व कटी पाल की शोभा

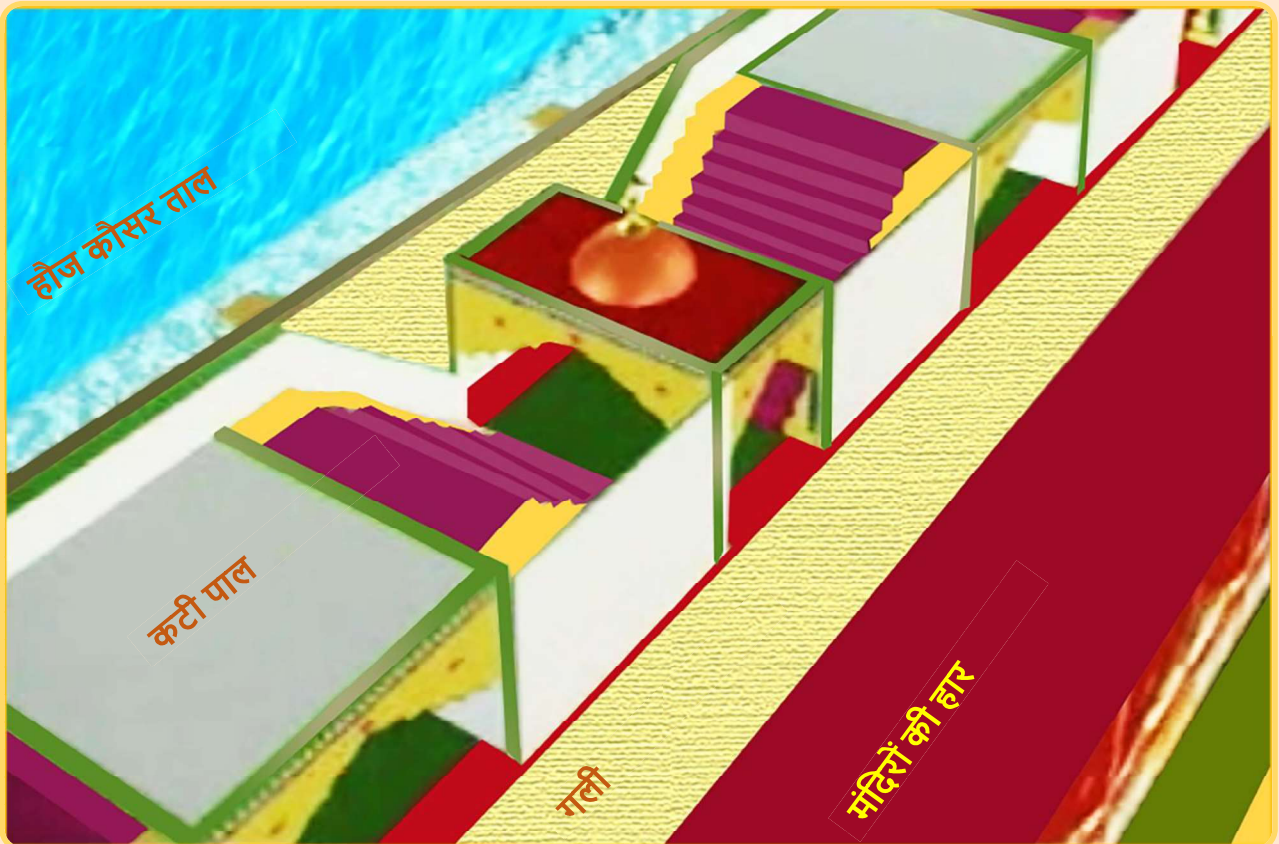


कटी पाल की शोभा

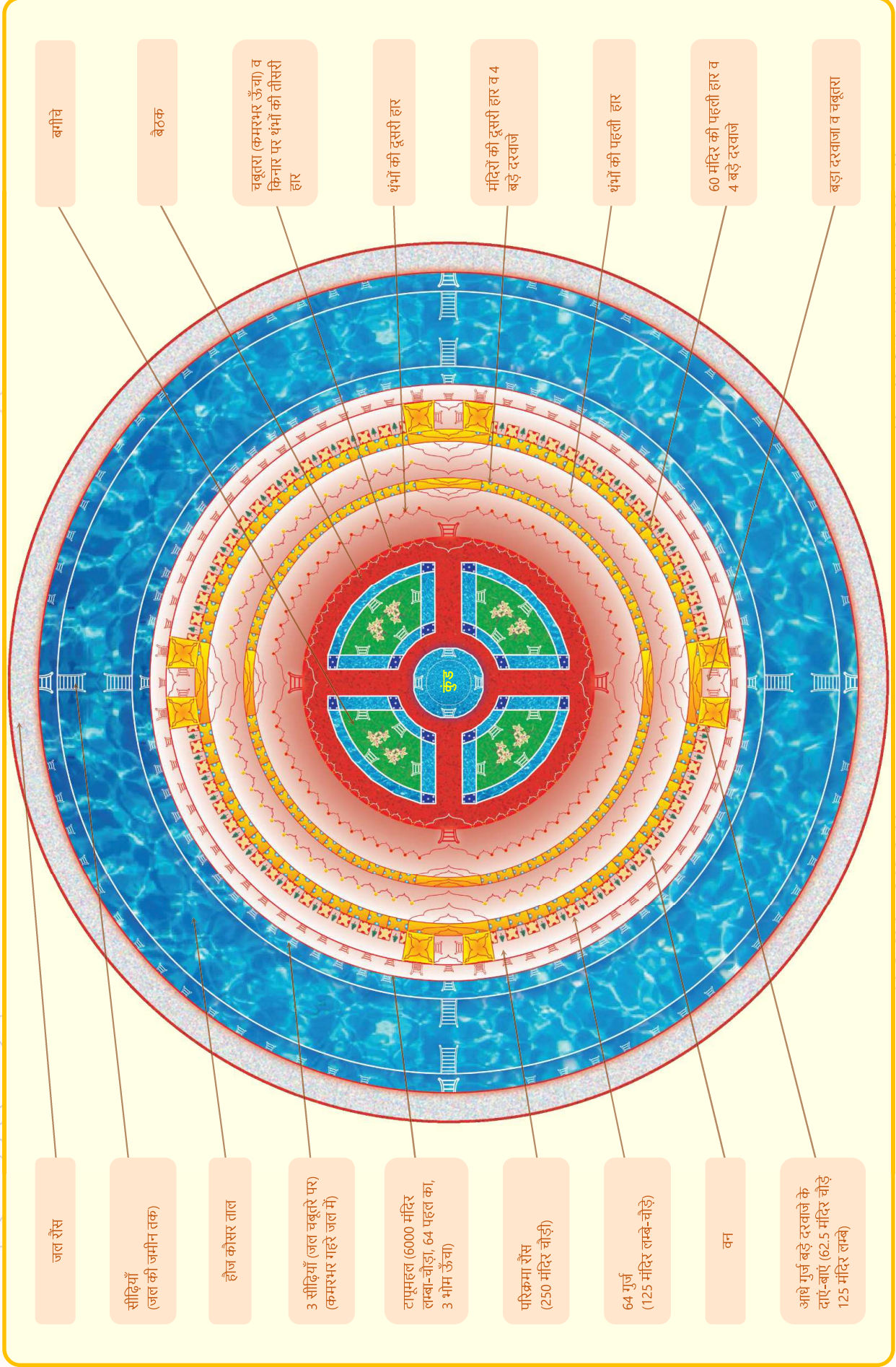


हौज कौसर ताल

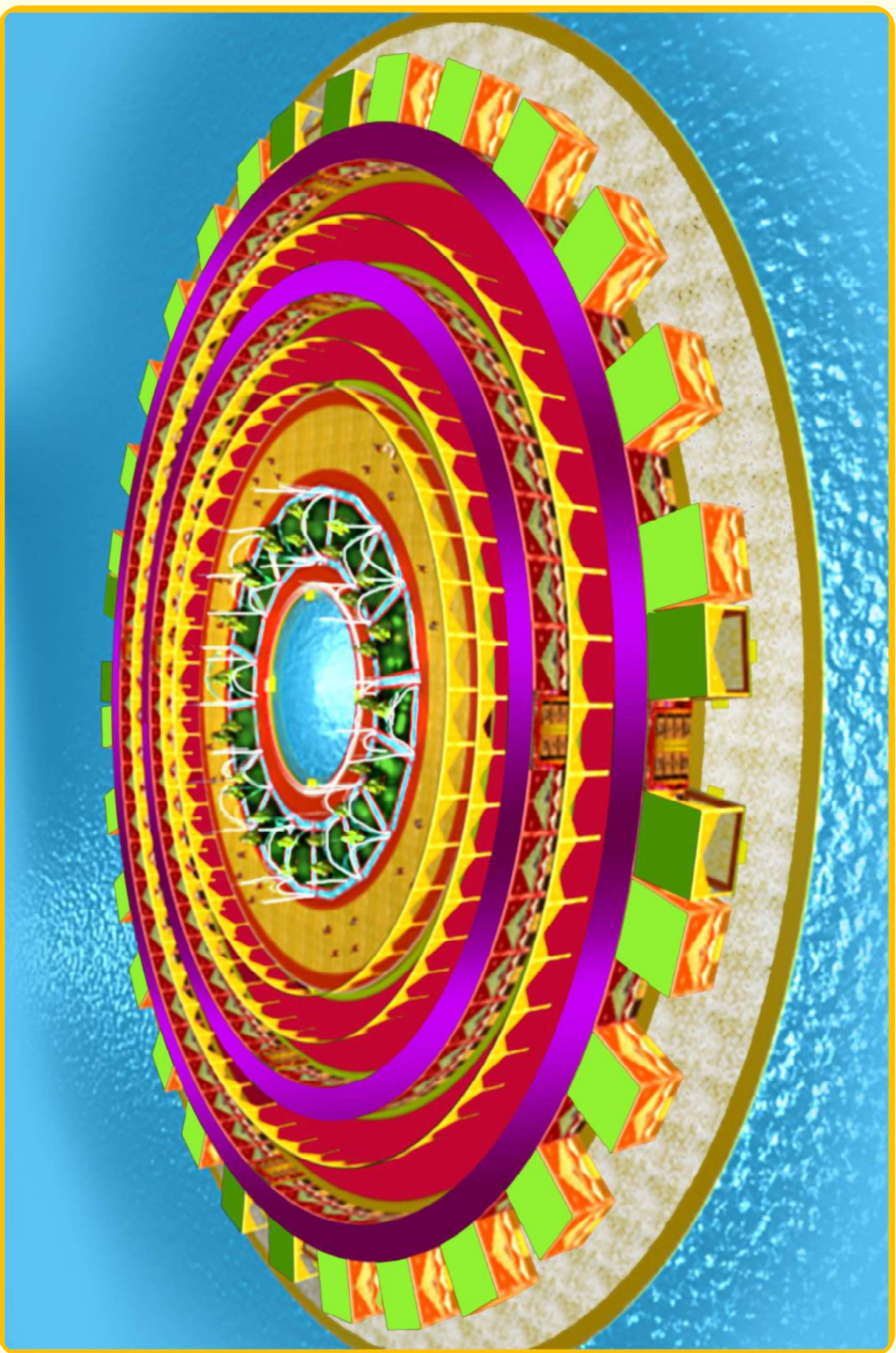
कटी पाल की शोभा



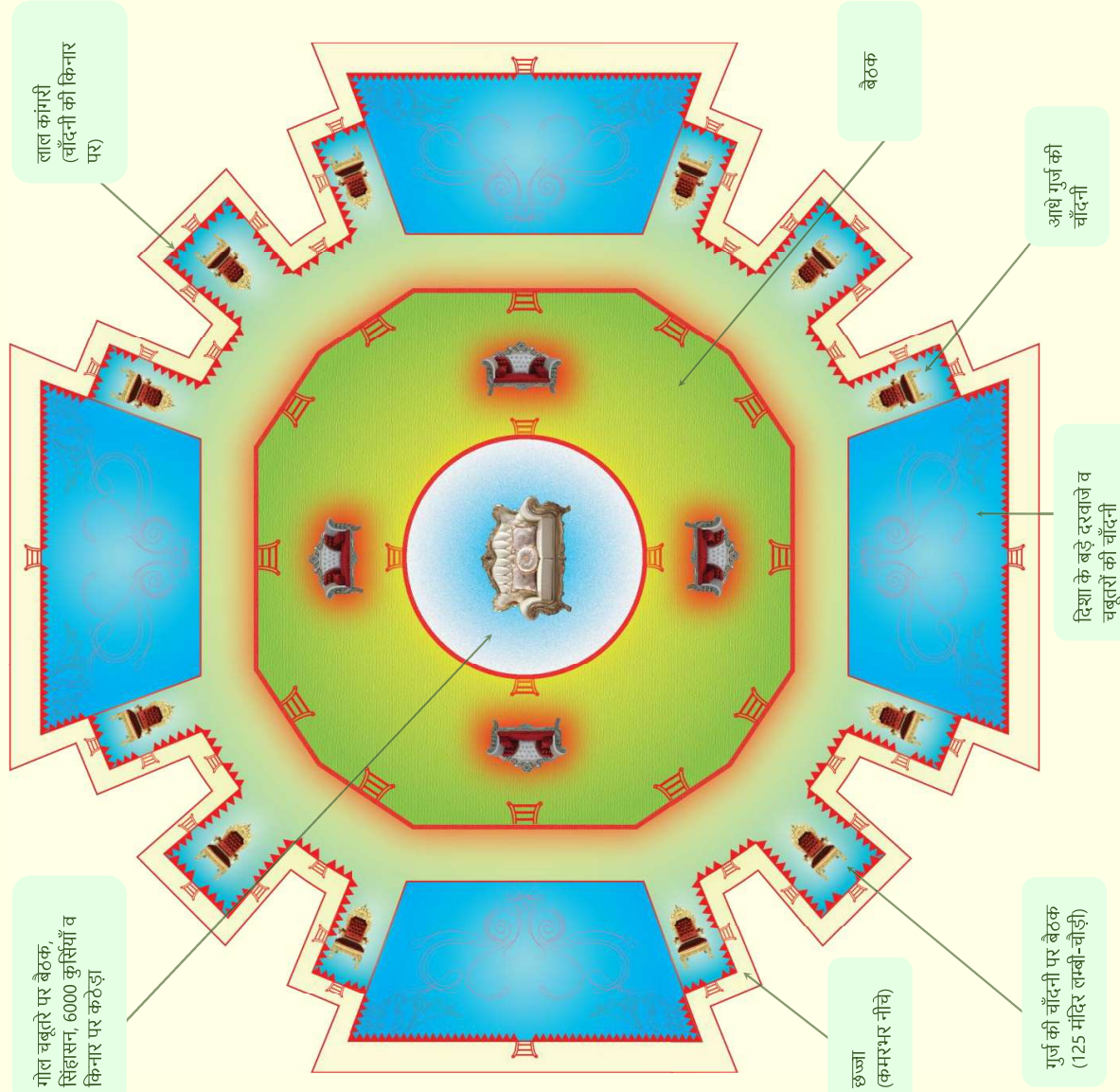
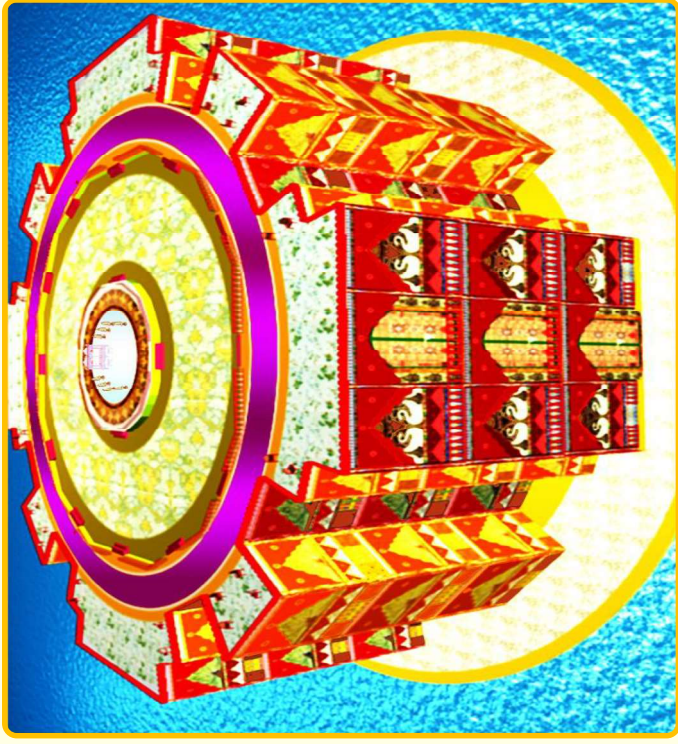
!! नक्शा नं. 69 होज कौसर ताल : टापू महल की शोभा !!



हौज कौसर ताल में टापू महल की शोभा



!! नक्शा नं. 70 होज कौसर : टापू महल की चाँदनी !!





नक्शा नं. 71 कुंज-निकुंज वन की शोभा



कुंज
(चौरस, ढपा हुआ)

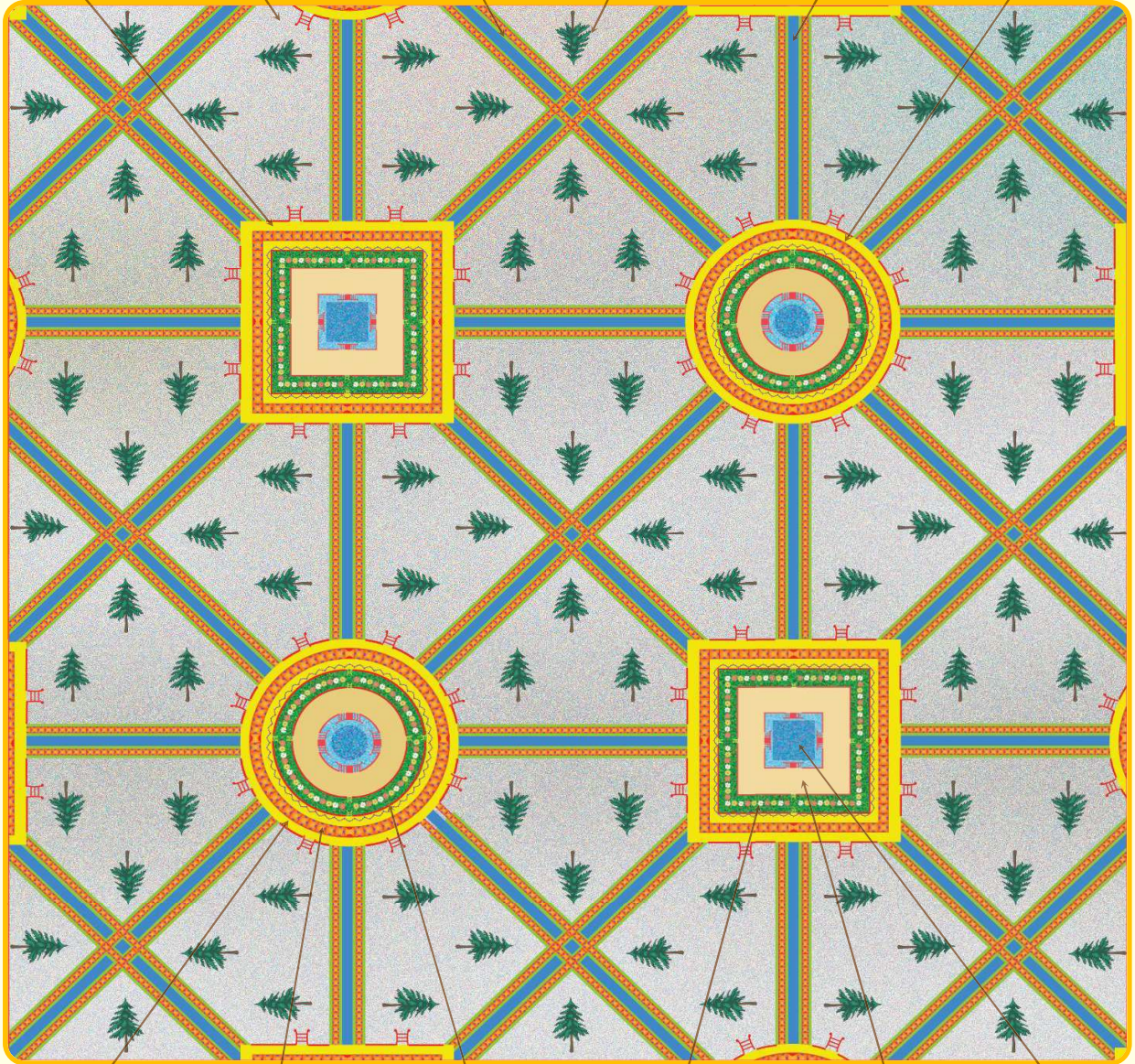
नूरमयी रेती

महल पाल पर (2 भोम
ऊँचे) व दाएं- बाएं रौंस

बगीचे में
2 भोम ऊँचे वृक्ष

नहर
(भोमभर गहरी)

निकुंज
(गोल, खुला हुआ)



रौंस (कमरभर
ऊँचे चबूतरे पर)

महल
(2 भोम ऊँचे)

थंभों की हार

बगीचे, नहरें,
चेहबच्चे व फव्वारे

चबूतरा (कमरभर
ऊँचा) व बैठक

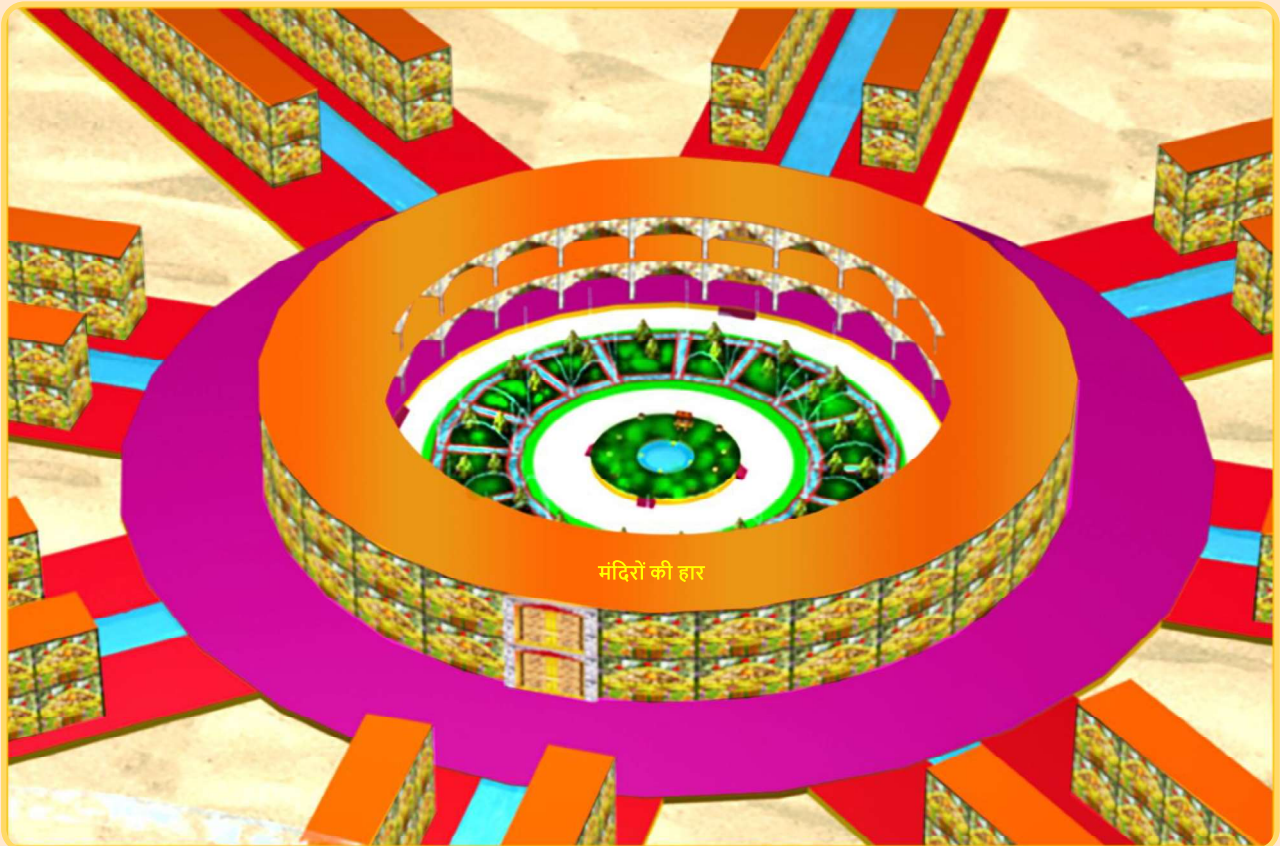
कुंड

सब साज इन मंदिरन में, फूलन को विस्तार ।
सुगंध इन मंदिरन की, सो जानत परवरदिगार ॥

कुंज वन की शोभा

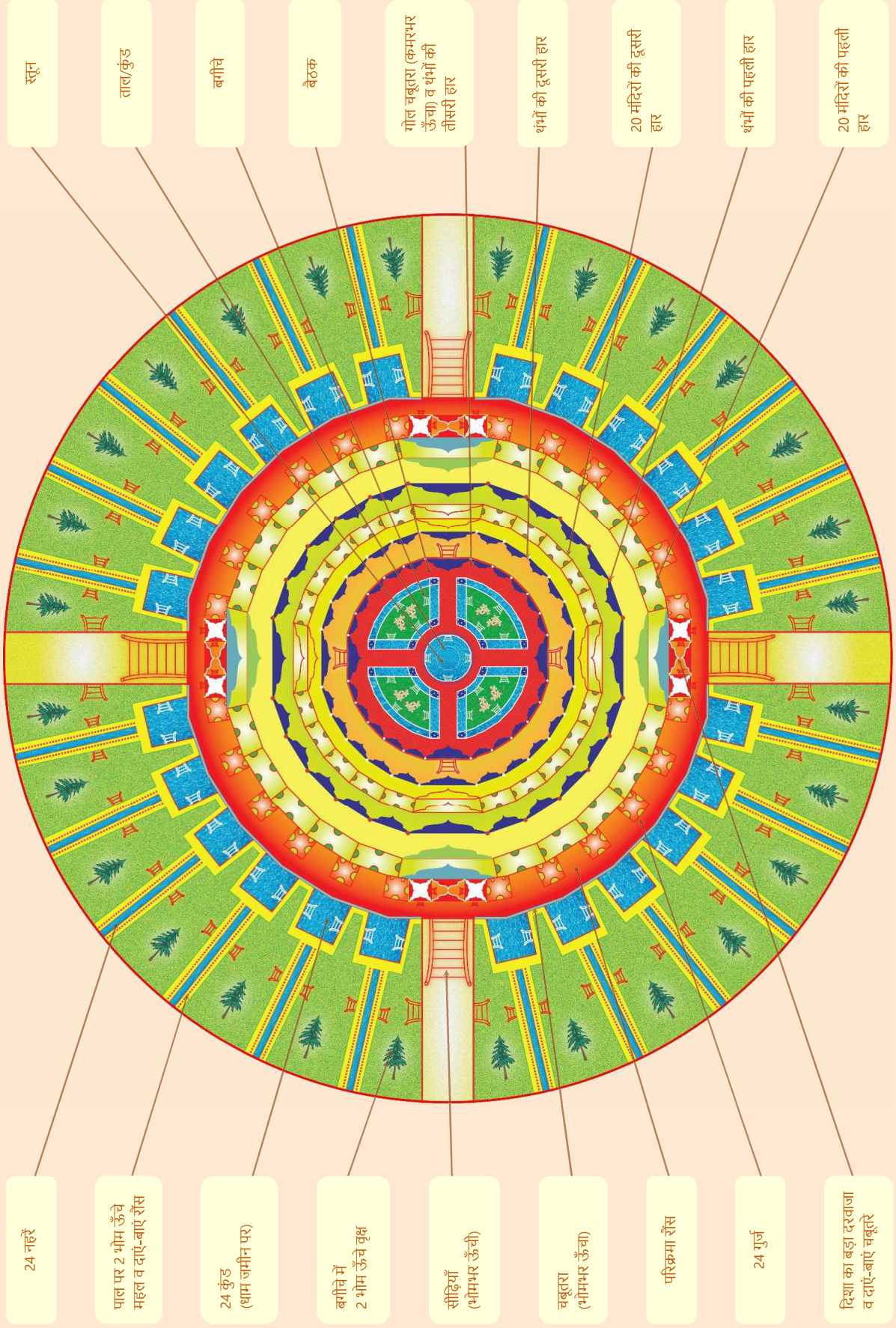


निकुंज वन की शोभा

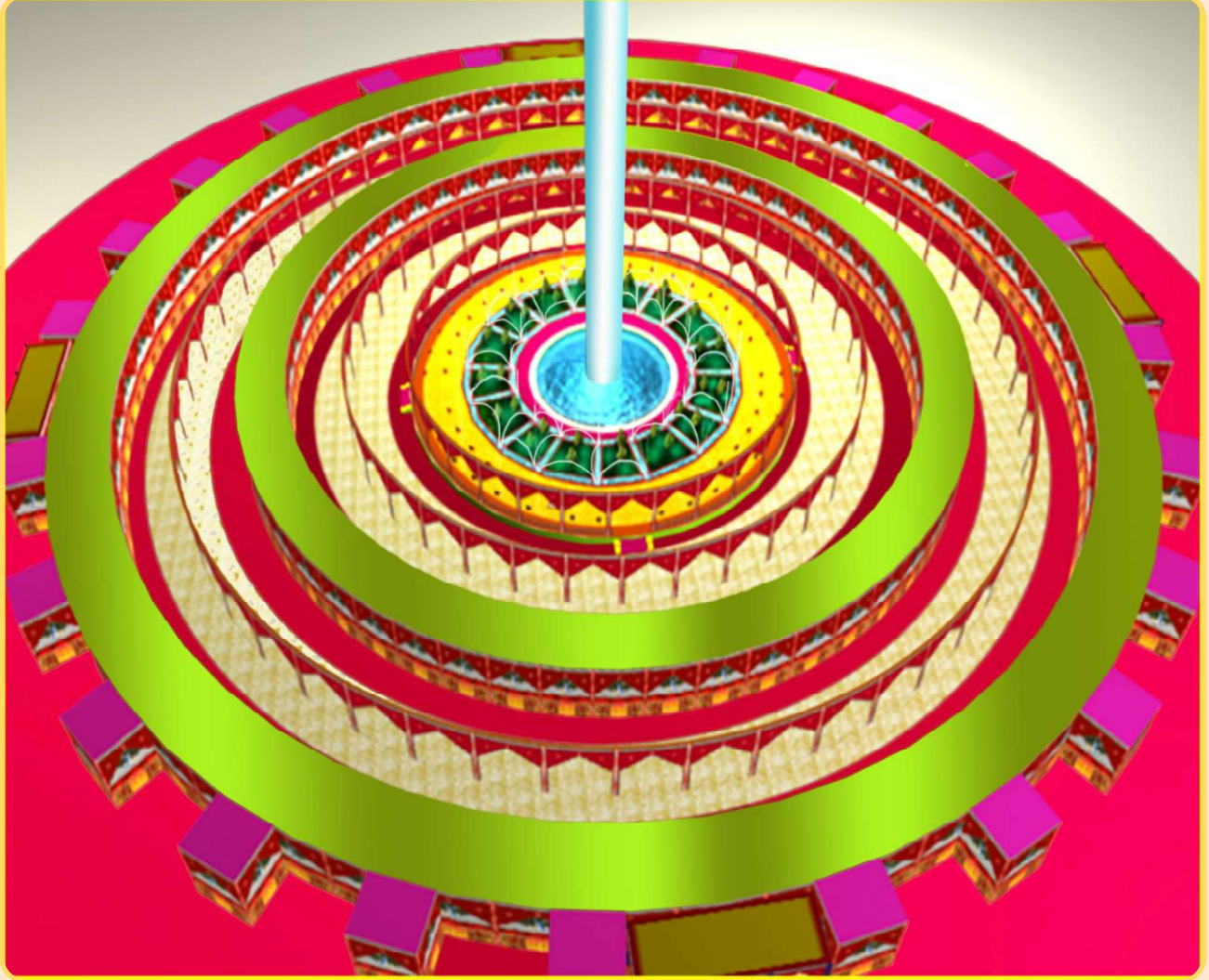




नक्शा नं. 72 चौबीस हांस का महल की शोभा

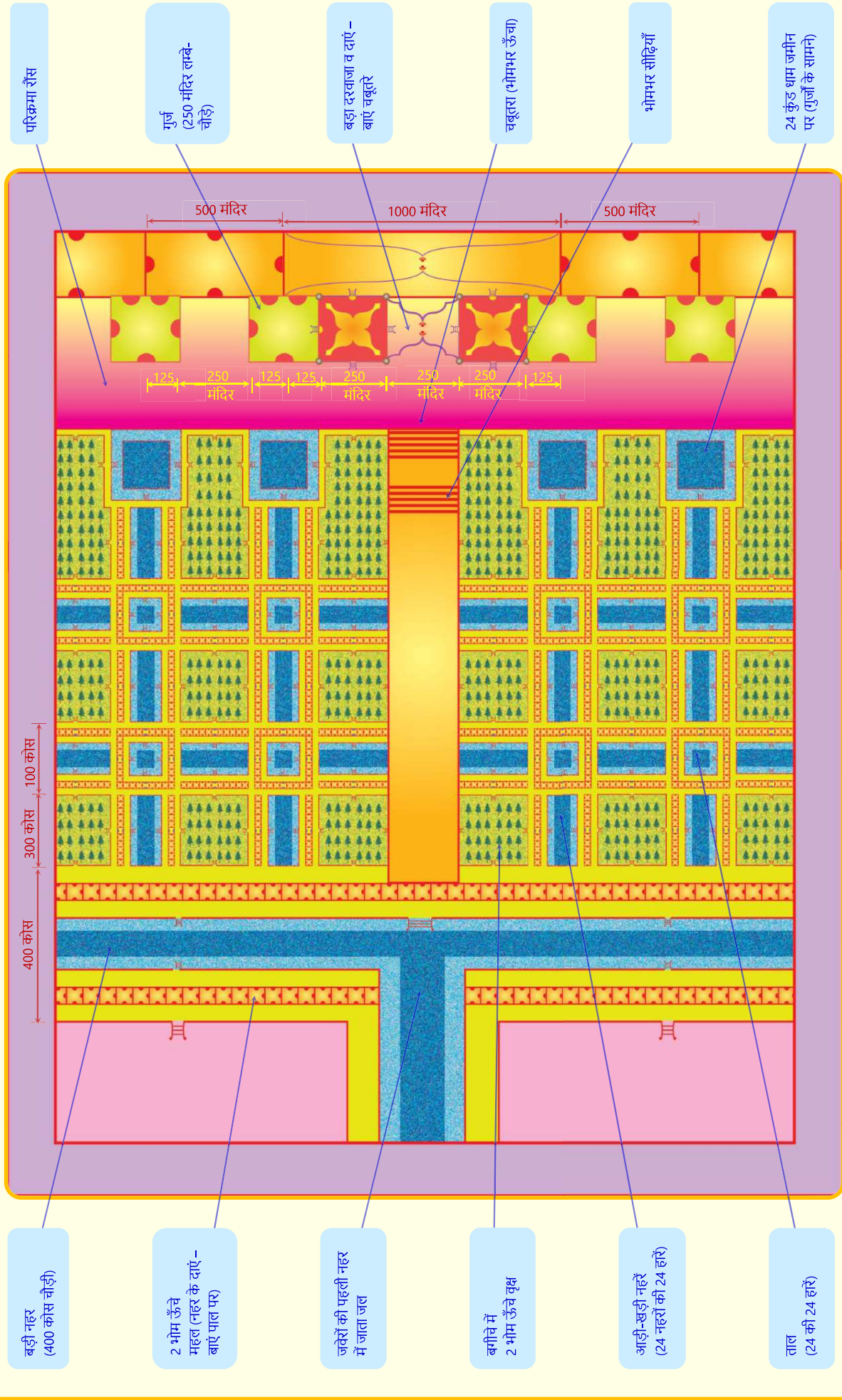


और महल चौबीस हांस को, बड़ी नहरें और जोए ।
और तालाब मानक, चार हार हवेली होए ॥

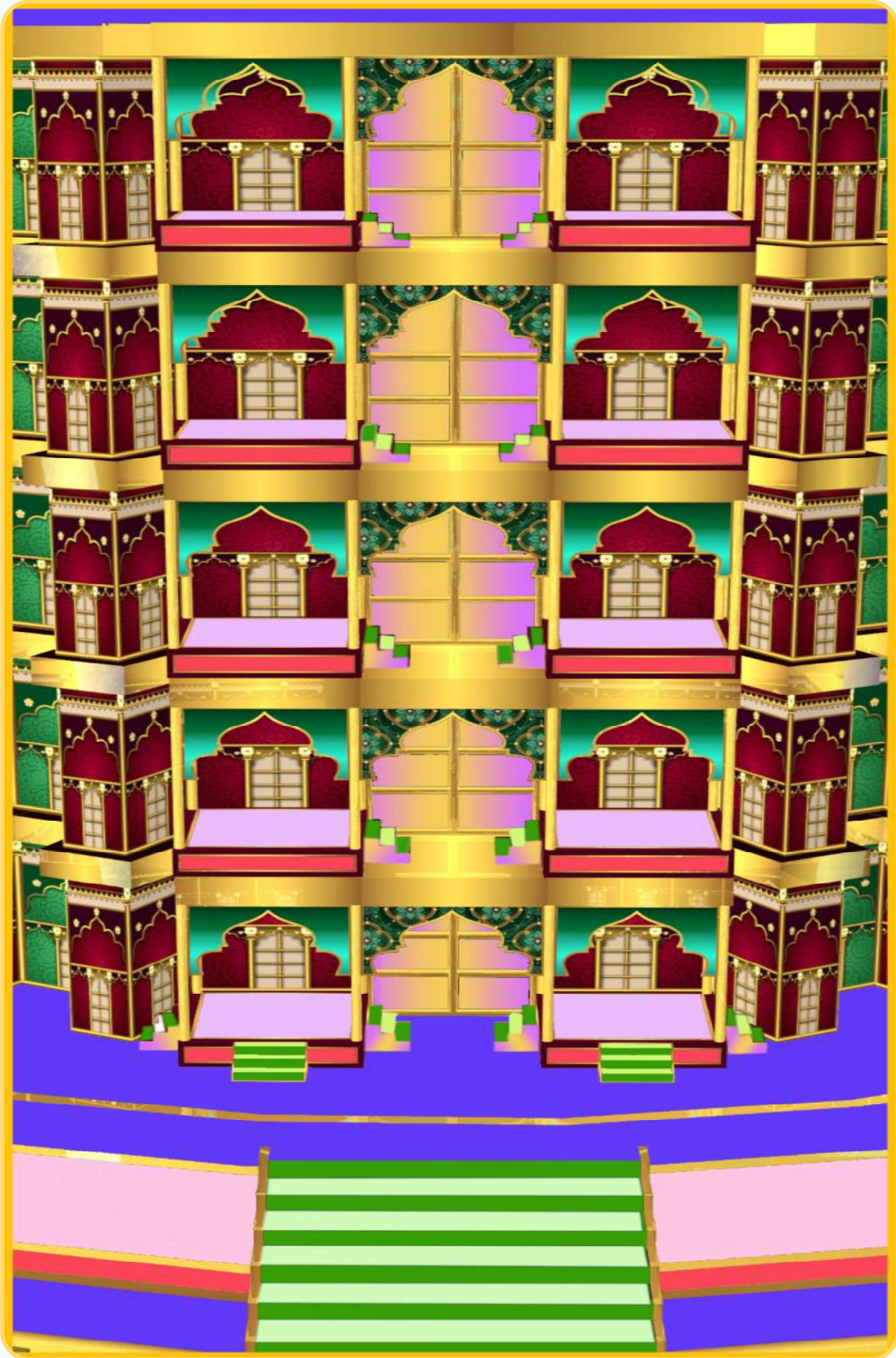


तालाब मानक बीच में, चौबीस फुहारे उछलत ।
चौबीस गुरजों चादरें, कुंड लहरें तलाबे इत ॥

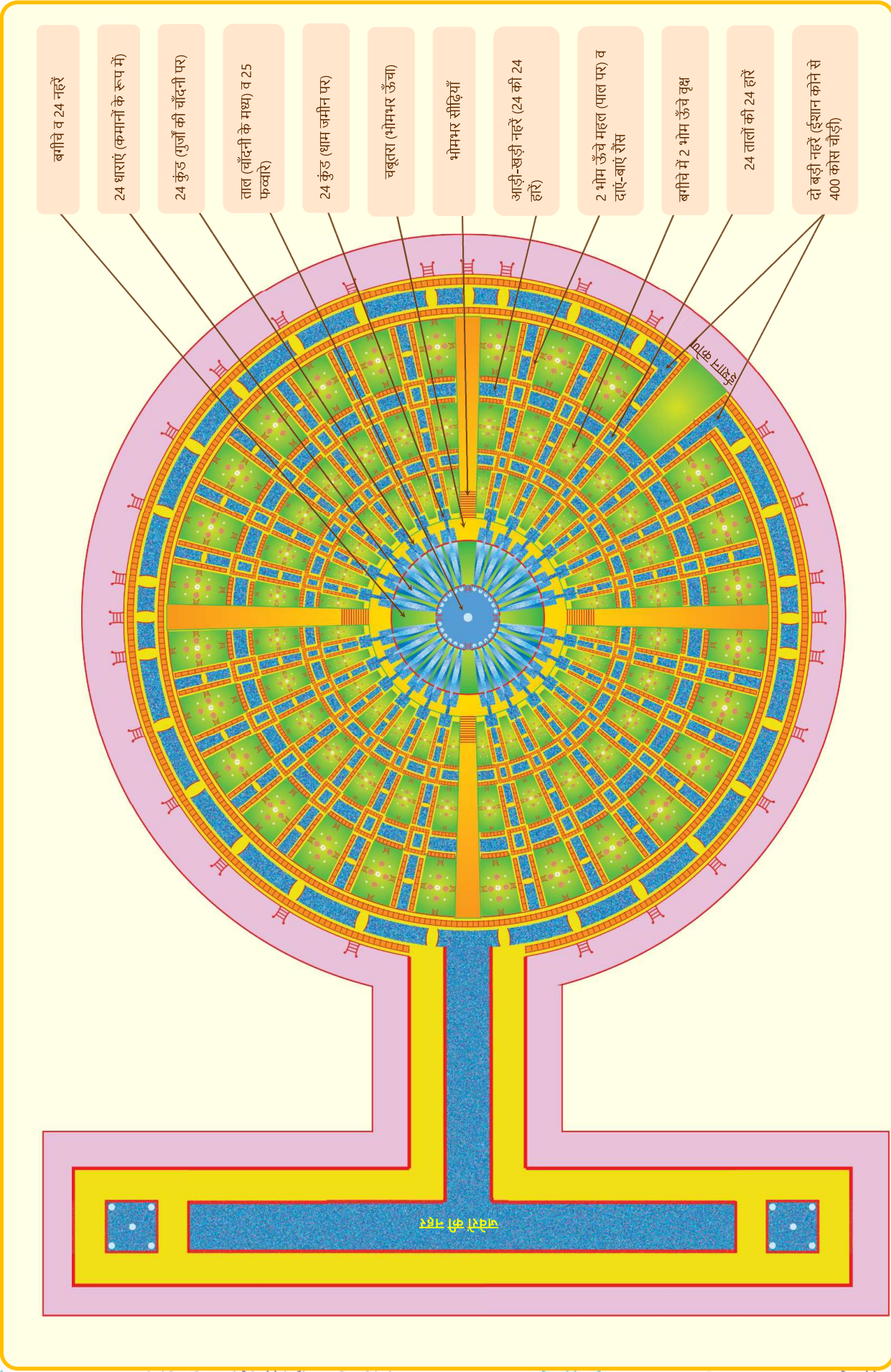
!! नक्शा नं. 73 चौबीस हांस का महल : बड़ा दरवाजा व बाहर चारों ओर बगीचों की शोभा !!



24 हांस का महल : दिशा के बड़े दरवाजे की शोभा



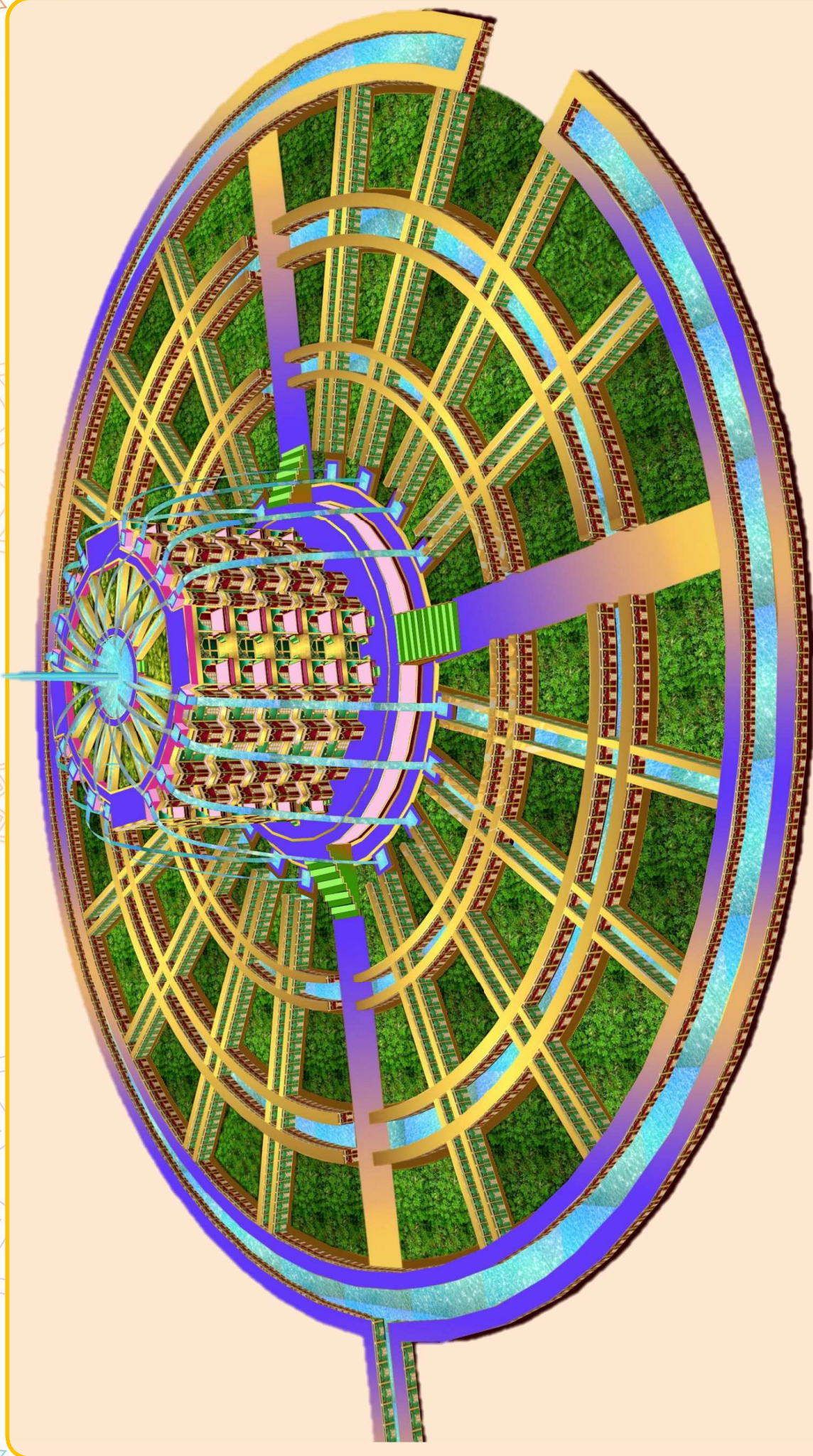
!! नक्शा नं. 74 चौबीस हांस के महल की छठी चाँदनी व बाहर के महलों और तालों की शोभा !!



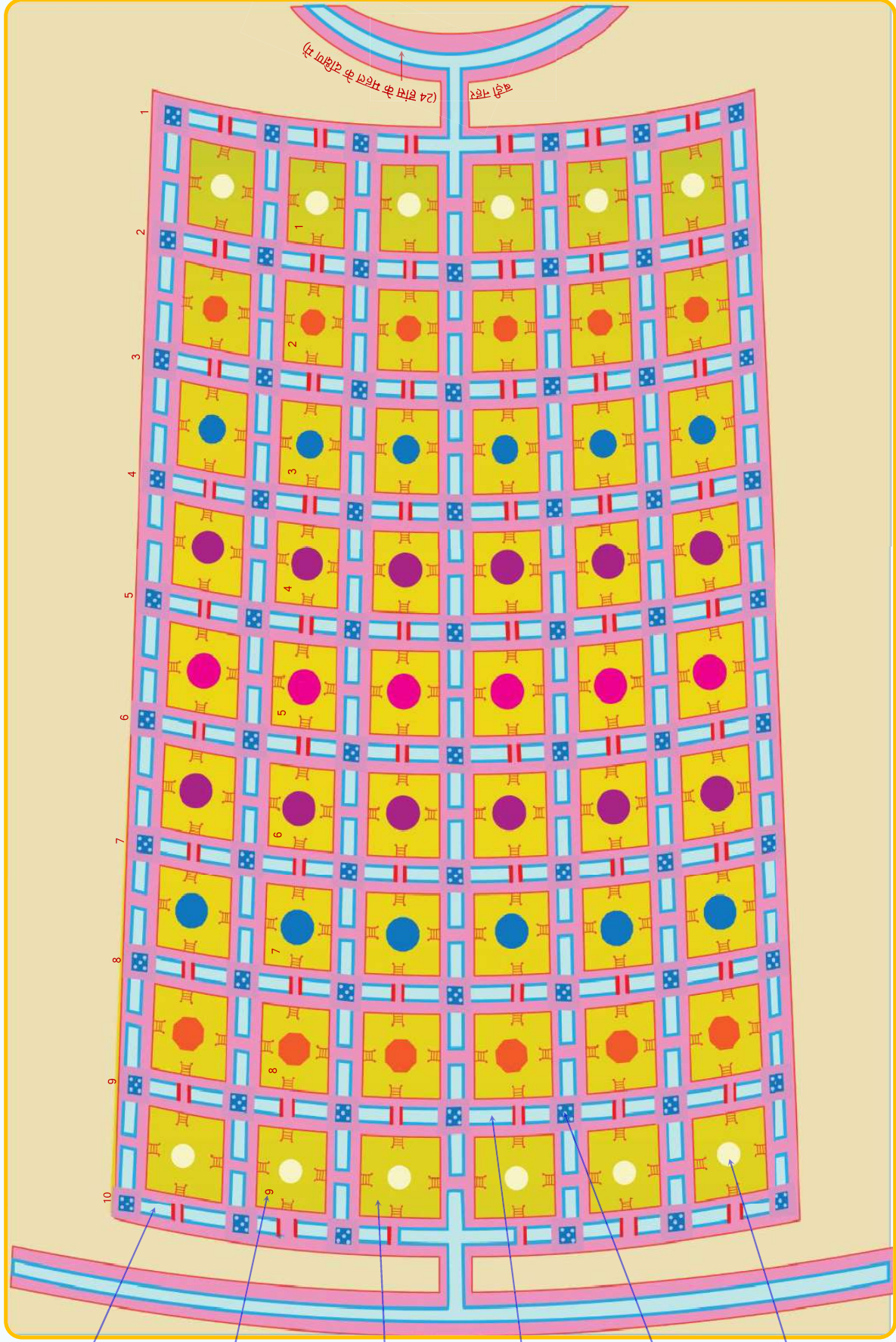


चौबीस फुहारें बीच में, परें चौबीस गुरजें ।
तासों परें चौबीस चादरें, गिरद परें कुण्डें ॥

!! नक्शा नं. 75 चौबीस हांस के महल का खड़ा दृश्य !!



!! नक्शा नं. 76 (अ) जवैरों की नहरों (महलों) के 9 फिरावे !!



10 महानद जवैरों की नहरों में गोलाई में घेरकर (400 कोस चौड़ी)

9 फिरावे (10 महानद के मध्य)

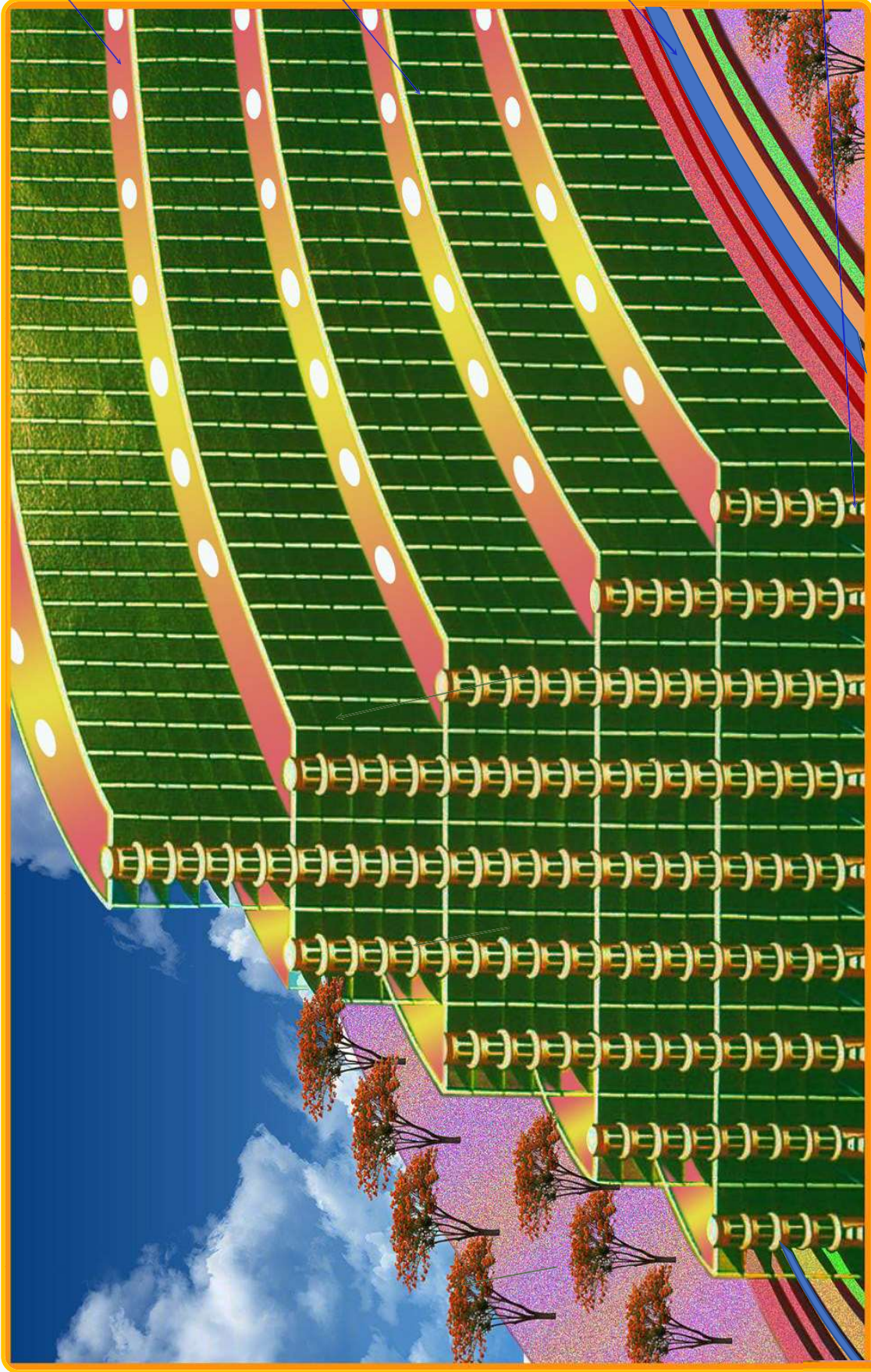
चौक (नहर सहित 50,000 कोस लम्बा-चौड़ा, कुल 124 चौक की 9 हारें)

नहरें (प्रत्येक चौक के चारों दिशाओं में)

चेहबन्धे (प्रत्येक चौक के चारों कोनों में) व 5 फव्वारे

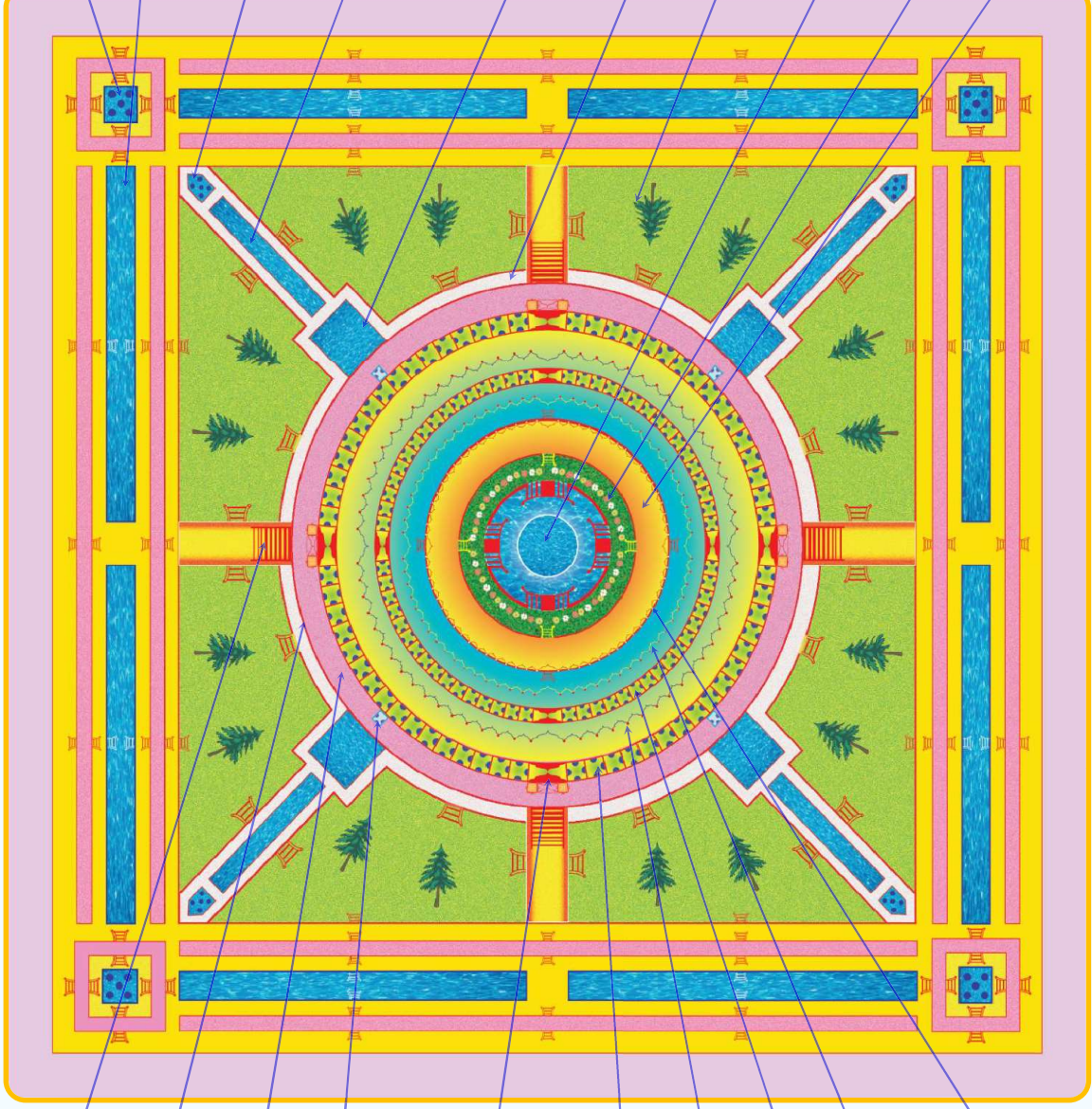
हवेली (भोगभर ऊँची, प्रत्येक चौक के मध्य के तीसरे हिस्से में)

!! नक्शा नं. 76(ब) जवरो की नहरो के नौ फिरावे !!



नौवां	आठवां	सातवां	छठा	पाँचवा	चौथा	तीसरा	दूसरा	पहला	फिरावा
4	8	16	32	64	32	16	8	4	भीम व पहल

!! नक्शा नं. 77 जवैरों की नहर : चार पहल की हवेली की शोभा !!



50,000 कोस

भोमभर सीढियाँ
(4 दिशाओं में)

गोल चबूतरा (भोमभर ऊँचा
चौक के तीसरे हिस्से में)

रौस (400 कोस चौड़ी)

4 चौरस गुर्ज (चारों कोनों में
200 कोस लम्बे-चौड़े)

दिशा के 4 बड़े दरवाजे व
चबूतरे (मध्य में 133 कोस
का दरवाजा व दाएँ-
बाएँ 133 कोस के कमरभर
ऊँचे चबूतरे)

64 महलों की पहली हार
(900 कोस लम्बे-चौड़े)

68 थंभों की पहली हार

64 महलों की दूसरी हार व
4 दरवाजे

68 थंभों की दूसरी हार

चबूतरा कमरभर ऊँचा
(चारों दिशाओं में 3
सीढियाँ, किनार पर 68 थंभ
व कंठड़)

4 बड़े चेहबच्चे व 5 फव्वारे

4 बड़ी नहरें, चौक के चारों
दिशा में (400 कोस चौड़ी)

4 छोटे चेहबच्चे (चारों नहरों
के कोनों में)

4 छोटी नहरें (100 कोस
चौड़ी, मध्य में 33 कोस में
पानी व दाएँ-बाएँ 33-33
कोस में रौस)

4 कुंड धाम जमीन पर (200
कोस लम्बे-चौड़े)

रौस धाम जमीन पर
(कमरभर ऊँची)

4 बगीचे में 5 भोम ऊँचे
बडावन के वृक्ष

चेहबच्चा व पानी का स्तून
(चबूतरे के तीसरे हिस्से में)

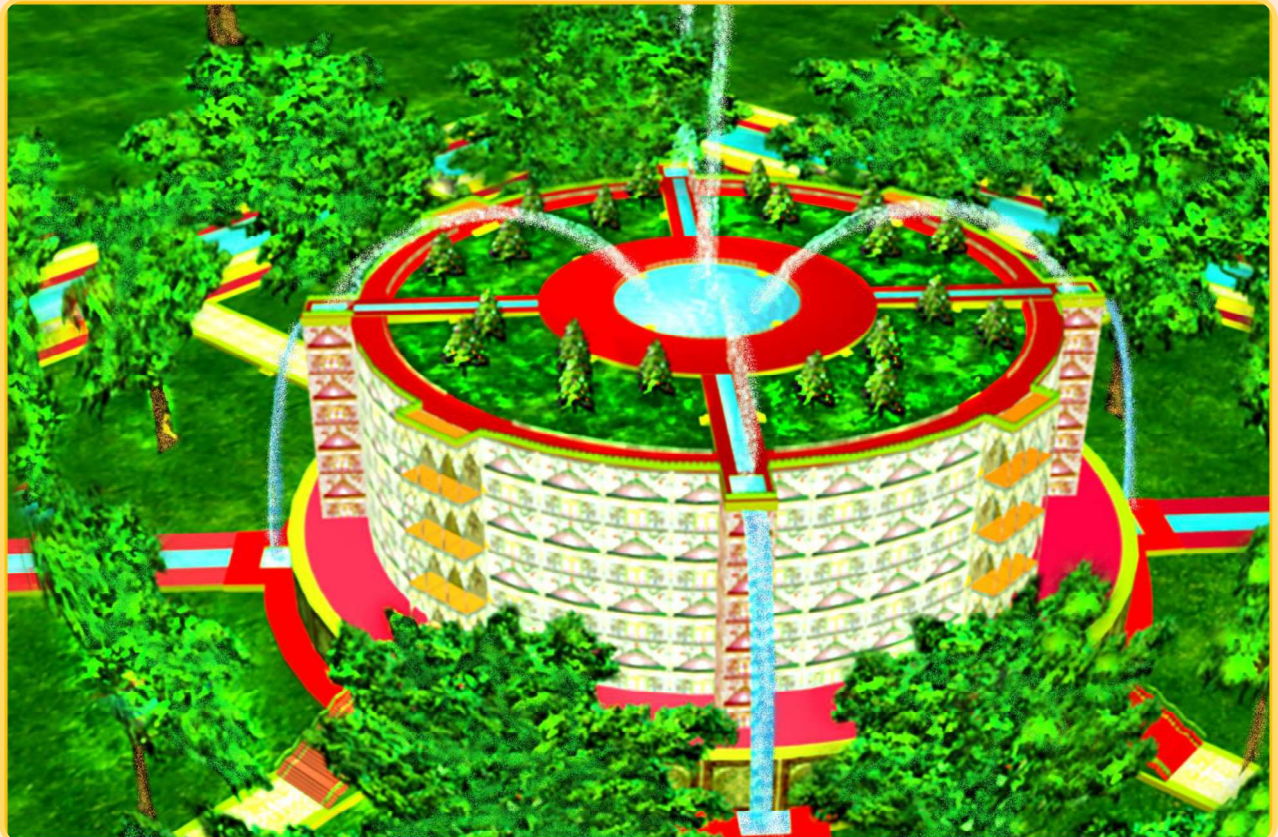
बगीचे

बैठक (सूर्यमयी गिलम युक्त)

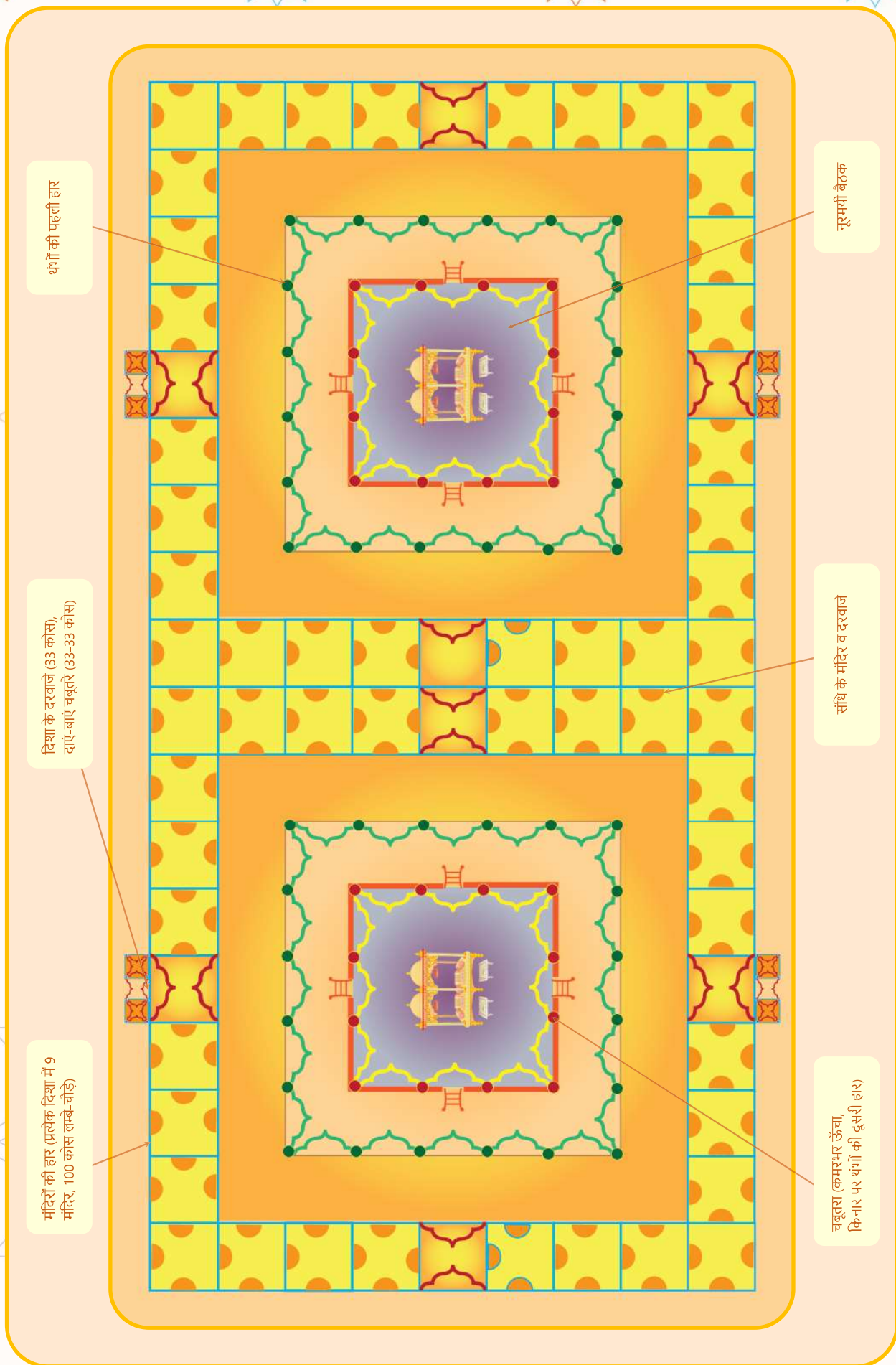
4 पहल की हवेली की अन्दर की शोभा



4 पहल की हवेली की चाँदनी की शोभा



!! नक्शा नं. 78 जवरो की नहर : हवेली में महलों की शोभा !!



मंदिरों की हार (प्रत्येक दिशा में 9 मंदिर, 100 कोस लम्बे-चौड़े)

दिशा के दरवाजे (33 कोस), दाएं-बाएं चबूतरे (33-33 कोस)

शर्मों की पहली हार

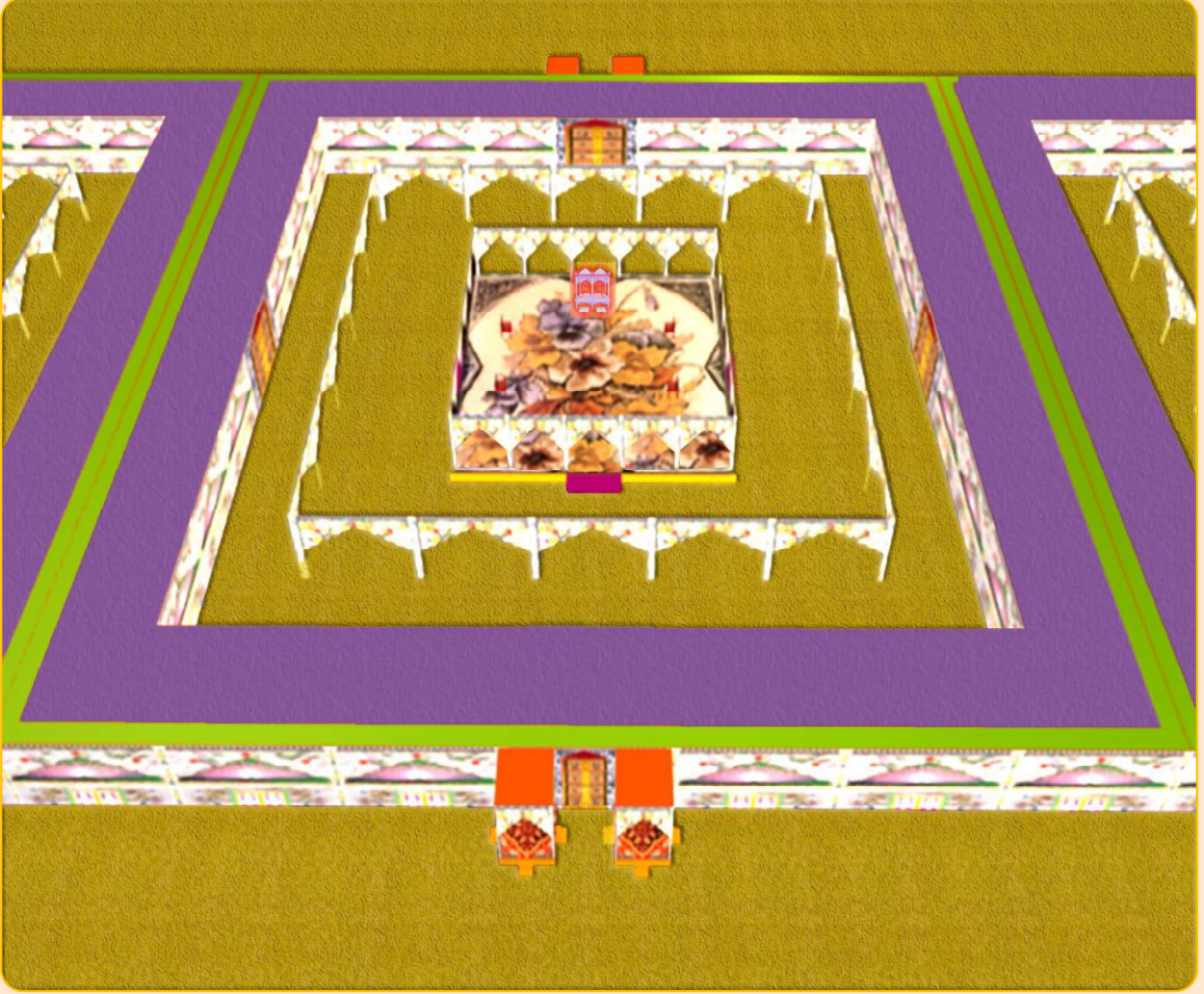
चबूतरा (कमरभर ऊँचा, किनार पर शर्मों की दूसरी हार)

सधि के मंदिर व दरवाजे

नूरमयी बैठक

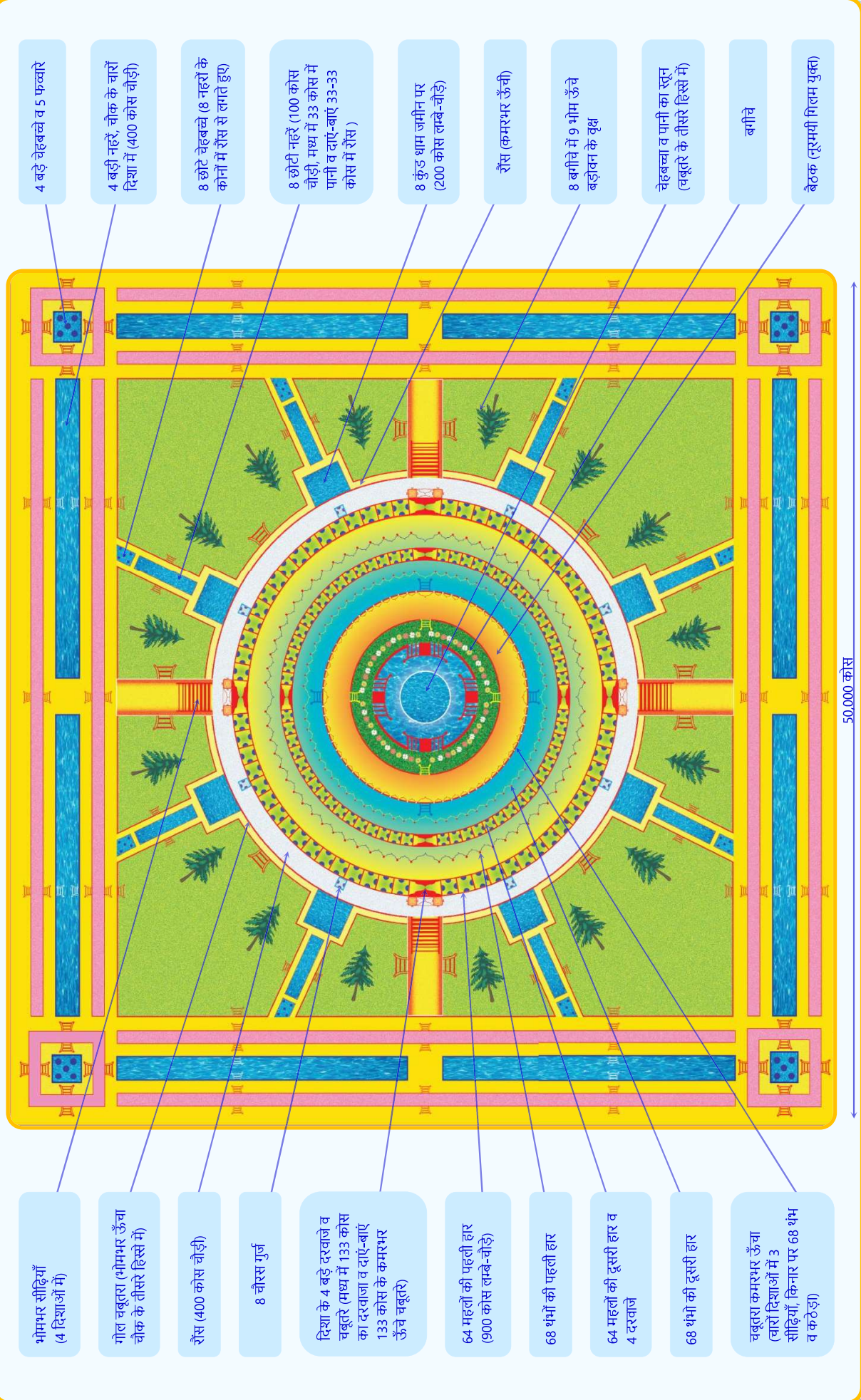
जवैरों की नहरों के महलों की शोभा

हर जातों मोहोल जुदे जुदे, जुदी जुगतें पानी चलत ।
जुदी जुदी जुगतें कारंजें, क्यों कर कहूं एह सिफत ॥



इन बड़े मोहोल सुख नेहेरों के, हमें कब देओगे खसम ।
मांगे मंगाए जो देओ, सब हुआ हाथ हुकम ॥

!! नक्शा नं. 79 जवरों की नहर : आठ पहल की हवेली की शोभा !!



भोममर सीढियाँ
(4 दिशाओं में)

गोल चबूतरा (भोममर ऊँचा चौक के तीसरे हिस्से में)

रौस (400 कोस चौड़ी)

8 चौरस गुर्ज

दिशा के 4 बड़े दरवाजे व चबूतरे (मध्य में 133 कोस का दरवाजा व दाएँ-बाएँ 133 कोस के कमरभर ऊँचे चबूतरे)

64 महलों की पहली हार (900 कोस लम्बे-चौड़े)

68 थंभों की पहली हार

64 महलों की दूसरी हार व 4 दरवाजे

68 थंभों की दूसरी हार

चबूतरा कमरभर ऊँचा (चारों दिशाओं में 3 सीढियाँ, किनार पर 68 थंभ व कठेड़ा)

4 बड़े चेहबच्चे व 5 फव्वारे

4 बड़ी नहरें, चौक के चारों दिशा में (400 कोस चौड़ी)

8 छोटे चेहबच्चे (8 नहरों के कोनों में रौस से लगते हुए)

8 छोटी नहरें (100 कोस चौड़ी, मध्य में 33 कोस में पानी व दाएँ-बाएँ 33-33 कोस में रौस)

8 कुंड धाम जमीन पर (200 कोस लम्बे-चौड़े)

रौस (कमरभर ऊँची)

8 बगीचे में 9 भोम ऊँचे बड़ोवन के वृक्ष

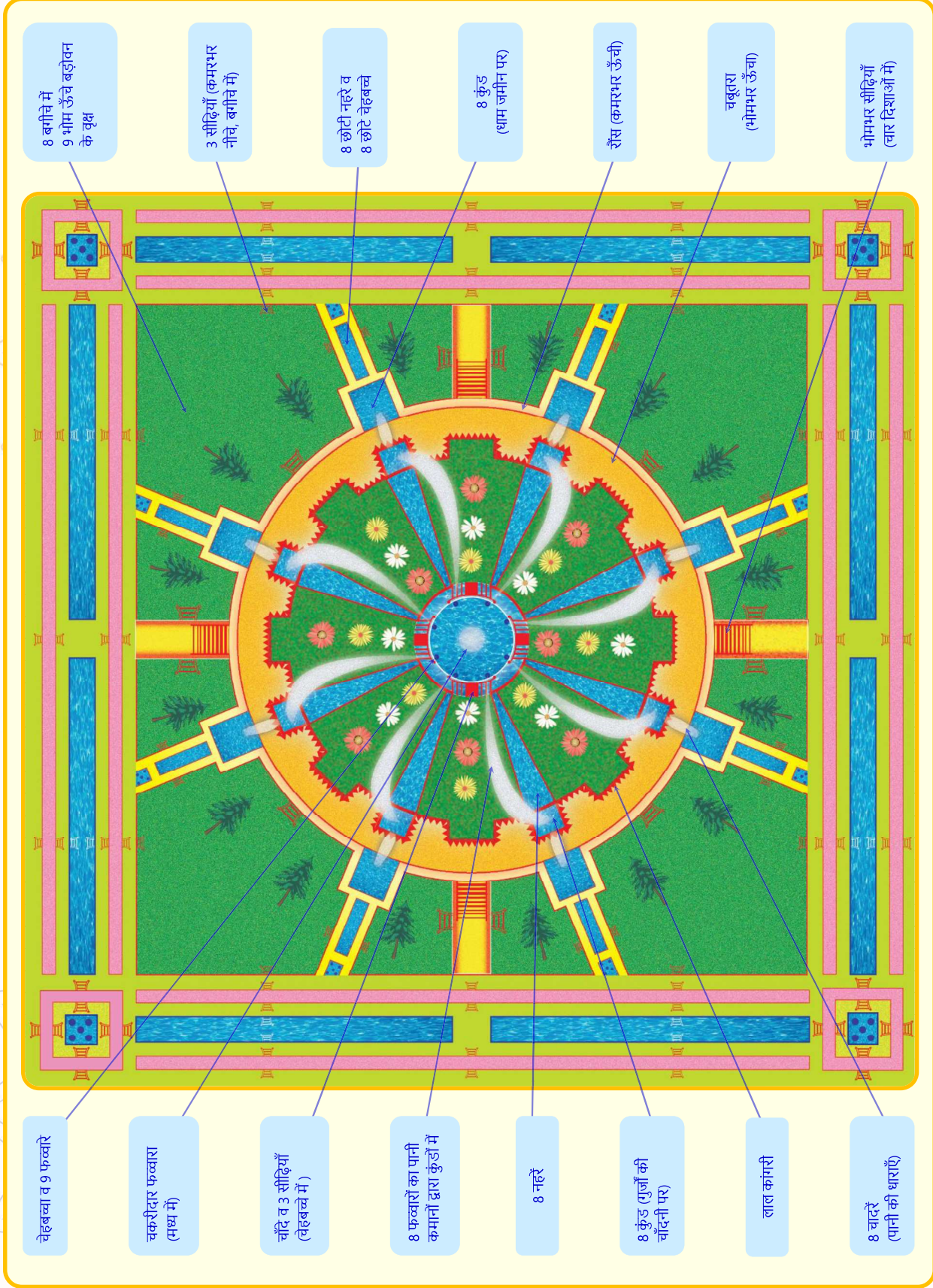
चेहबच्चा व पानी का स्तून (चबूतरे के तीसरे हिस्से में)

बगीचे

बैठक (सूरमयी गिलम युक्त)

50,000 कोस

!! नक्शा नं. 80 जवरो की नहर : आठ पहल की हवेली की चाँदनी की शोभा !!



जवरों की नहर : एक चौक में हवेली की शोभा

अब नेहेरें बरनन तो करूं, जो कछु होए हिसाब।
मोहोल मोहोल बीच कै कुंड बने, कै कारंजें छूटें ऊंचे आब।।



यों कई नेहेरें बीच सेहेरन के, इन सेहेरों कई मोहोलात ।
हर मोहोलों कई बैठके, ए सोभा कही न जात ।।

!! नक्शा नं. 81 जवैरों की नहर : सोलह पहल की हवेली की शोभा !!



50,000 कोस

भोमभर सीढ़ियाँ
(4 दिशाओं में)

गोल चबूतरा (भोमभर ऊँचा,
चौक के तीसरे हिस्से में)

रौस (400 कोस चौड़ी)

16 चौरस गुर्ज

दिशा के 4 बड़े दरवाजे व
चबूतरे (मध्य में 133 कोस
का दरवाजा व दाएँ-बाएँ
133 कोस के कमरभर
ऊँचे चबूतरे)

64 महलों की पहली हार
(900 कोस लम्बे-चौड़े)

68 धंभों की पहली हार

64 महलों की दूसरी हार व
4 दरवाजे

68 धंभों की दूसरी हार

चबूतरा कमरभर ऊँचा
(चारों दिशाओं में 3
सीढ़ियाँ, किनार पर 68 धंभ
व कठेड़ें)

बड़े चेहबच्चे व 5 फव्वारे

बड़ी नहरें, चौक के चारों
दिशा में (400 कोस चौड़ी)

16 छोटे चेहबच्चे (16 नहरों
के कोनों में)

16 छोटी नहरें (100 कोस
चौड़ी, मध्य में 33 कोस में
पानी व दाएँ-बाएँ 33-33
कोस में रौस)

16 कुंड (शाम जमीन पर,
200 कोस लम्बे-चौड़े)

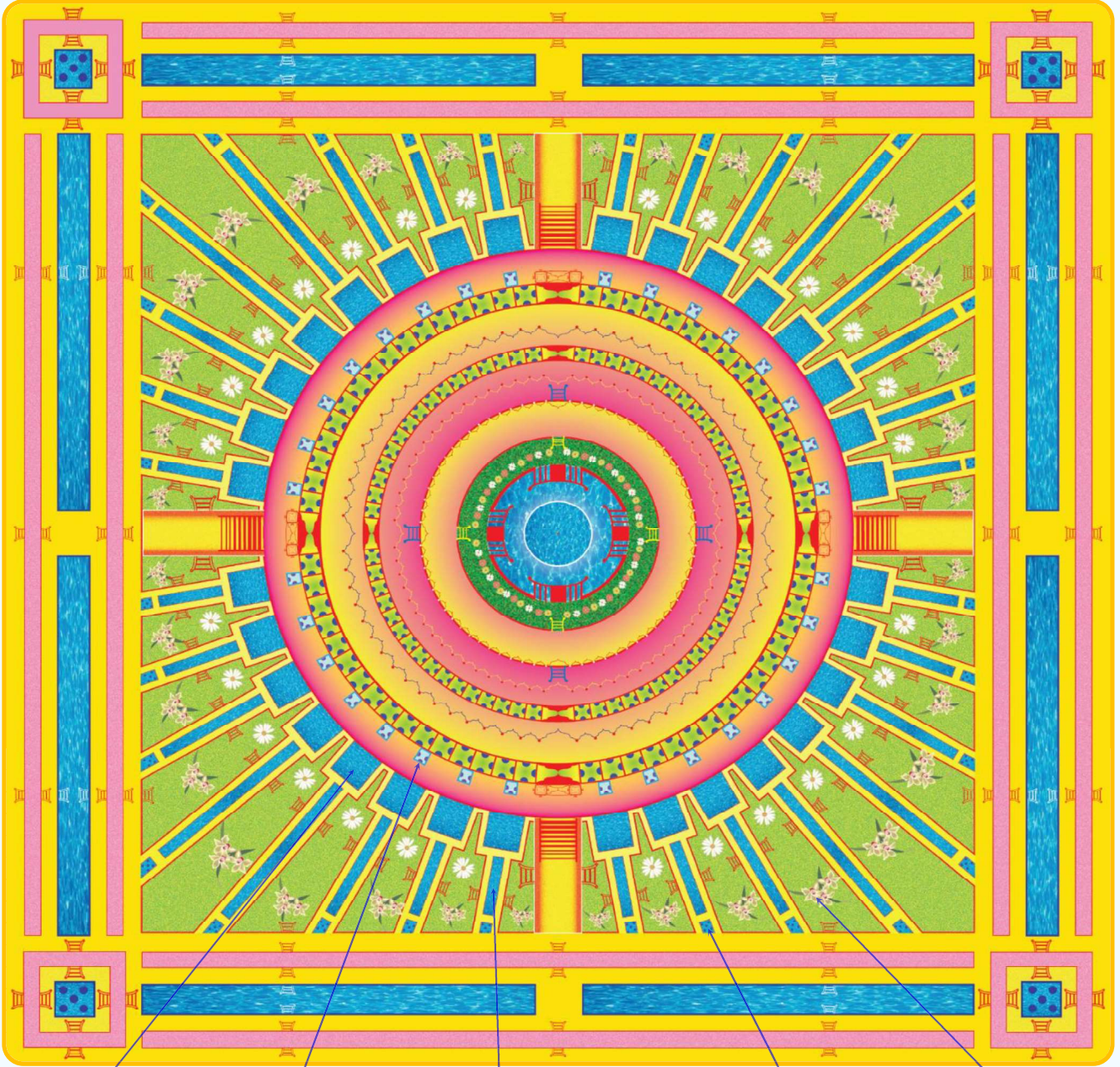
रौस (कमरभर ऊँची)

16 बगीचे में 17 भोम ऊँचे
मधुवन के वृक्ष

चेहबच्चा व पानी का स्तूप
(चबूतरे के तीसरे हिस्से में)

बगीचे

बैठक (सूरमयी गिलम युक्त)



32 कुंड (धाम
जमीन पर, 200
कोस लम्बे-चौड़े)

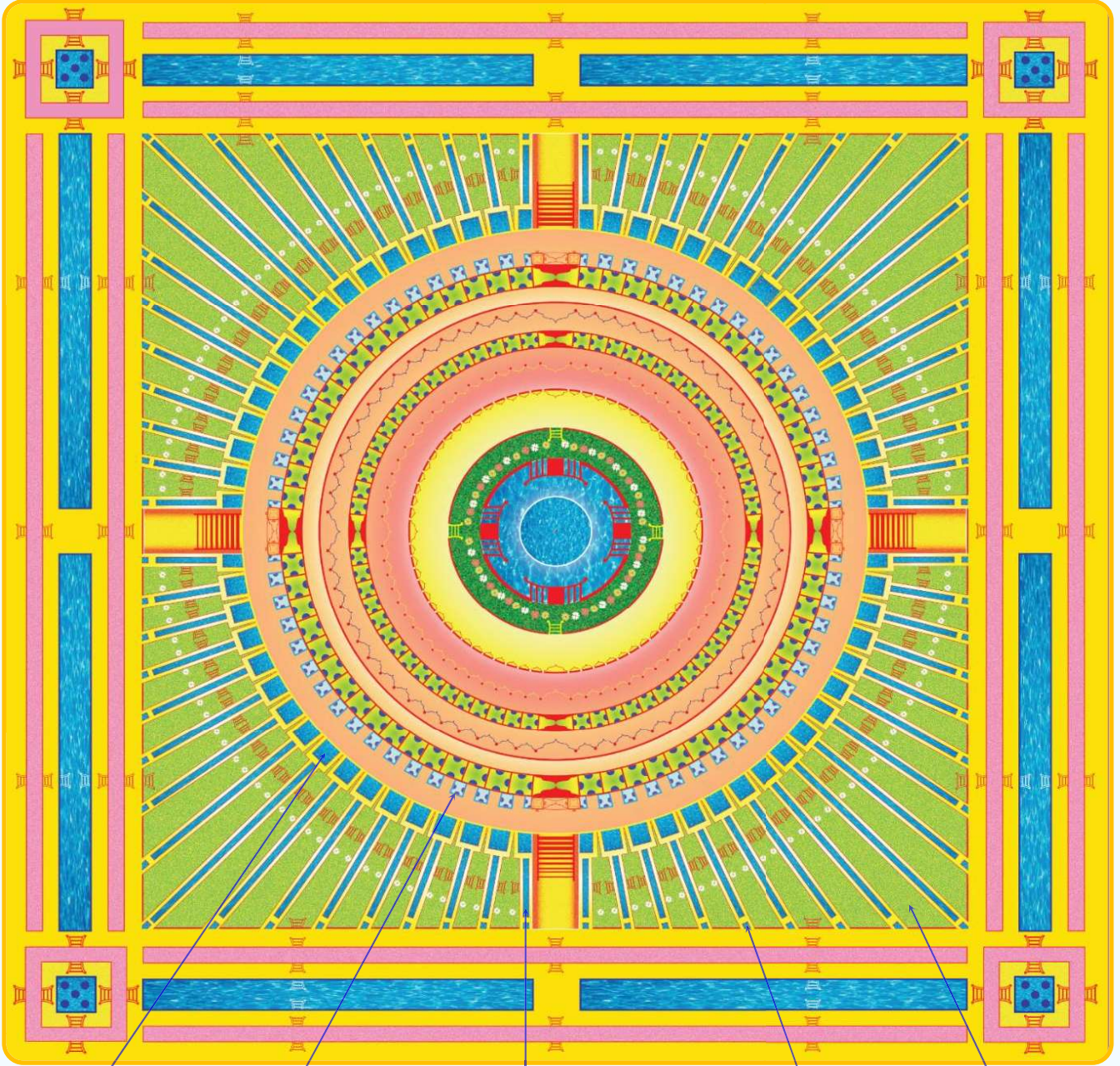
32 चौरस गुर्ज

32 छोटी नहरें (100 कोस चौड़ी,
मध्य में 33 कोस में पानी व दाएं-
बाएं 33-33 कोस में रौस)

32 छोटे चेहबच्चे
(32 नहरों के
कोनों में)

32 बगीचे में 33
भोम ऊँचे मधुवन
के वृक्ष

कई चलत चक्राव ज्यों, कई आड़ी ऊंची चलत ।
कई चलत मोहोलों पर, कई मोहोलों से उतरत ॥



64 कुंड (धाम जमीन पर, 200 कोस लम्बे-चौड़े)

64 चौरस गुर्ज

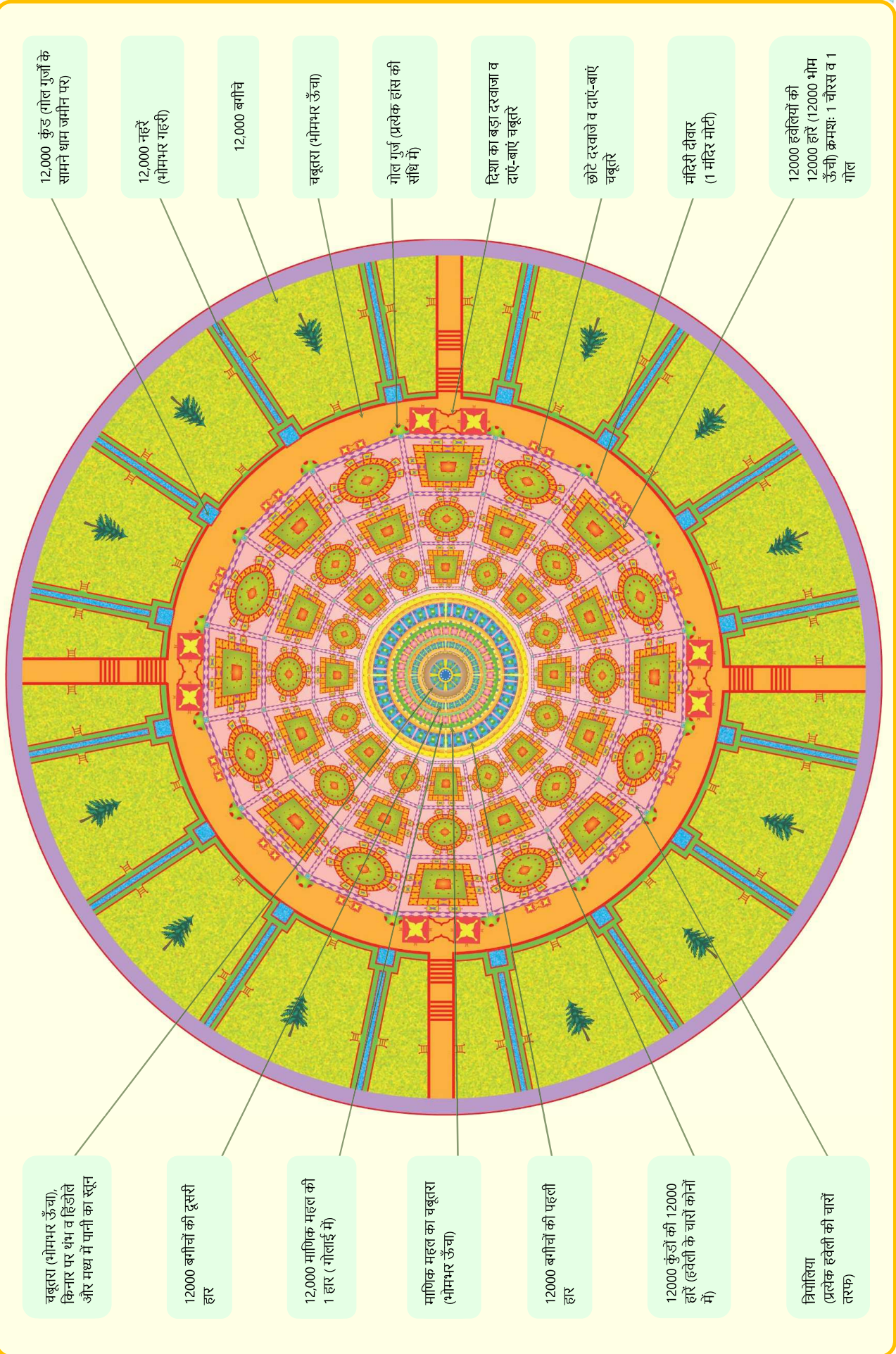
64 छोटी नहरें (100 कोस चौड़ी, मध्य में 33 कोस में पानी व दाएं-बाएं 33-33 कोस में रौस)

64 छोटे चेहबच्चे (64 नहरों के कोनों में)

64 बगीचे में 65 भोम ऊँचे महावन के वृक्ष

कहूं चार नेहरें मिली चली, कहूं चार से सोले निकसत ।
कई नेहरें सुख इन मोहोलों, धनी कब करसी प्रापत ॥

!! नक्शा नं. 84(अ) माणिक पहाड की शोभा !!



चबूतरा (भोमभर ऊँचा),
किनार पर शंभ व हिंडोले
और मध्य में पानी का स्तून

12000 बगीचों की दूसरी
हार

12,000 माणिक महल की
1 हार (गोलाई में)

माणिक महल का चबूतरा
(भोमभर ऊँचा)

12000 बगीचों की पहली
हार

12000 कुंडों की 12000
हारें (हवेली के चारों कोनों
में)

त्रिपोलिया
(प्रत्येक हवेली की चारों
तरफ)

12,000 कुंड (गोल गुर्जों के
सामने धाम जमीन पर)

12,000 नहरें
(भोमभर गहरी)

12,000 बगीचे

चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

गोल गुर्ज (प्रत्येक हास की
सीधे में)

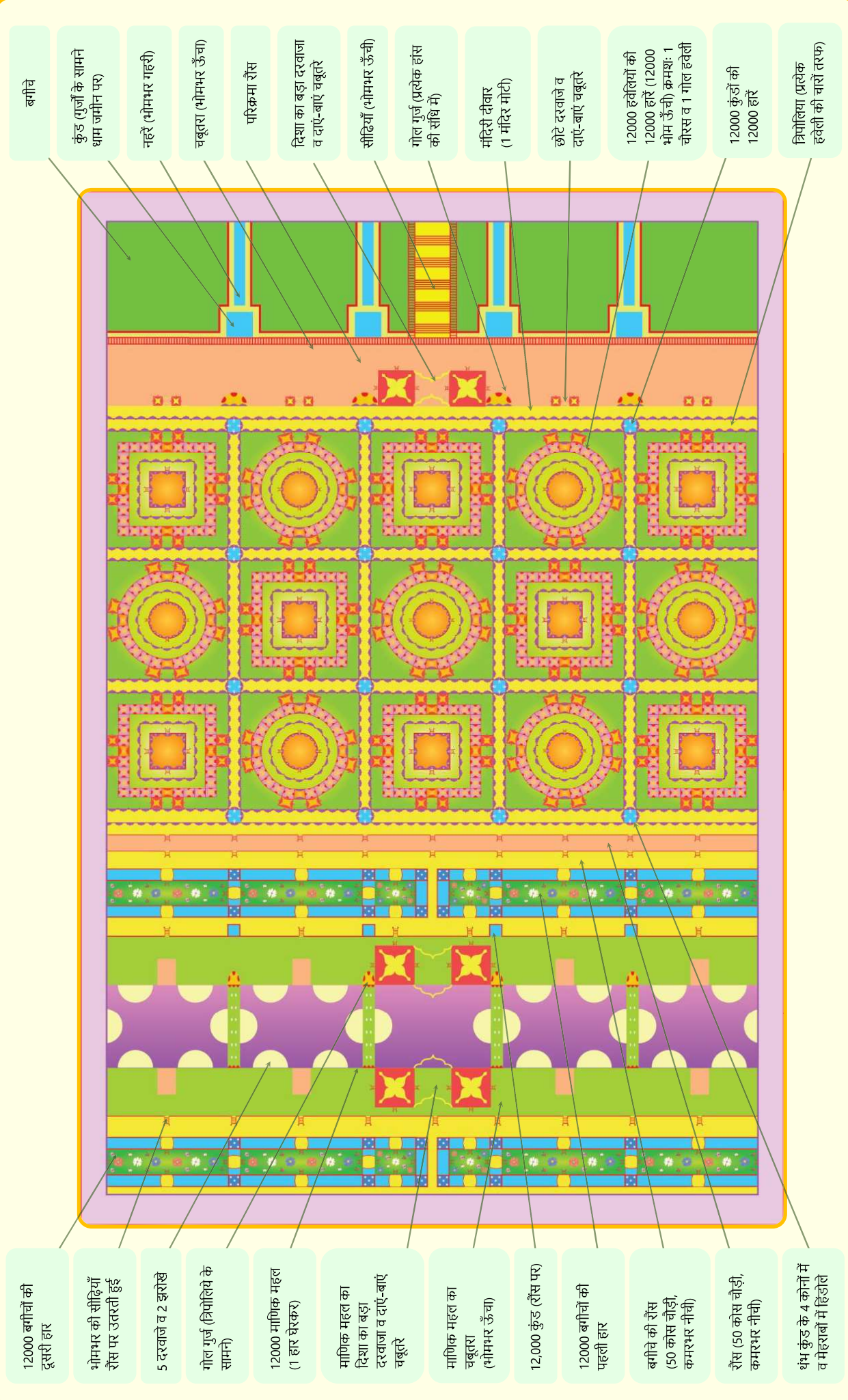
दिशा का बड़ा दरवाजा व
दाएं-बाएं चबूतरे

छोटे दरवाजे व दाएं-बाएं
चबूतरे

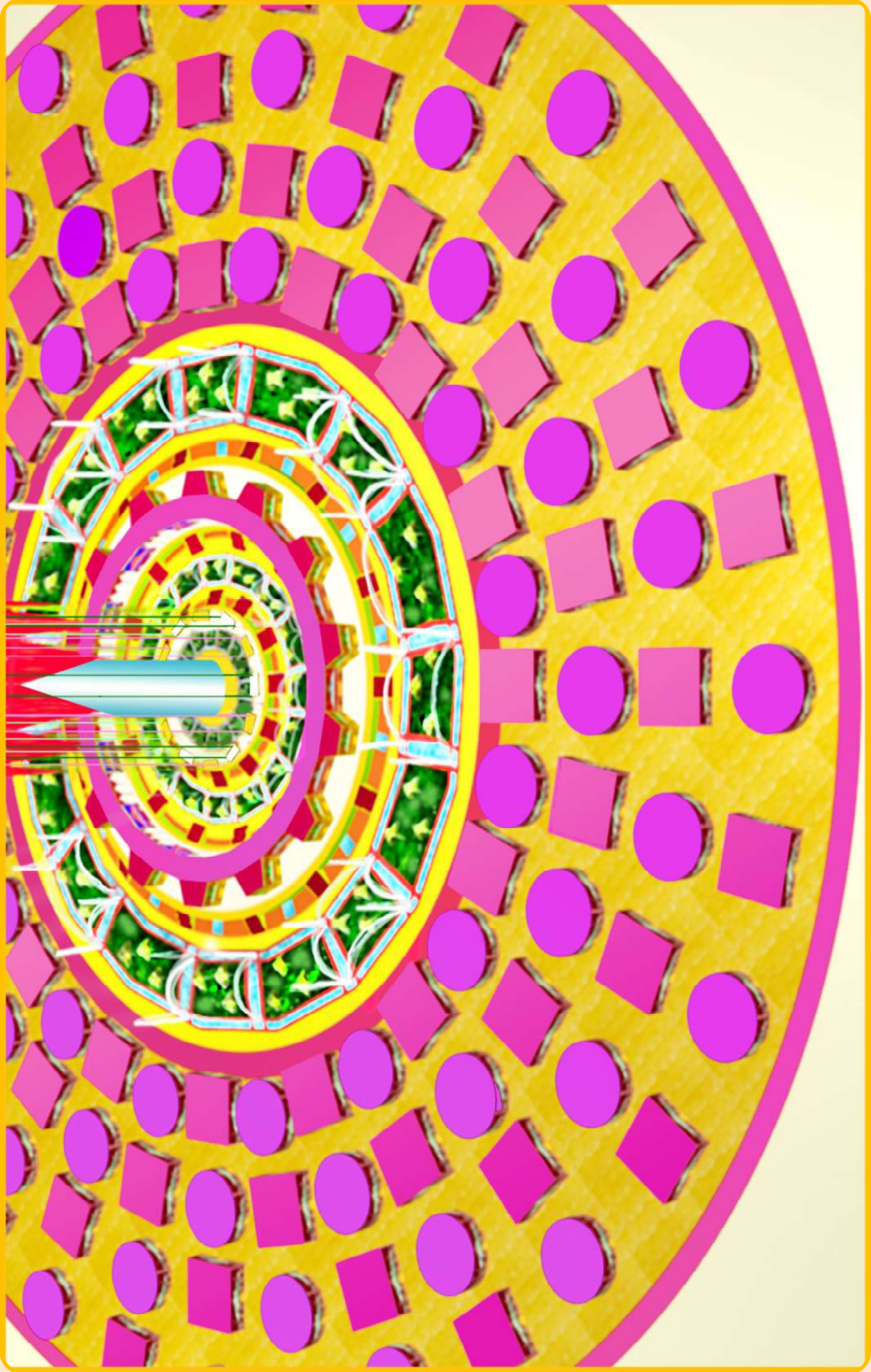
मंदिरी दीवार
(1 मंदिर मोटी)

12000 हवेलियों की
12000 हारें (12000 भोम
ऊँची क्रमशः 1 चौरस व 1
गोल

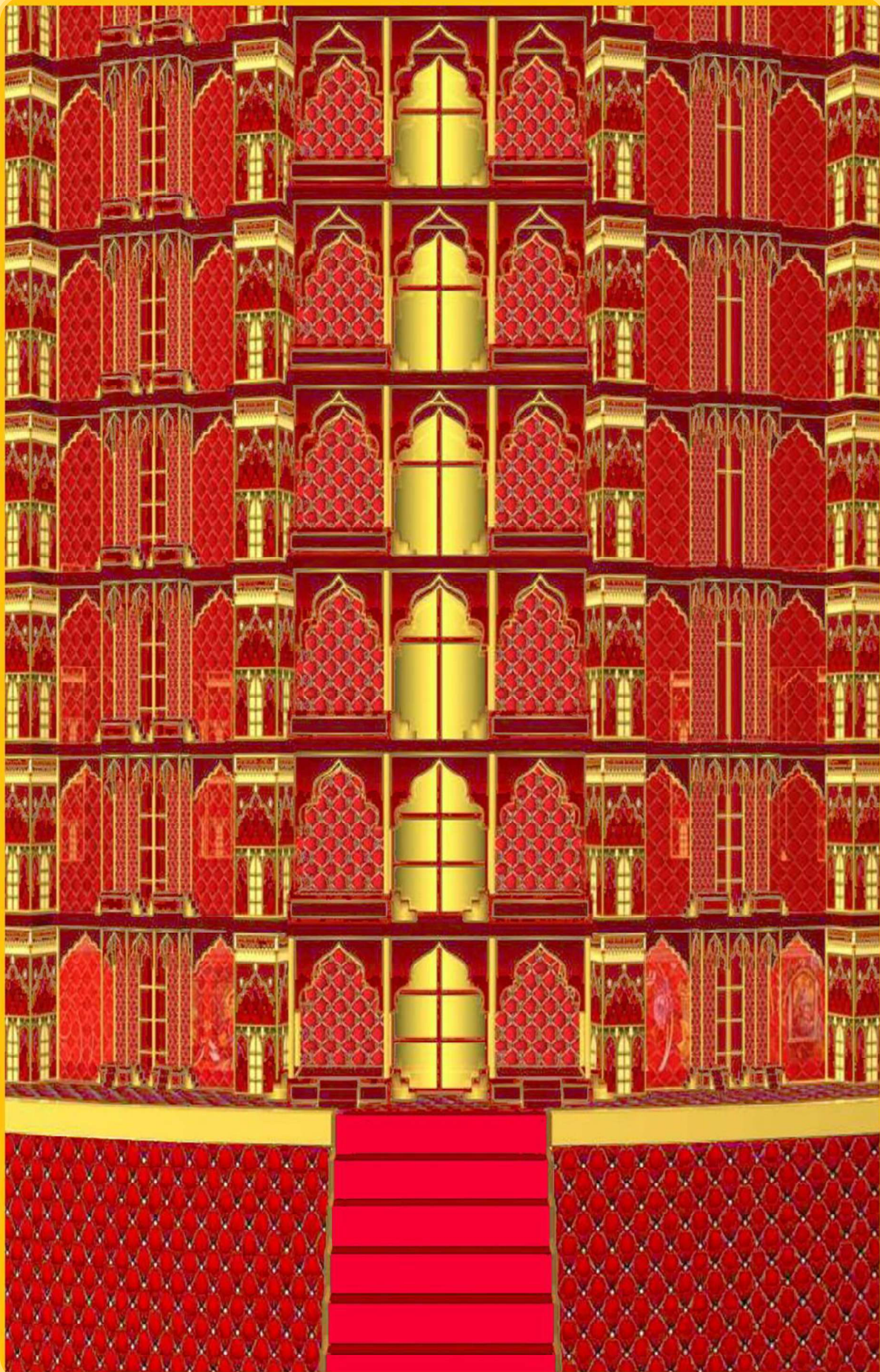
ii नक्शा नं. 84(ब) माणिक पहाड की भीतरी शोभा ii



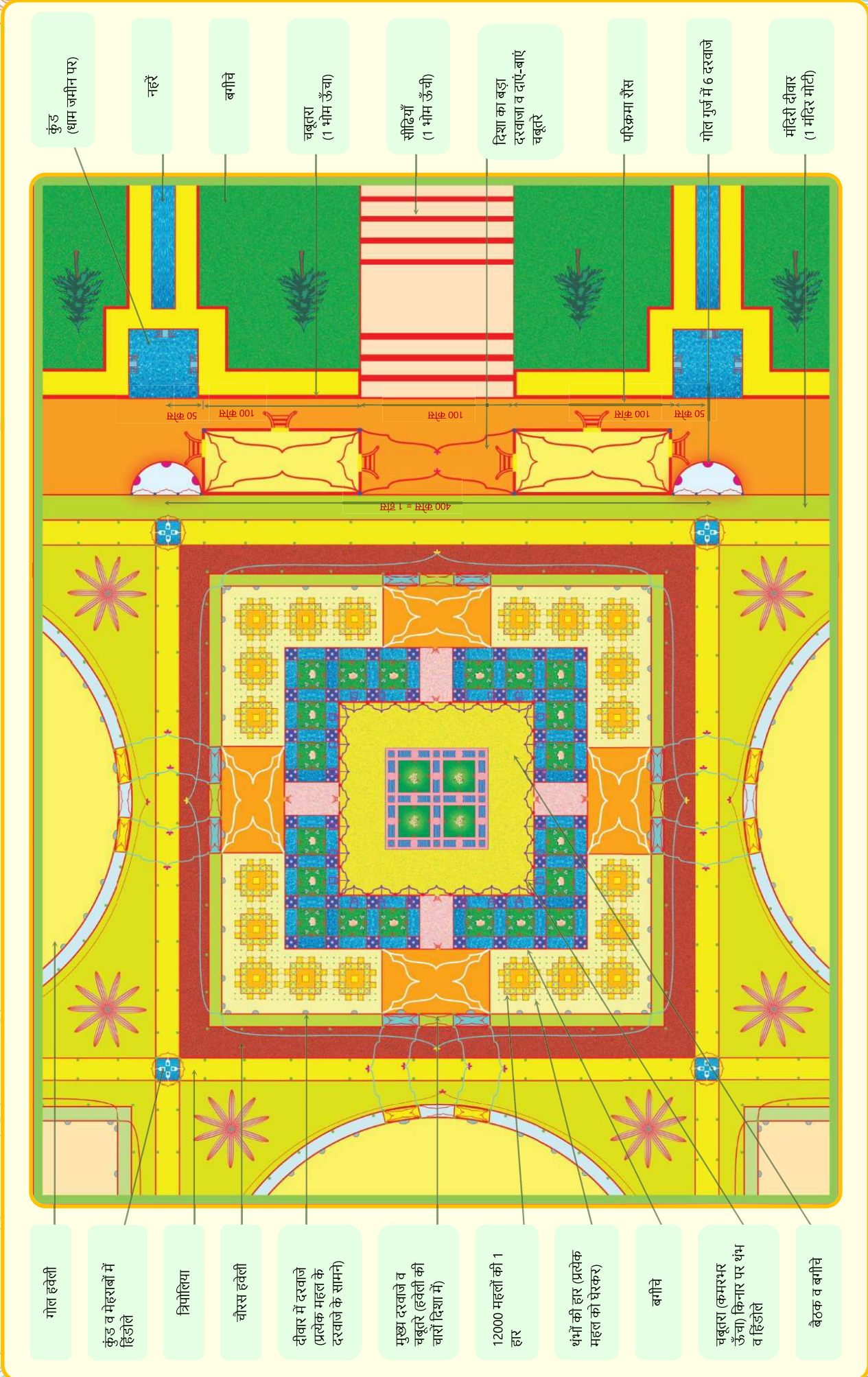
माणिक पहाड़ की भीतरी शोभा



माणिक पहाड़ : दिशा के बड़े दरवाजों की शोभा



!! नक्शा नं. 85(अ) माणिक पहाड : एक चौरस हवेली की शोभा !!



गोल हवेली

कुंड व मेहराबों में हिंडोले

त्रिपोलिया

चौरस हवेली

दीवार में दरवाजे (प्रत्येक महल के दरवाजे के सामने)

मुख्य दरवाजे व चबूतरे (हवेली की चारों दिशा में)

12000 महलों की 1 हार

थंभों की हार (प्रत्येक महल को घेरकर)

बगीचे

चबूतरा (कमरभर ऊँचा) किनार पर थंभ व हिंडोले

बैठक व बगीचे

कुंड (थंभ जमीन पर)

नहरें

बगीचे

चबूतरा (1 थंभ ऊँचा)

सीढियाँ (1 थंभ ऊँची)

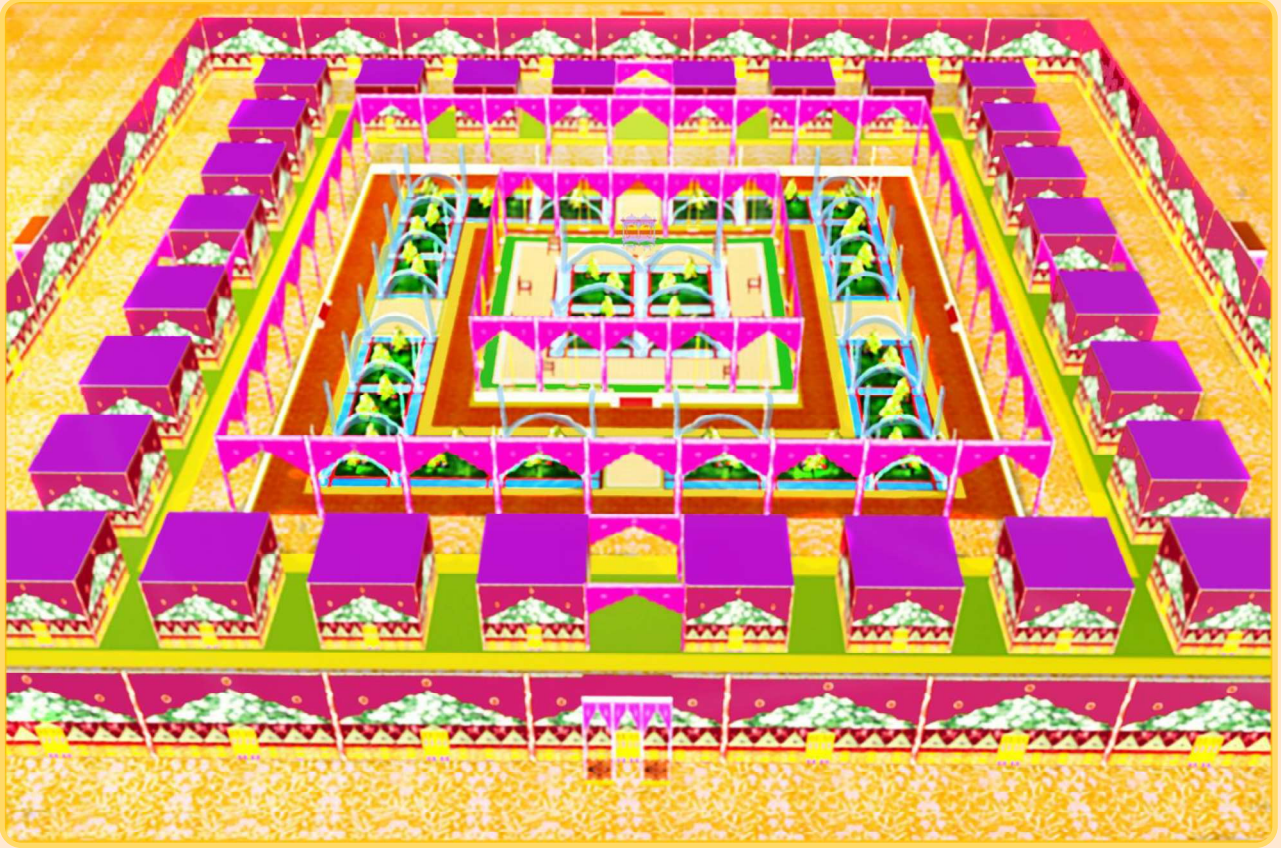
दिशा का बड़ा दरवाजा व दाएँ-बाएँ चबूतरे

परिक्रमा राँस

गोल गुर्ज में 6 दरवाजे

मंदिरी दीवार (1 मंदिर मोटी)

माणिक पहाड़ : एक चौरस हवेली की शोभा



माणिक पहाड़ : एक गोल हवेली की शोभा



!! नक्शा नं. 86 माणिक पहाड़ : 1 महल की शोभा !!

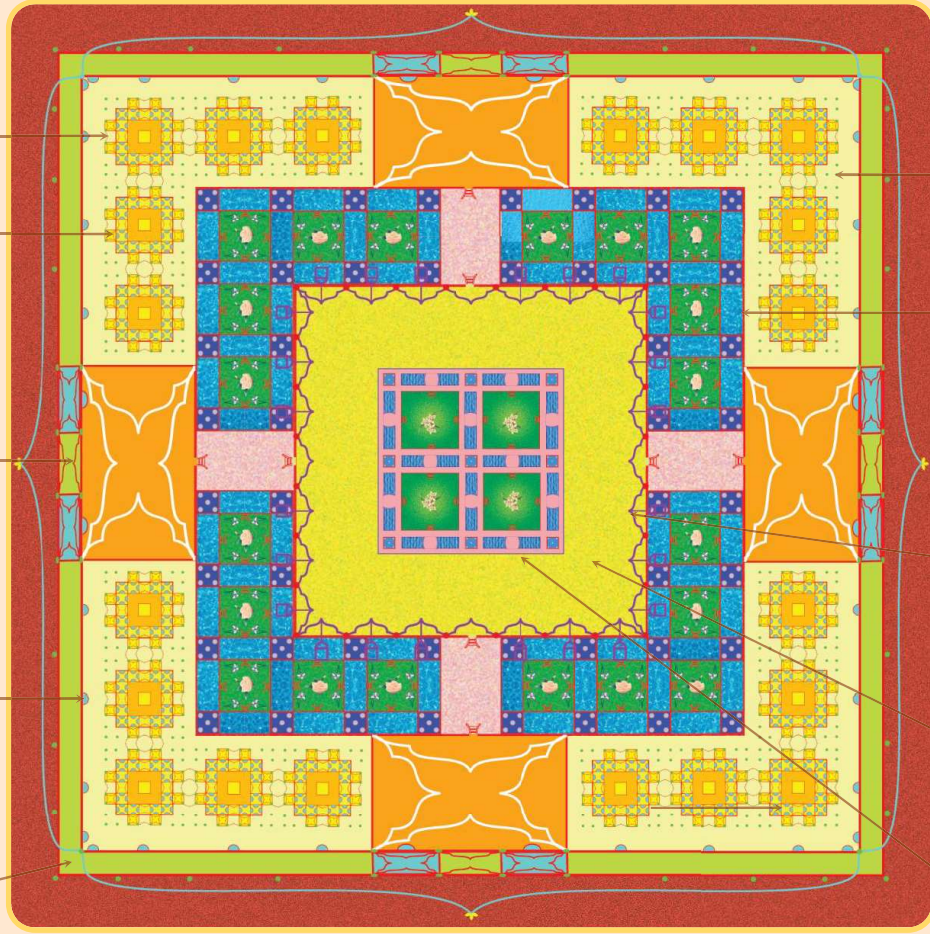
महल की दीवार

दीवार में दरवाजे, मंदिरों के दरवाजों के ठीक सामने

दिशा का बड़ा दरवाजा व दाएँ-बाएँ चबूतरे

12000 मंदिरों की 1 हार

मंदिरों का दरवाजा व चबूतरे



बगीचे (चबूतरे के मध्य में)

बैठक

चबूतरा (कमरभर ऊँचा), थम्भ व हिंडोले

12000 बगीचों की 1 हार

थंभों की 1 हार (प्रत्येक मंदिर को घेरकर)

!! नक्शा नं. 87 माणिक पहाड़ : 1 मंदिर की शोभा !!

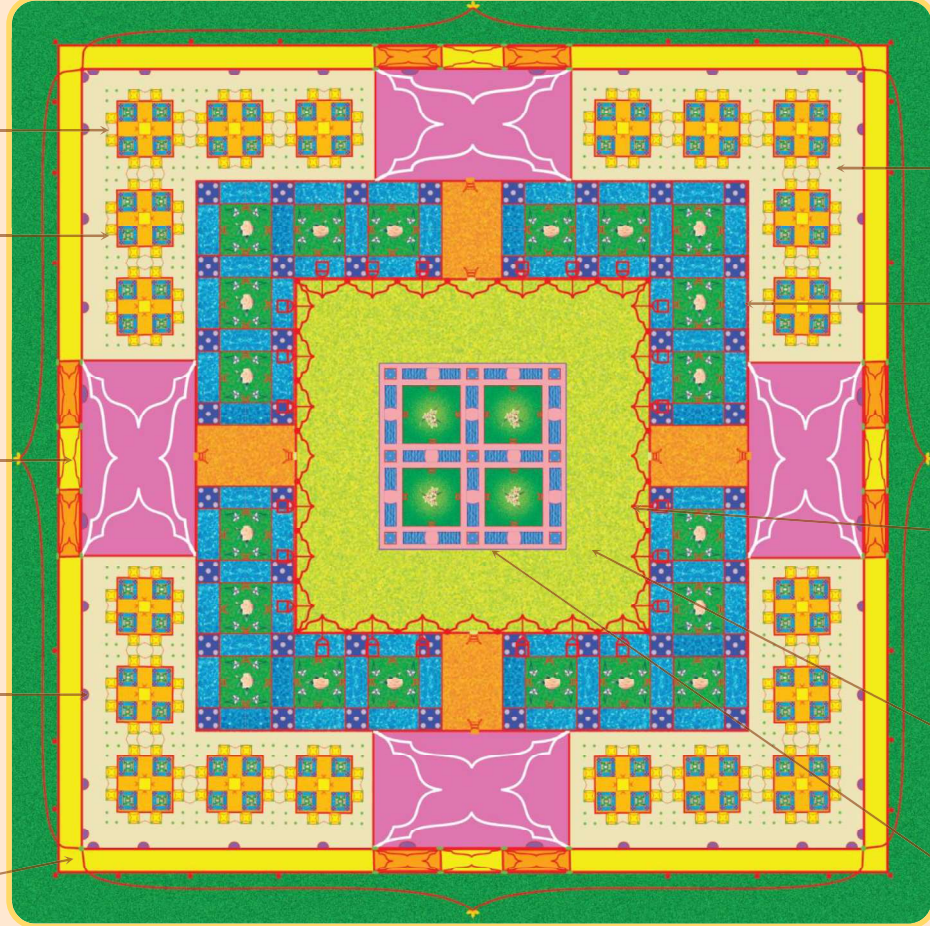
मंदिर की दीवार

दीवार में दरवाजे, कोठरी के दरवाजों के ठीक सामने

दिशा का बड़ा दरवाजा व दाएँ-बाएँ चबूतरे

12000 कोठरियों की 1 हार

कोठरी का दरवाजा व चबूतरे



बगीचे (चबूतरे के मध्य में)

बैठक

चबूतरा (कमरभर ऊँचा), थम्भ व हिंडोले

12000 बगीचों की 1 हार

थंभों की 1 हार (प्रत्येक कोठरी को घेरकर)

(एक महल की ऊँचाई-300 कोस)

(एक मंदिर की ऊँचाई-200 कोस)

माणिक पहाड़ : एक हवेली में महल, मंदिर व कोठरी की शोभा

हवेली की शोभा
(ऊँचाई 400 कोस)

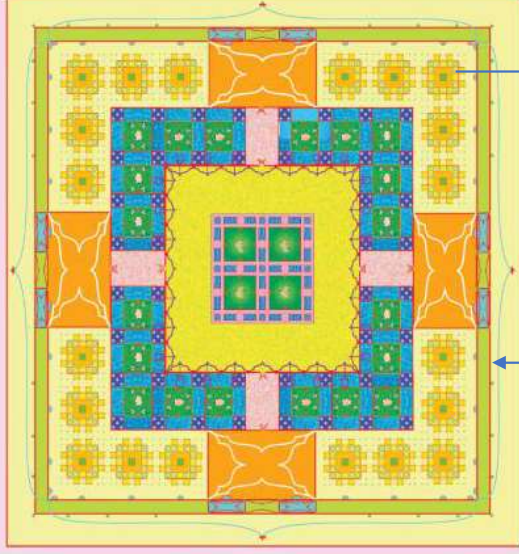
महल की शोभा
(ऊँचाई 300 कोस)

मंदिर की शोभा
(ऊँचाई 200 कोस)

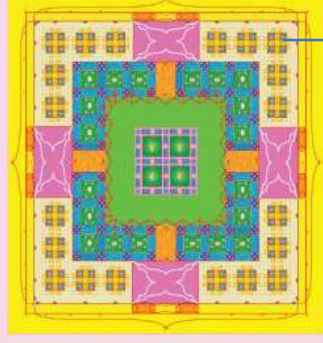
कोठरी की शोभा
(ऊँचाई 100 कोस)



हवेली में 12,000 महलों में से
1 महल की शोभा



महल में 12,000 मंदिरों में से
1 मंदिर की शोभा



मंदिर में 12,000 कोठरियों में से
1 कोठरी की शोभा

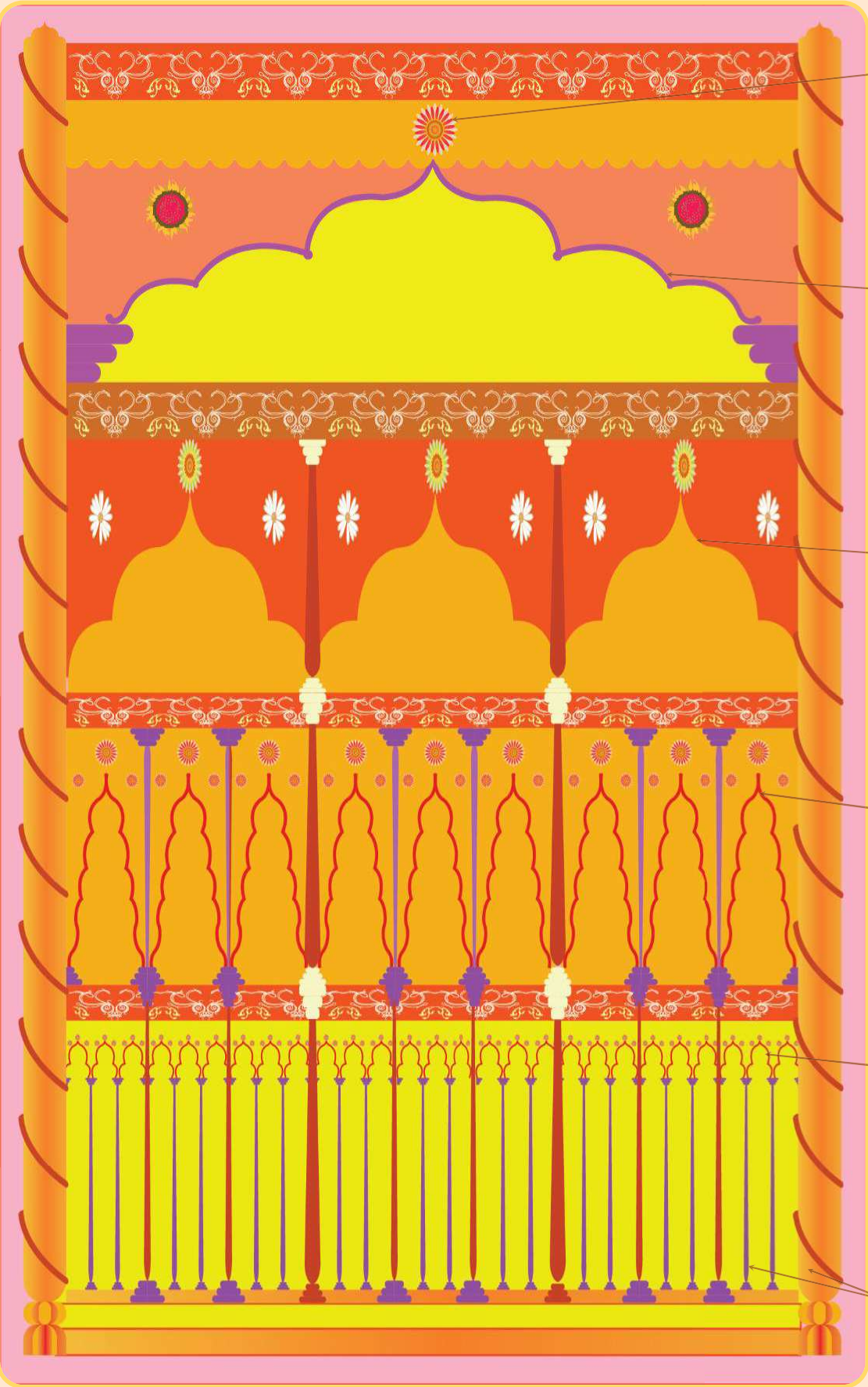




नक्शा नं. 88 माणिक पहाड़ : एक हवेली की बाहरी दीवार की शोभा



400 कोस



माणिक के फूल

हवेली की अक्शी मेहेराब (400 कोस ऊँची)

महल की अक्शी मेहेराब (300 कोस ऊँची)

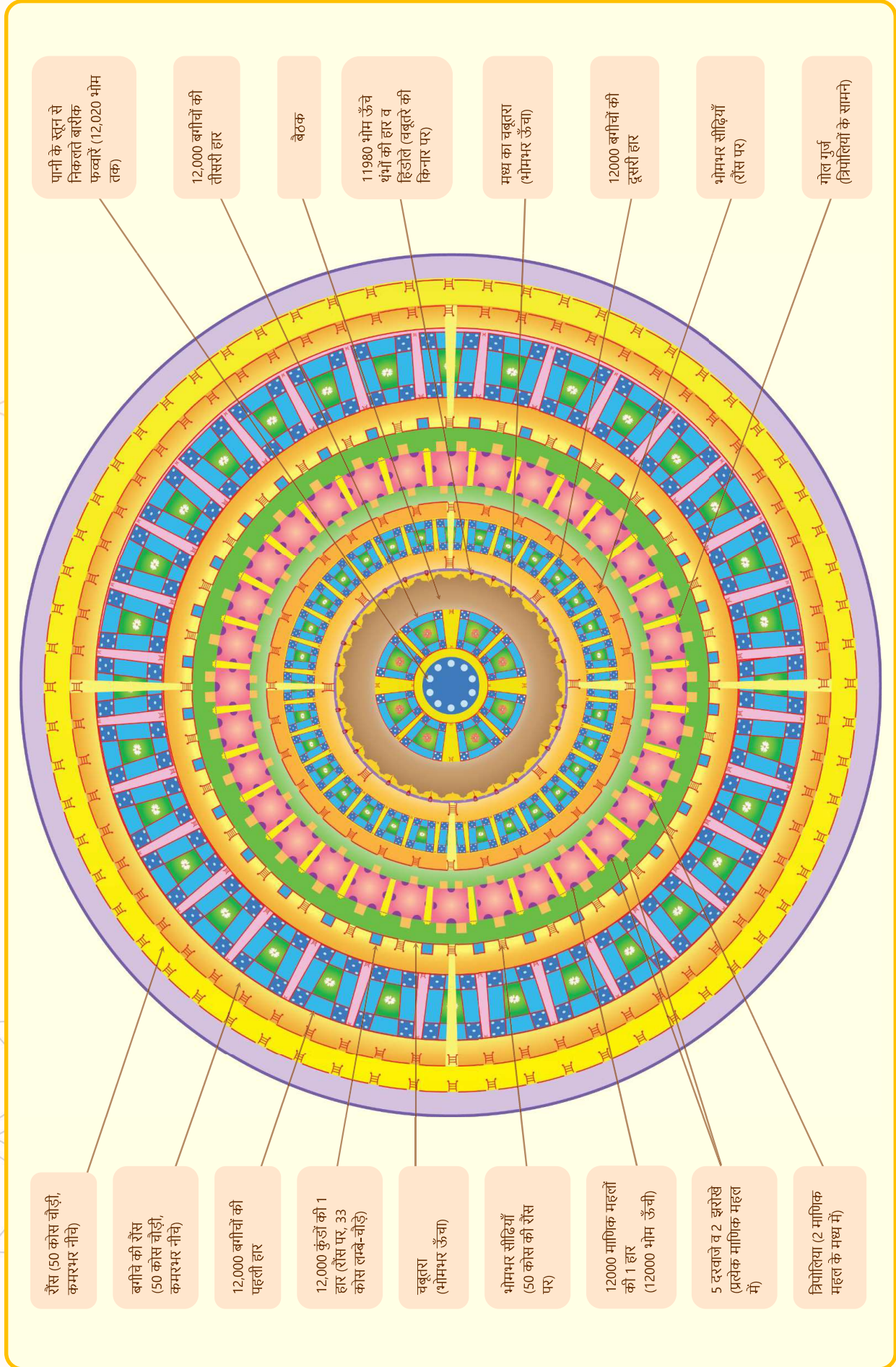
मंदिर की अक्शी मेहेराब (200 कोस ऊँची)

कोठरियों की अक्शी मेहेराब (100 कोस ऊँची)

अक्शी थंभ

300 कोस

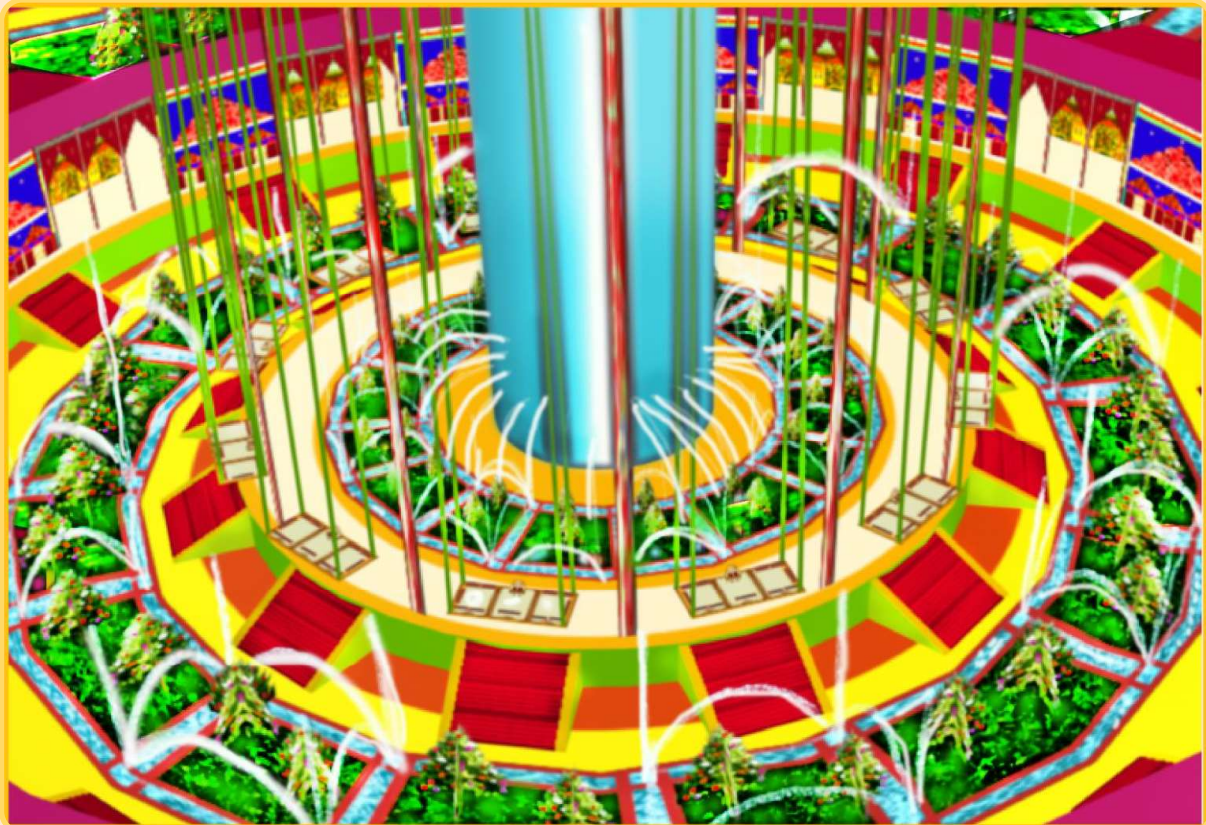
!! नक्शा नं. 89 माणिक महल व मध्य के चबूतरे की शोभा !!



माणिक पहाड़ की भीतरी शोभा

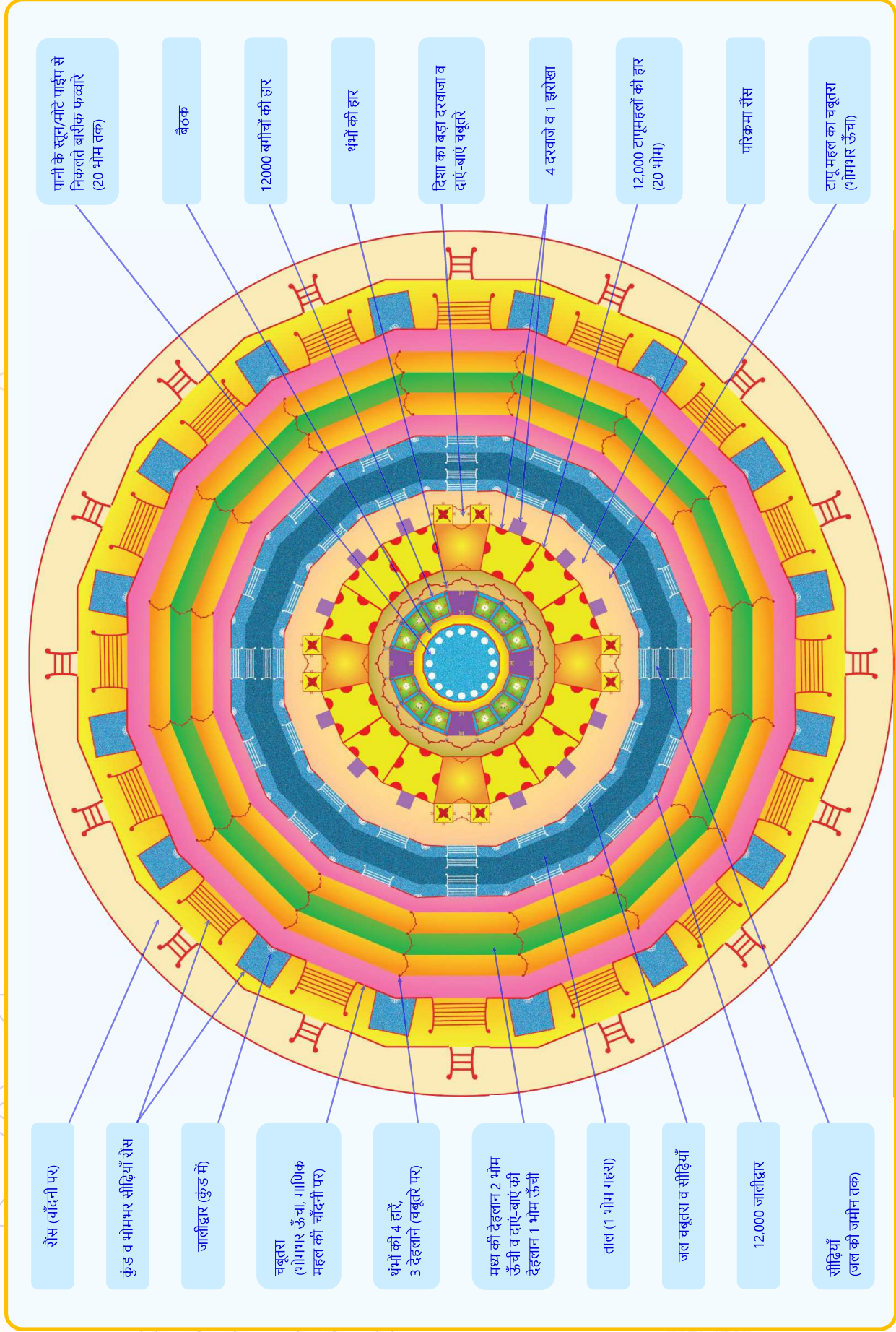


मध्य के चबूतरे पर महाबिलंद हिंडोले व जलस्तून की शोभा

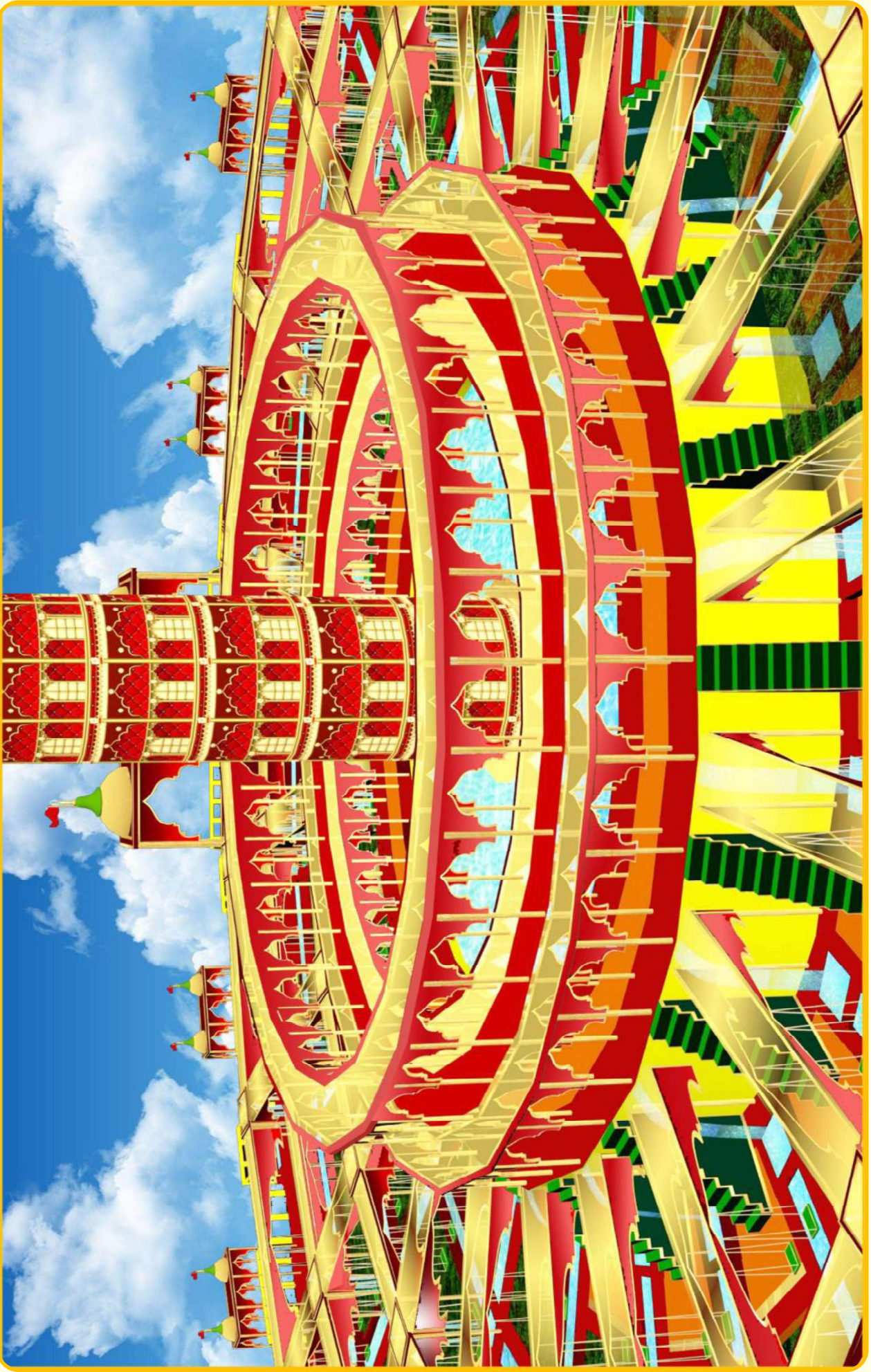




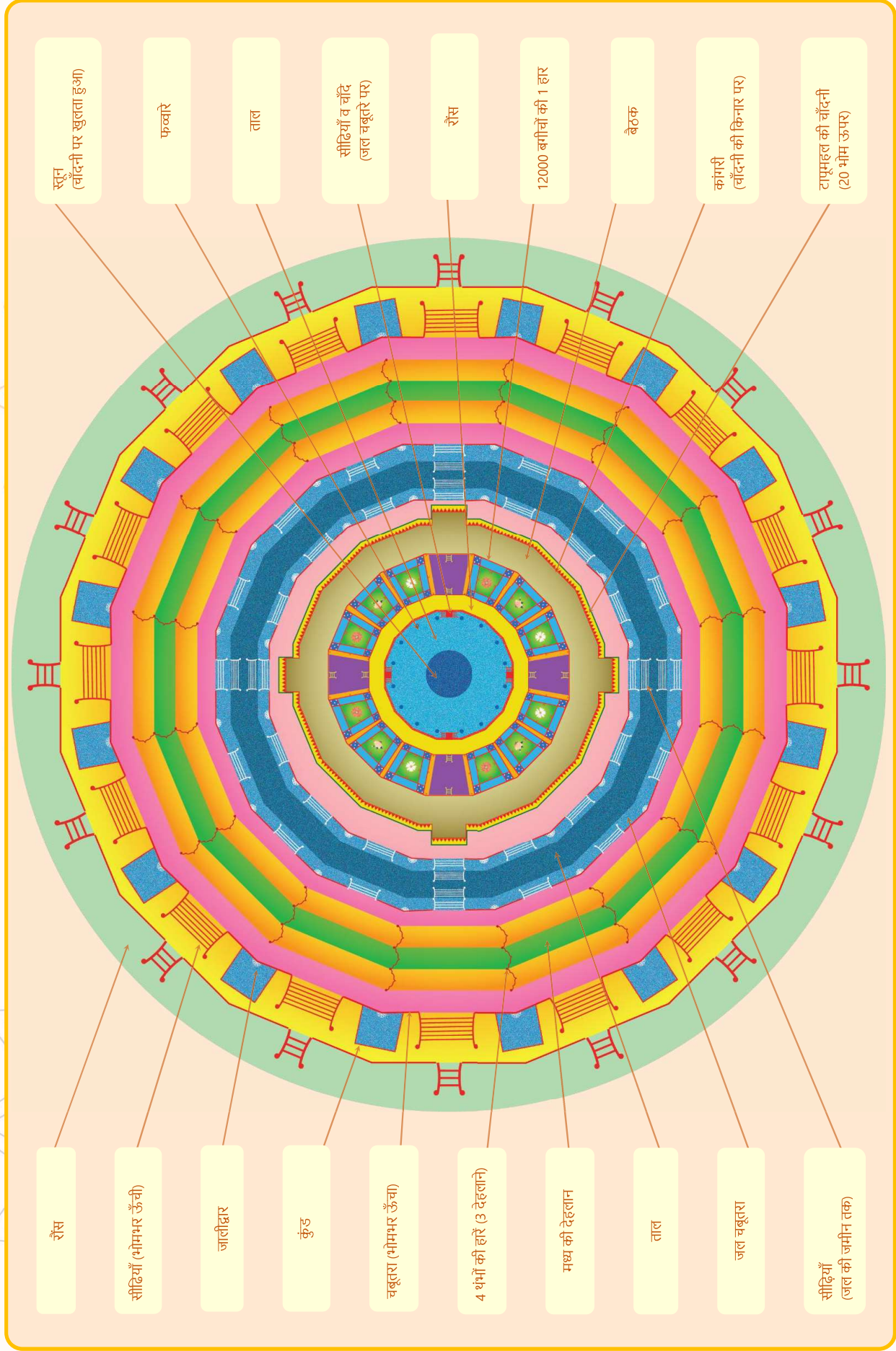
नक्शा नं. 90 माणिक पहाड़ की चाँदनी पर टापूमहल, ताल व देहलान की शोभा



माणिक पहाड़ की चाँदनी पर टापूमहल, ताल व देहलान की शोभा



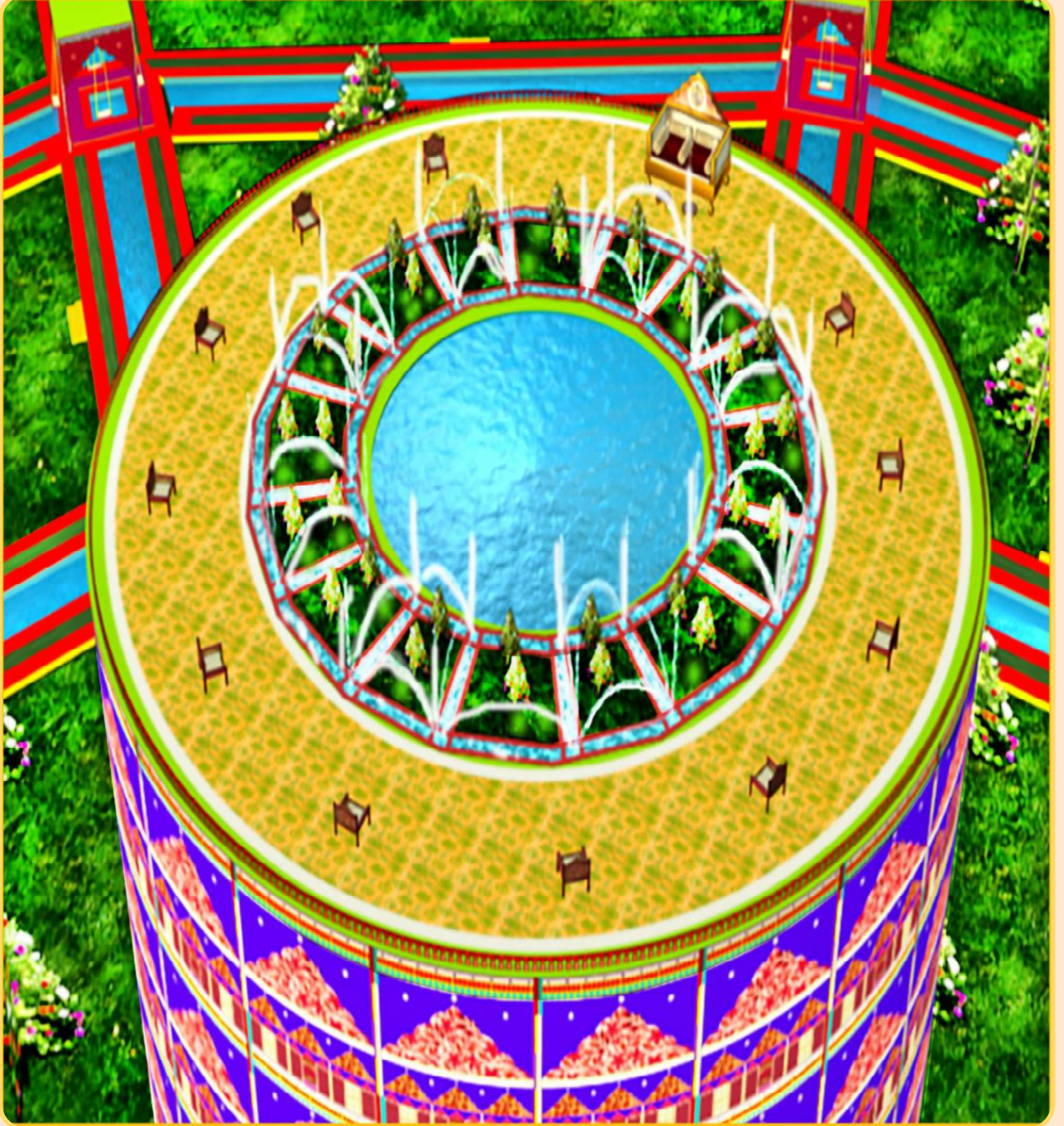
!! नक्शा नं. 91 माणिक पहाड़ : टापूमहल की चाँदनी की शोभा !!



- स्तून (चाँदनी पर खुलता हुआ)
- फव्वारे
- ताल
- सीढ़ियाँ व चाँदी (जल चबूतरा पर)
- रौस
- 12000 बगीचों की 1 हार
- बैठक
- कांग्रेसी (चाँदनी की किनार पर)
- टापूमहल की चाँदनी (20 भूम ऊपर)

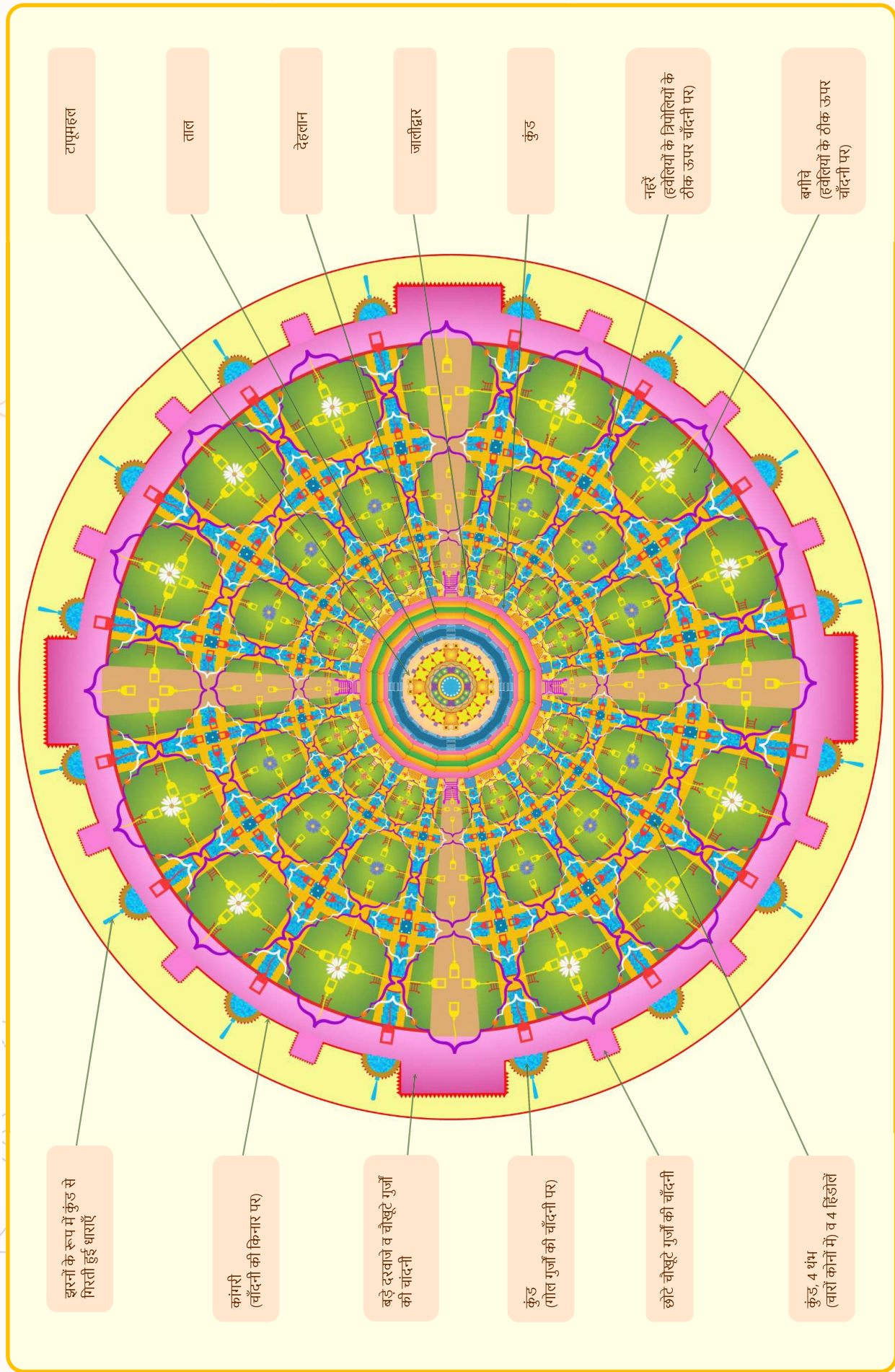
- रौस
- सीढ़ियाँ (भोमभर ऊँची)
- जालीद्वार
- कुण्ड
- चबूतरा (भोमभर ऊँचा)
- 4 थमों की हारें (3 देहलाने)
- मध्य की देहलान
- ताल
- जल चबूतरा
- सीढ़ियाँ (जल की जमीन तक)

मानिक पहाड़ के टापू महल की चाँदनी



मानिक मोहोल रतनमय, झलकत जोत आकास ।
नूर पूरन नूर भरया, रूह खोल देख नैन प्रकास ॥

!! नक्शा नं. 92 माणिक पहाड़ की चाँदनी की शोभा !!



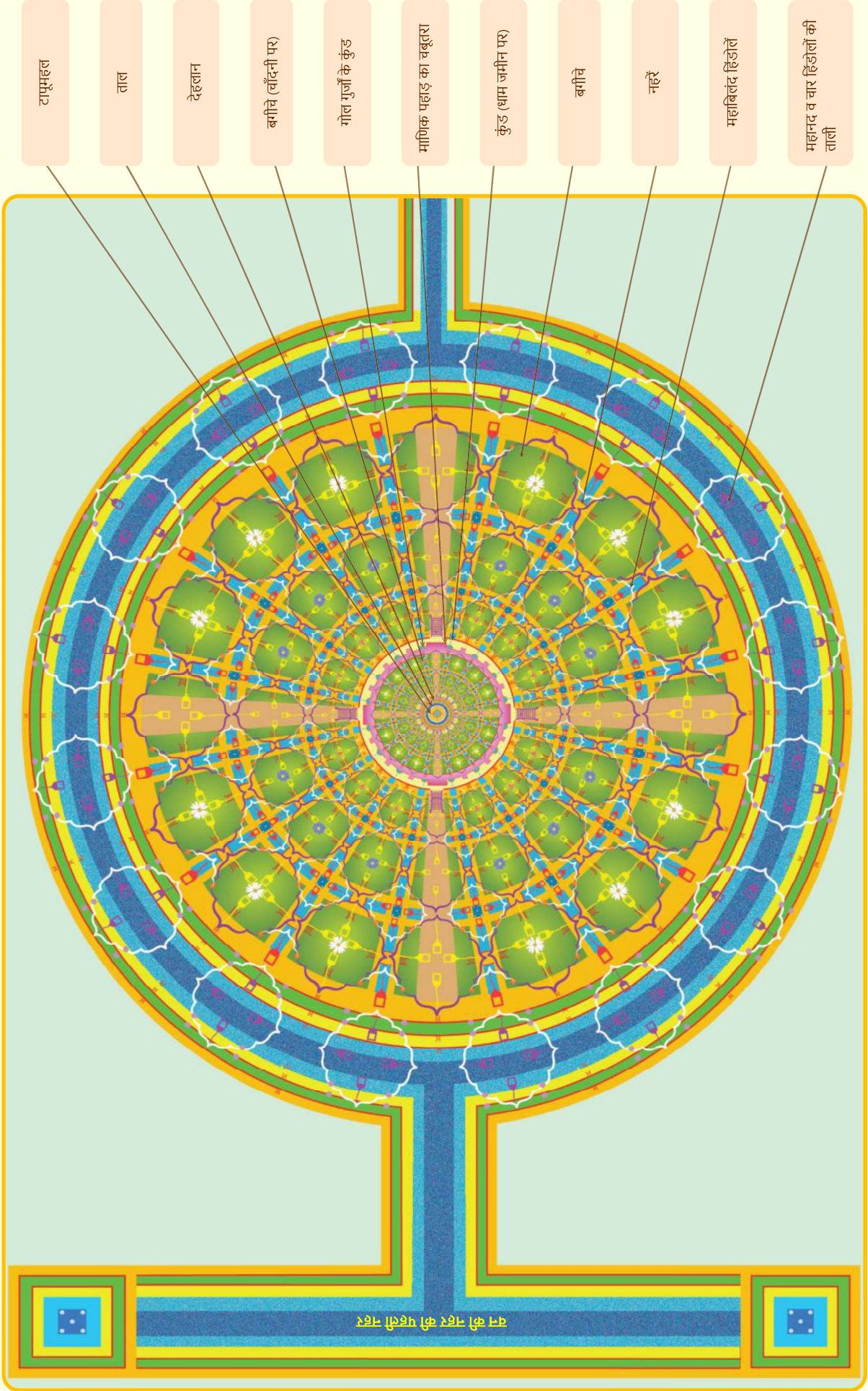
- टापूमहल
- ताला
- देहलान
- जालीद्वार
- कुंड
- नहरें (हवेलियों के त्रिपोलियों के ठीक ऊपर चाँदनी पर)
- बागीचे (हवेलियों के ठीक ऊपर चाँदनी पर)

- झरनों के रूप में कुंड से गिरती हुई धाराएँ
- कांगरी (चाँदनी की किनार पर)
- बड़े दरवाजे व चौखूटे गुर्जों की चाँदनी
- कुंड (गोल गुर्जों की चाँदनी पर)
- छोटे चौखूटे गुर्जों की चाँदनी
- कुंड, 4 थंभ (बारों कोनों में) व 4 हिंडोलें

माणिक पहाड़ की चाँदनी की शोभा

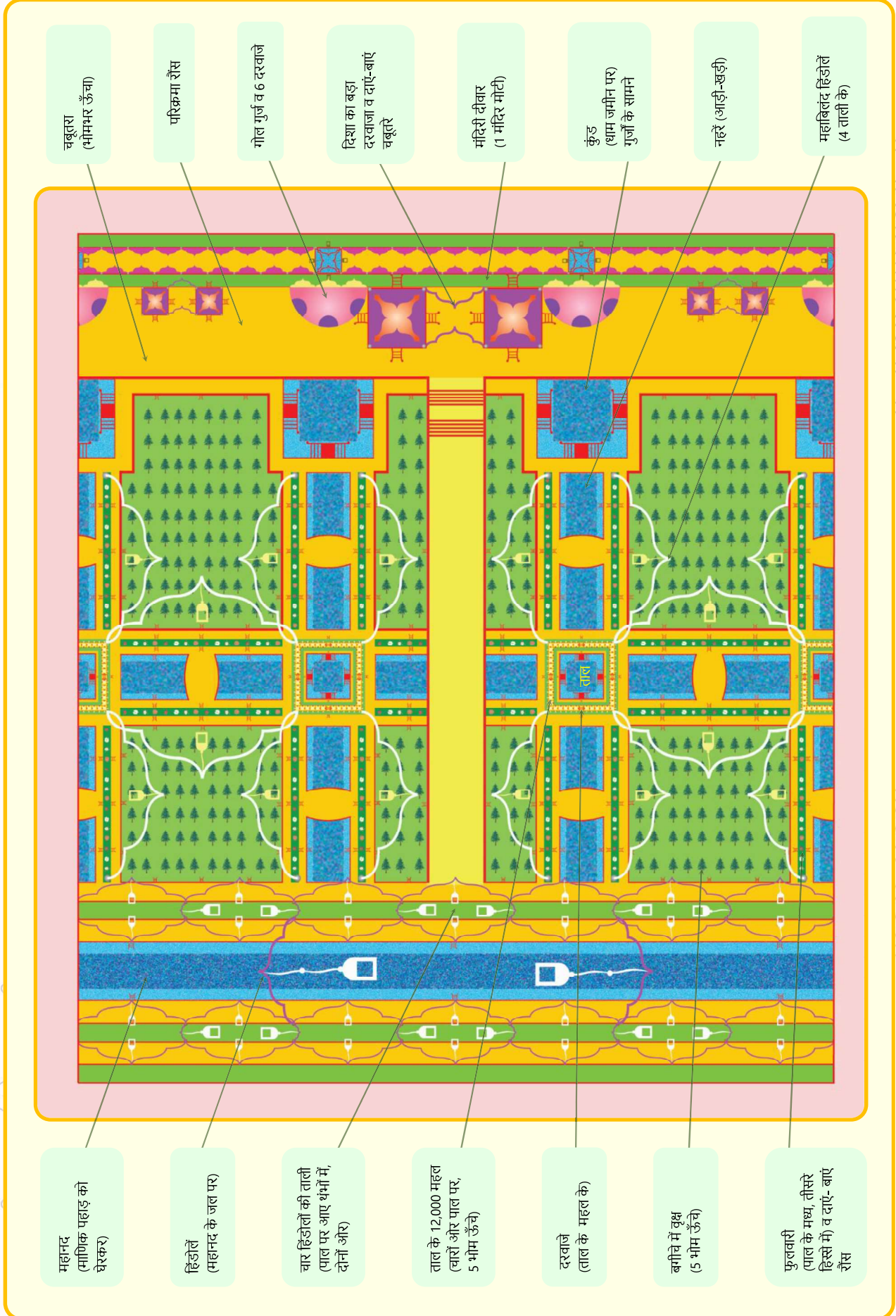


!! नक्शा नं. 92, 93 माणिक पहाड़ की चाँदनी और जमीन पर बगीचे, नहरें व महानद की शोभा !!



२३८ ॥ १३२५ ॥ २३८ ॥ १३२५ ॥

!! नक्शा नं. 93 माणिक पहाड के चारों तरफ बगीचे, नहरें तथा महानद की शोभा !!



महानद
(माणिक पहाड़ को
घेरकर)

हिंडोलें
(महानद के जल पर)

चार हिंडोलों की ताली
(पाल पर आए थंभी में,
दोनों ओर)

ताल के 12,000 महल
(बारों और पाल पर,
5 भोम ऊँचे)

दरवाजे
(लाल के महल के)

बागीचे में वृक्ष
(5 भोम ऊँचे)

फुलवारी
(पाल के मध्य, तीसरे
हिस्से में व दाएं- बाएं
रौस)

चबूतरा
(भोमभर ऊँचा)

परिक्रमा रौस

गोल गुर्ज व 6 दरवाजे

दिशा का बड़ा
दरवाजा व दाएं-बाएं
चबूतरे

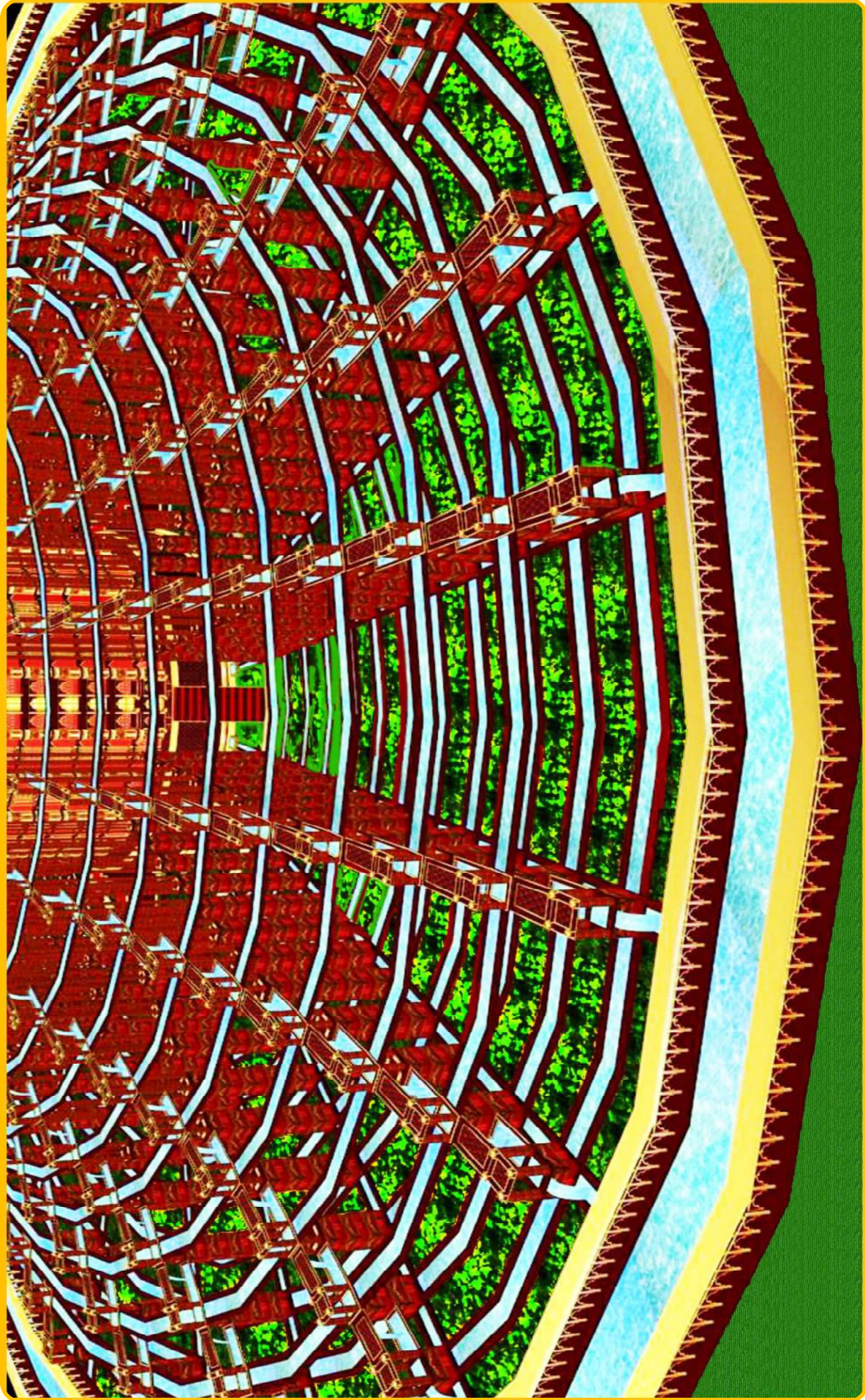
मंदिरी दीवार
(1 मंदिर मोटी)

कुंड
(शाम जमीन पर)
गुर्जों के सामने

नहरें (आड़ी-खड़ी)

महाखिलद हिंडोलें
(4 ताली के)

माणिक पहाड़ की बाहरी शोभा





नक्शा नं. 94 माणिक पहाड़ के चारों ओर ताल, महल व बगीचे की चाँदनी की शोभा



5 भोम ऊपर ताल के महलों की चाँदनी पर हिंडोले

12,000 भोम ऊपर ताल के महलों की चाँदनी

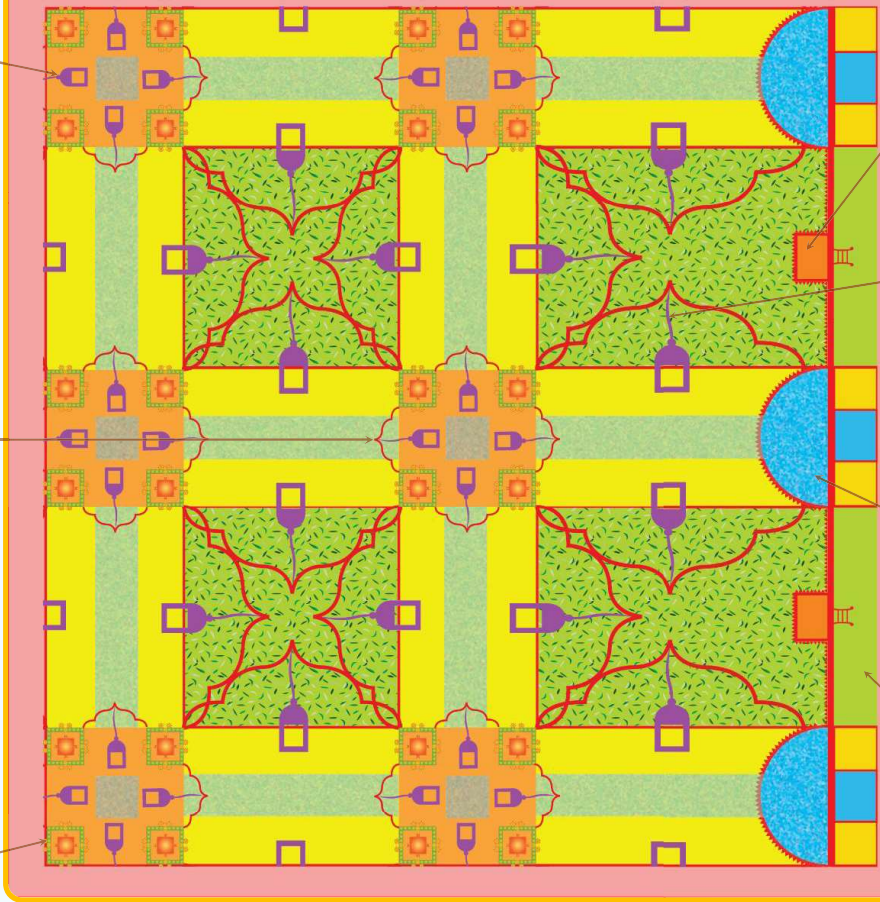
महल
(चारों कोनों में छोटी चाँदनी से)

महाबिलन्द हिंडोले (12,000 भोम ऊँचे)
(5 भोम के मोहोलों की चाँदनी पर)

महाबिलन्द हिंडोले (11,999 भोम ऊँचे)
(5 भोम के मोहोलों की चाँदनी पर)

गुम्मत (ताल के कोनों पर आए 1 भोम
ऊँचे महलों की चाँदनी पर)

छज्जे-नहरें व पाल (पहली हार के ताल से
दूसरी हार के ताल के महलों की तरफ)



ताल

2

1

माणिक पहाड़ की चाँदनी (12,000 भोम ऊपर)

माणिक पहाड़ की चाँदनी (12,000 भोम ऊपर)

चबूतरा (कमरभर ऊँचा,
चाँदनी की किनार पर)

गोल गुर्ज की
चाँदनी पर कुंड

महाबिलन्द हिंडोलें
(बगीचे की चारों दिशाओं में)

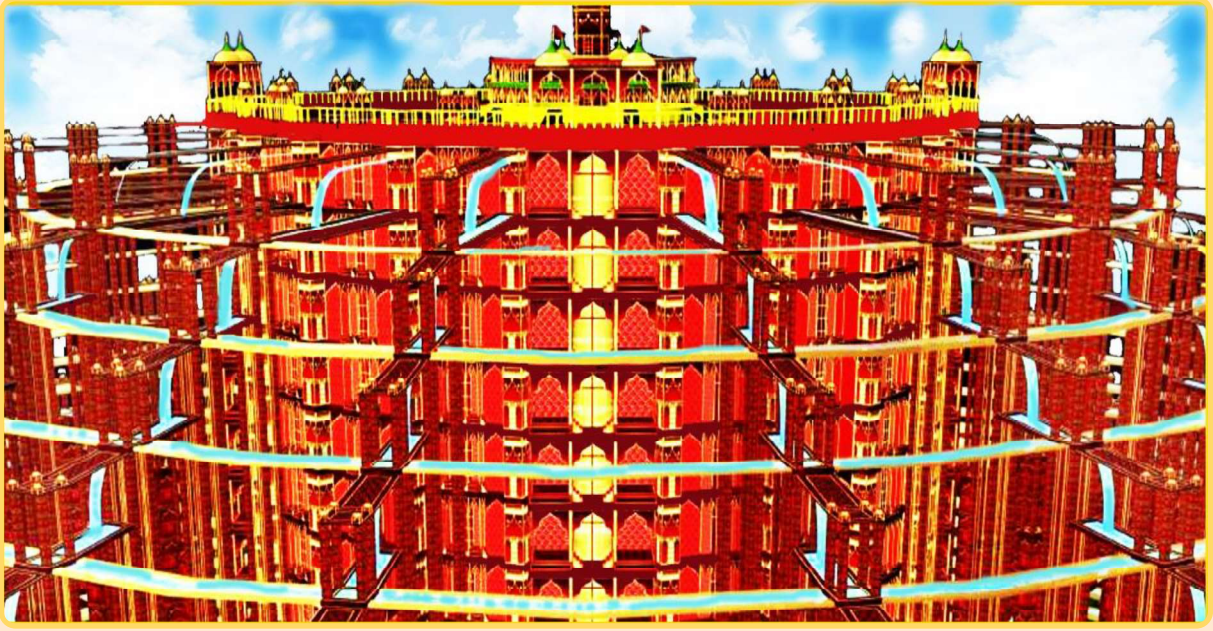
छोटे चौखूटे
गुर्जे की चाँदनी

छज्जा (मध्य में नहर कमरभर
गहरी व दाएँ-बाएँ पाल)

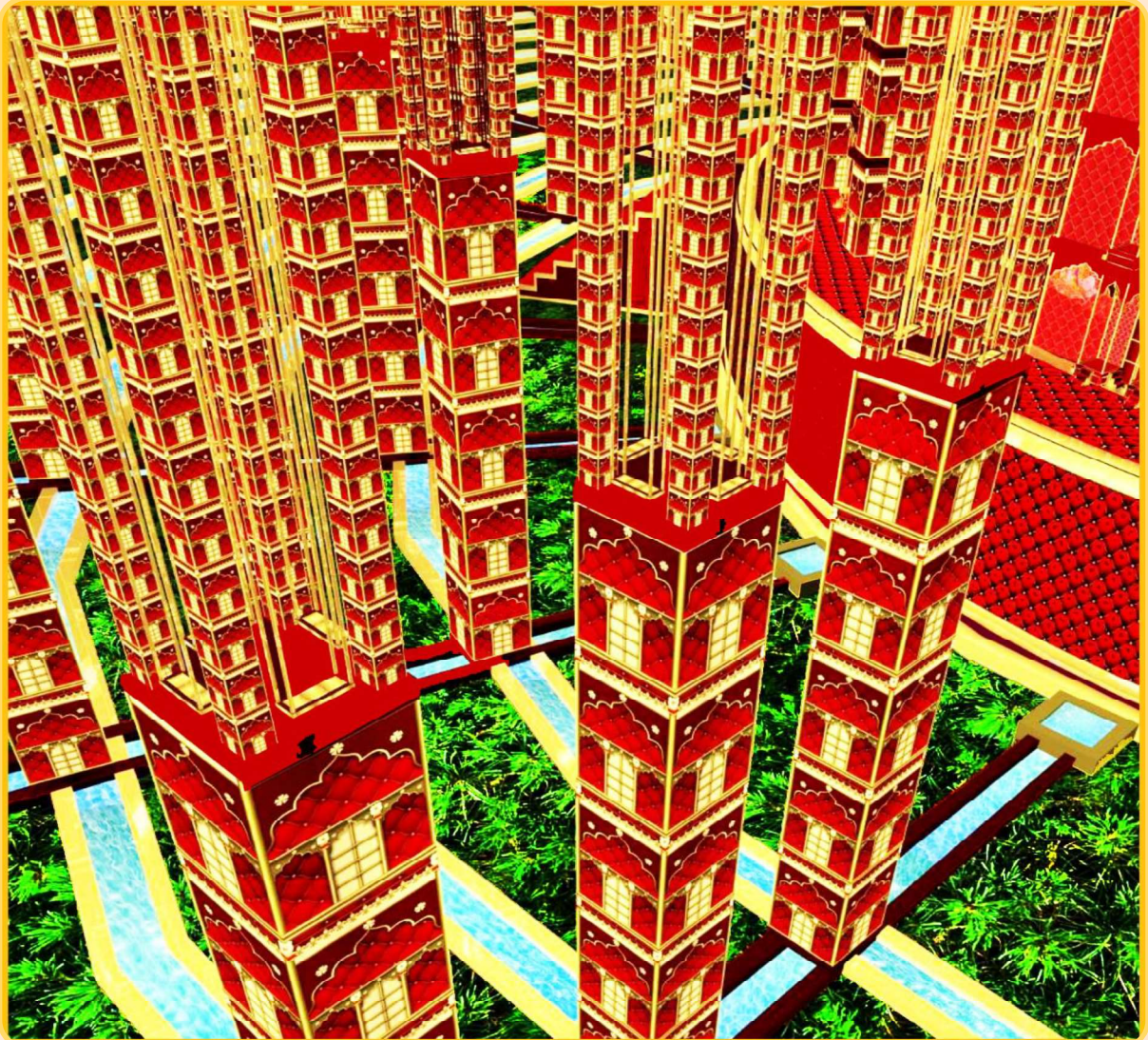
छज्जे-नहरें व पाल
(ताल के दाएँ-बाएँ)

ताल (कमरभर गहरे, नीचे के ताल की पहली हार
के 12,000 भोम ऊपर) महलों की चाँदनी पर

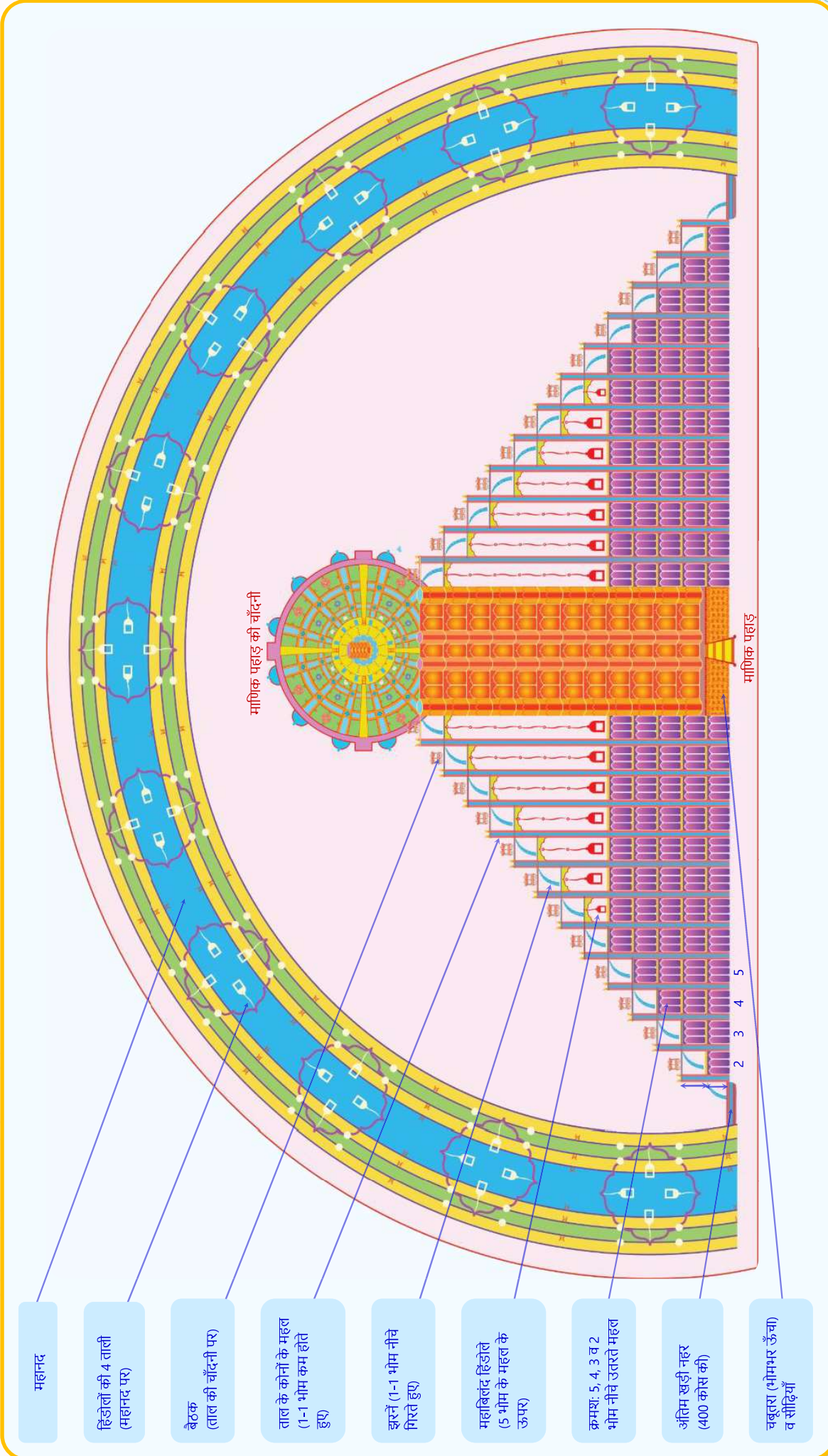
गुर्जो के कुंड से चादरों/झरनों द्वारा उतरती जल धाराओं की शोभा



ताल पर महाबिलंद हिंडोलों की शोभा

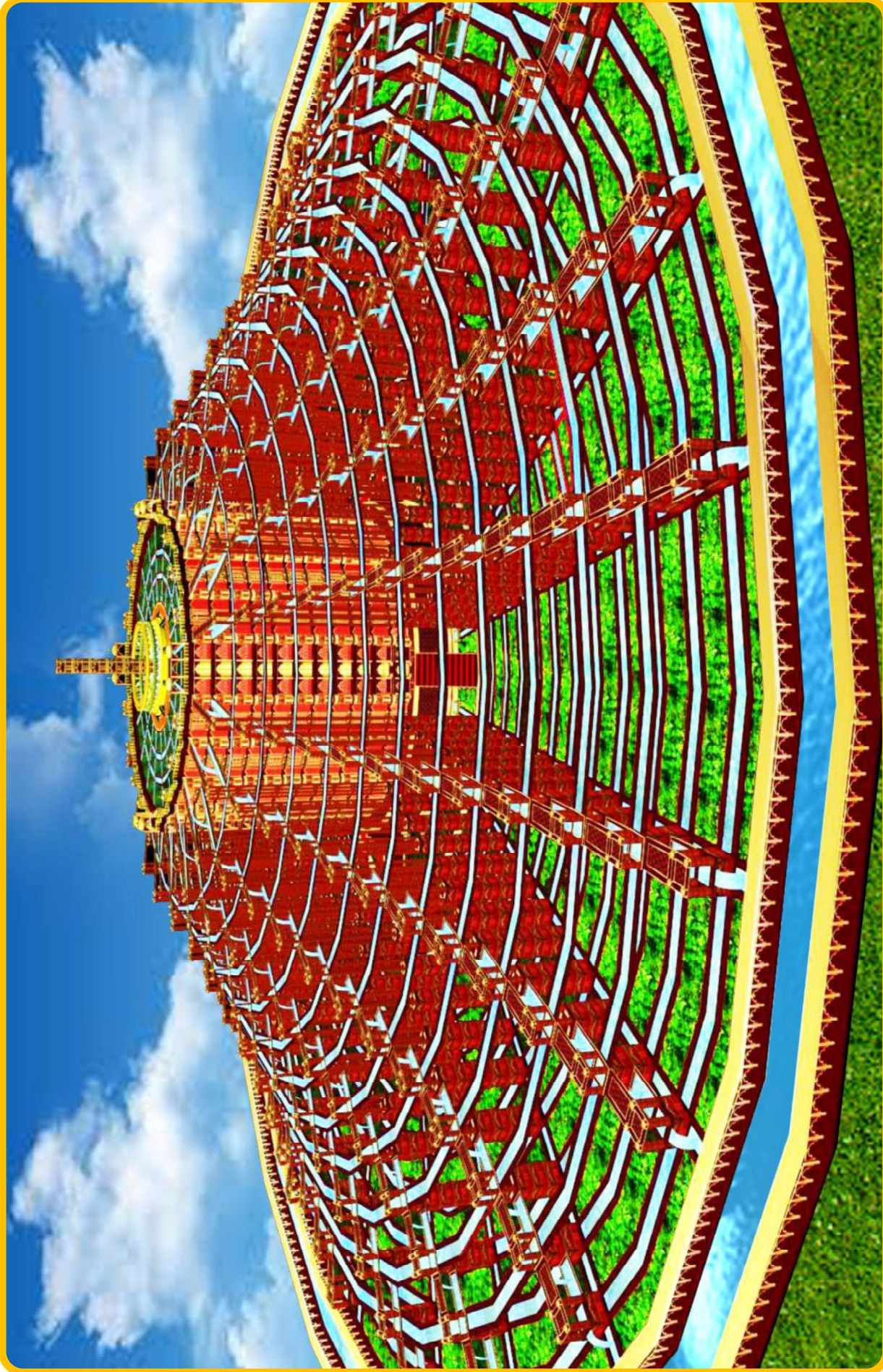


!! नक्शा नं. 95 माणिक पहाड़ का खड़ा दृश्य !!



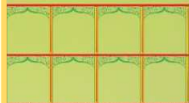
- महानद
- हिंडोलों की 4 ताली (महानद पर)
- बैठक (लाल की चाँदनी पर)
- ताल के कोनों के महल (1-1 भोम कम होते हुए)
- झरतें (1-1 भोम नीचे गिरते हुए)
- महाबिलंद हिंडोले (5 भोम के महल के ऊपर)
- क्रमशः 5, 4, 3 व 2 भोम नीचे उतरते महल
- अंतिम खड़ी नहर (400 कोस की)
- चबूतरा (भोमभर ऊँचा) व सीढ़ियाँ

माणिक पहाड़ की शोभा

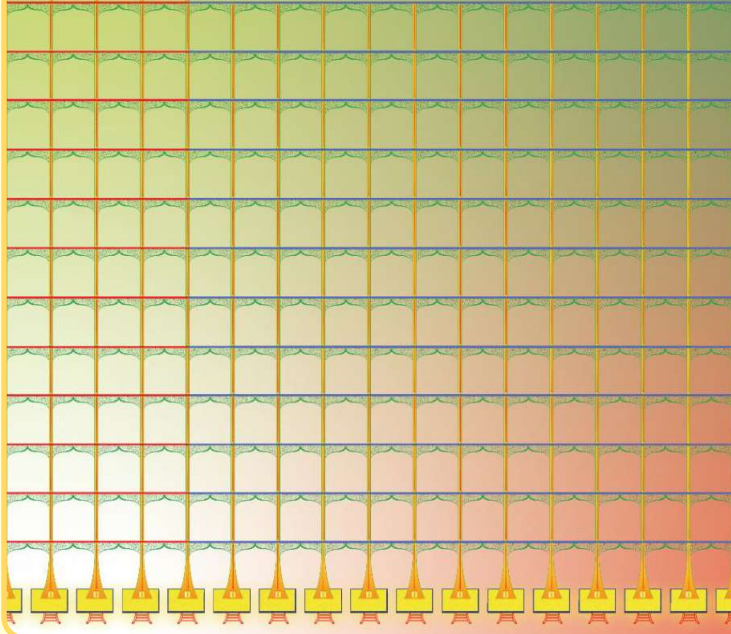




वन की नहरें
(60,000 भोम ऊँचे)

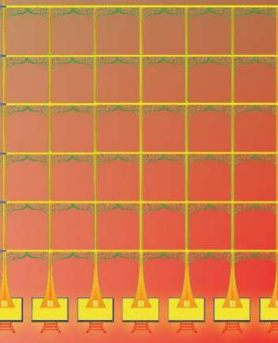


महावन के वृक्ष
(48,000 भोम ऊँचे)



मधुवन के वृक्ष
(24,000 भोम ऊँचे)

बड़ोवन के वृक्ष
(12,000 भोम ऊँचे)



माणिक पहाड़ की हद में बड़ोवन, मधुवन व महावन

चौक
(1200 कोस लम्बा-चौड़ा)

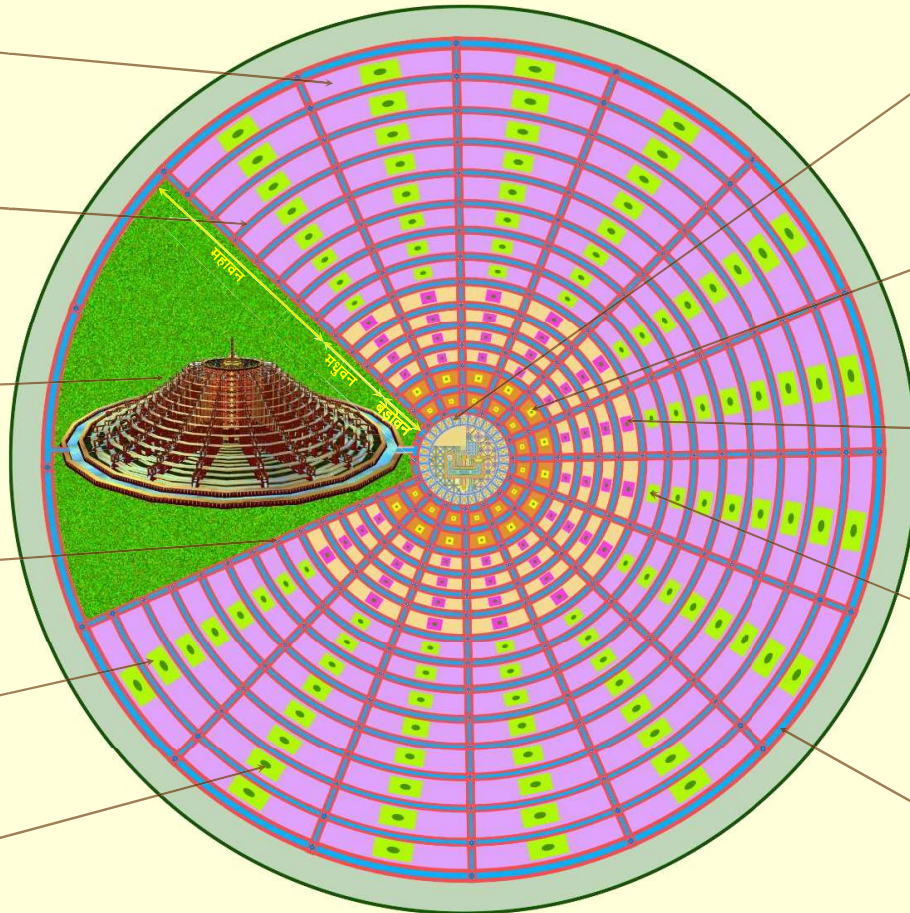
नहर (400 कोस चौड़ी, चौक की चारों दिशाओं में)

माणिक पहाड़

चेहबच्चे (भोमभर गहरे, चौक के चारों कोनों में)

चबूतरा (कमरभर ऊँचा, 400 कोस लम्बा-चौड़ा)

वृक्ष (चबूतरे के मध्य में)



जवैरों के 9 फिरावे

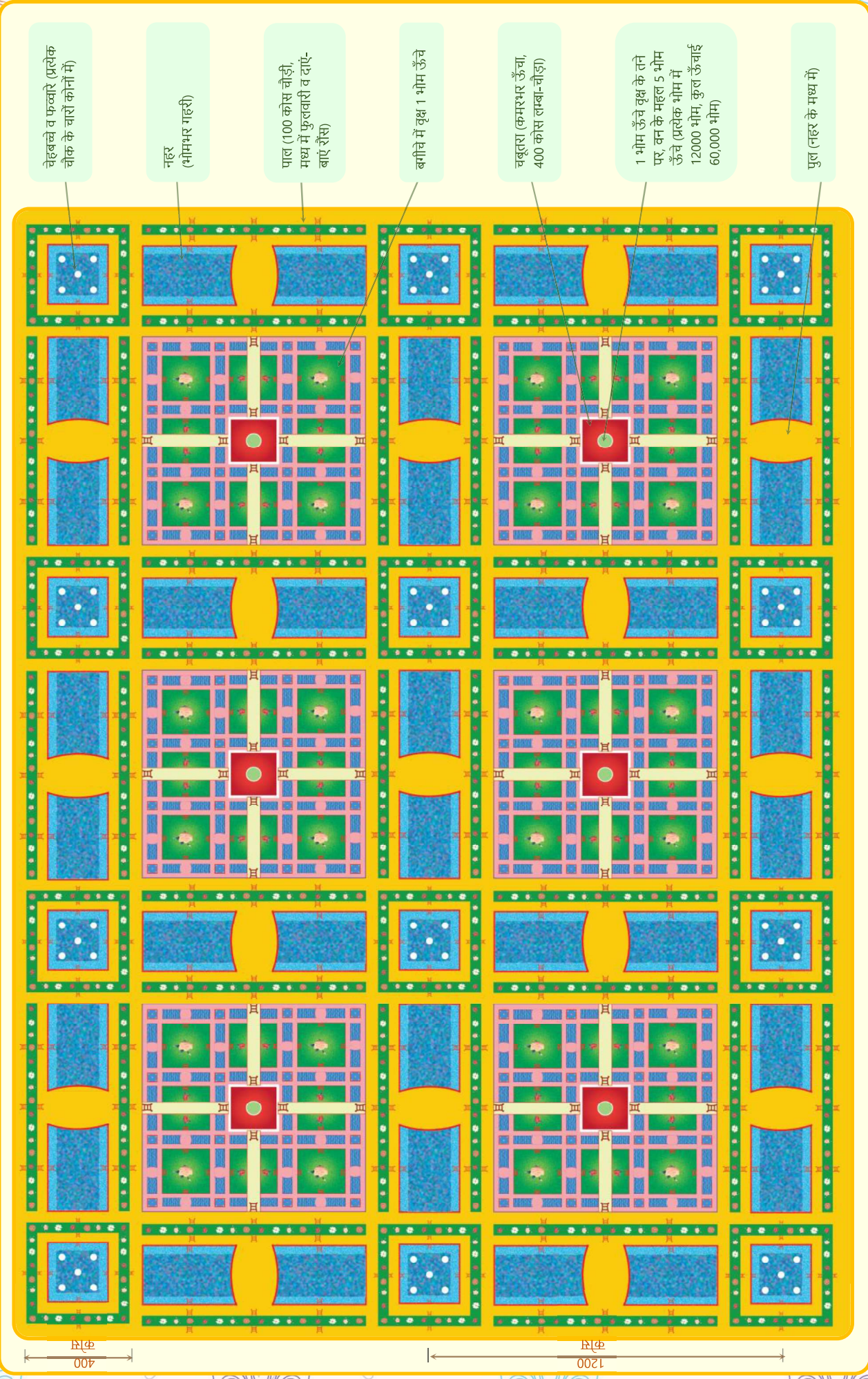
बड़ोवन के वृक्ष
(12,000 भोम ऊँचे)

मधुवन के वृक्ष
(24,000 भोम ऊँचे)

महावन के वृक्ष
(48,000 भोम ऊँचे)

महानद (12,000 हांस गोलाई में, भोमभर गहरी)

!! नक्शा नं. 96(ब) वन की नहरों की शोभा !!



वन के महल



बन छाया है मोहोल जो, इत मोहोल बने बन के ।
जानो सोभा सबसे अतंत है, सब सुख लेतीं रूहें ए ॥



नक्शा नं. 97(अ) छोटी रांग/चार हार हवेली की शोभा



महाबिंद हवेली
(बड़ी रांग)

गोल गुर्ज (बड़े
त्रिपोलियों के सामने)

छोटी रांग की 32 हवेलियों की
4 हारें, कुल 128 हवेलियाँ

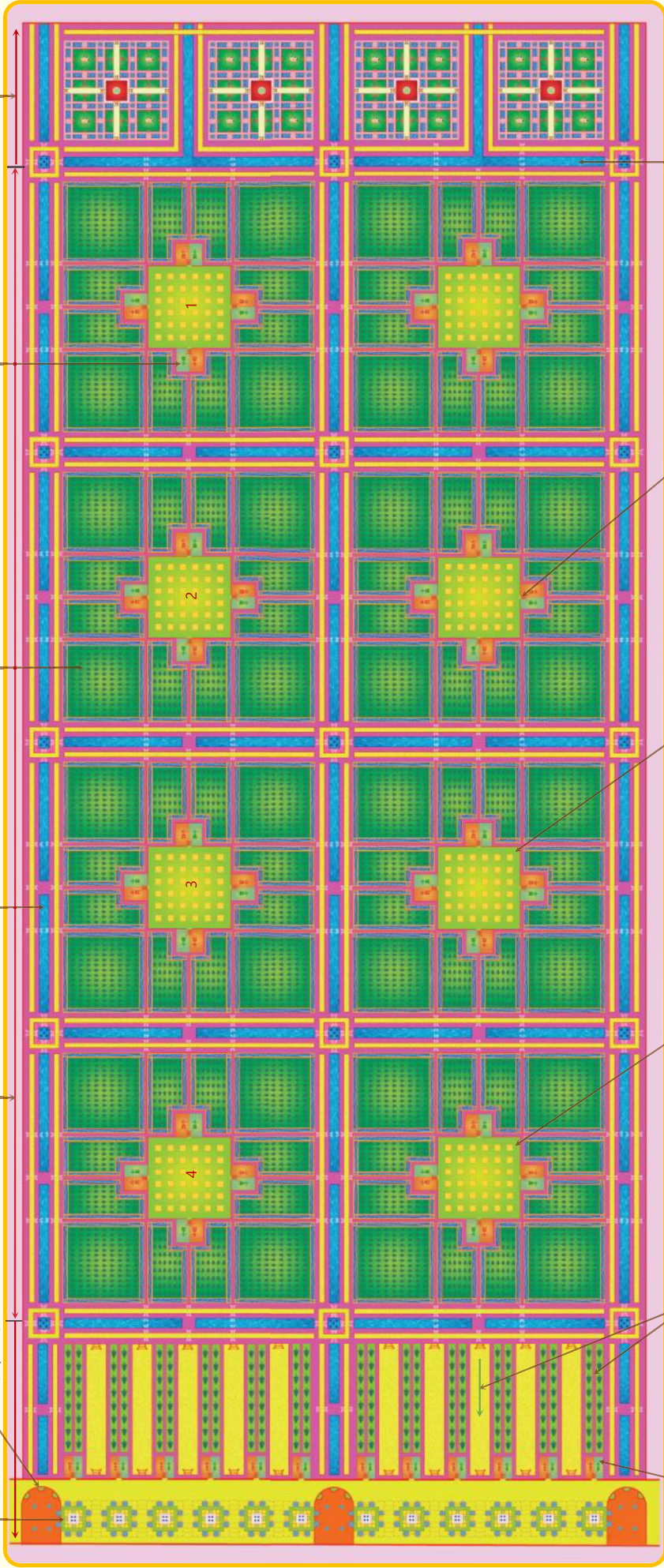
बड़ी नहर व
दाएँ-बाएँ पाल

8 बागीचे (हवेली की चारों दिशा व चारों कोनों में,
12000 वृक्षां की 12000 हारें, 60000 भोमर ऊँची)

4 चौदनी चौक
(प्रत्येक हवेली की चारों दिशाओं में)

वन की नहरें/महल

(बड़ी रांग)



चौदनी चौक

रौस/रास्ते (छोटी रांग
से बड़ी रांग की ओर)

छोटी रांग की एक बड़ी हवेली में
12000 हवेलियों की 12000 हारें

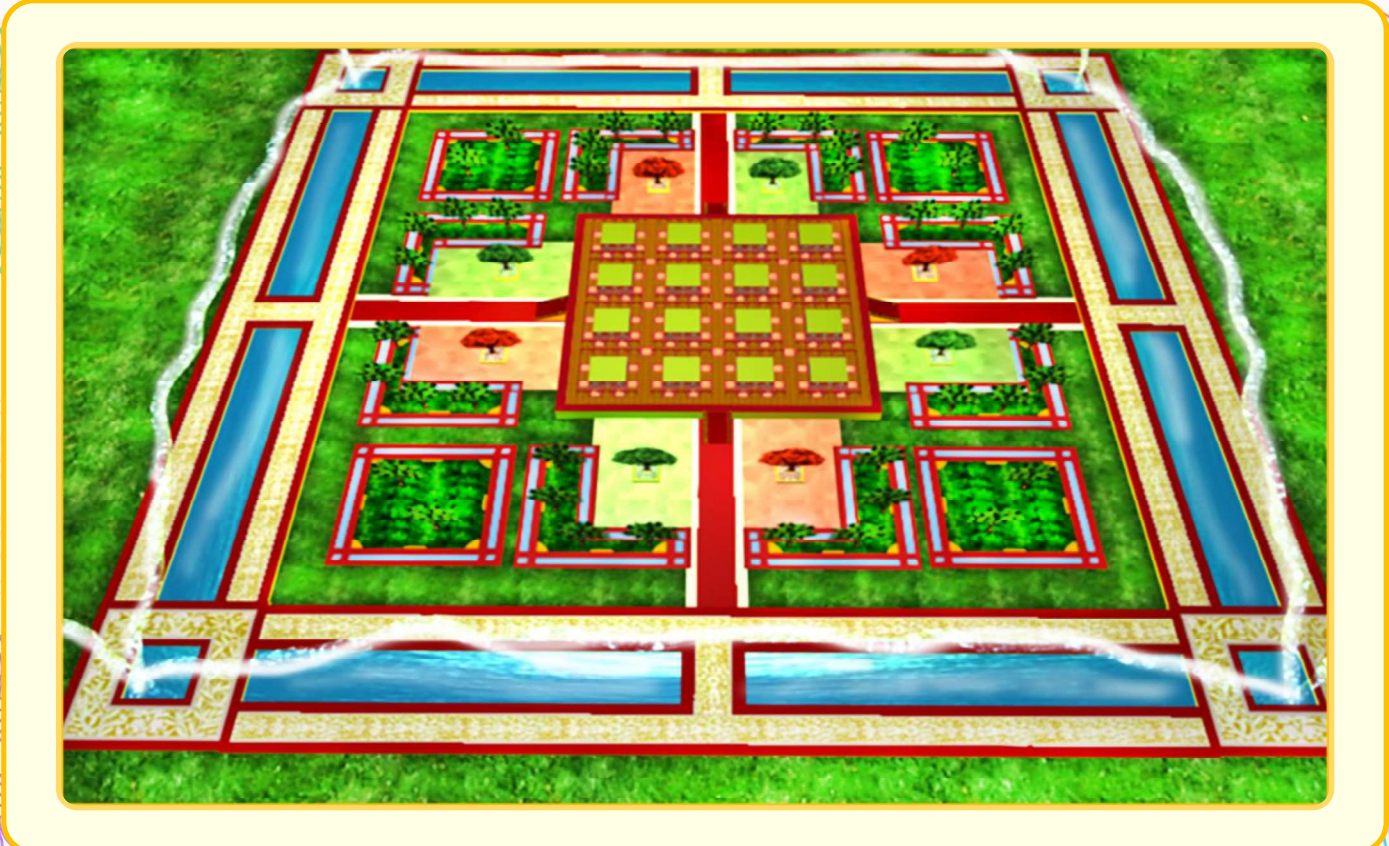
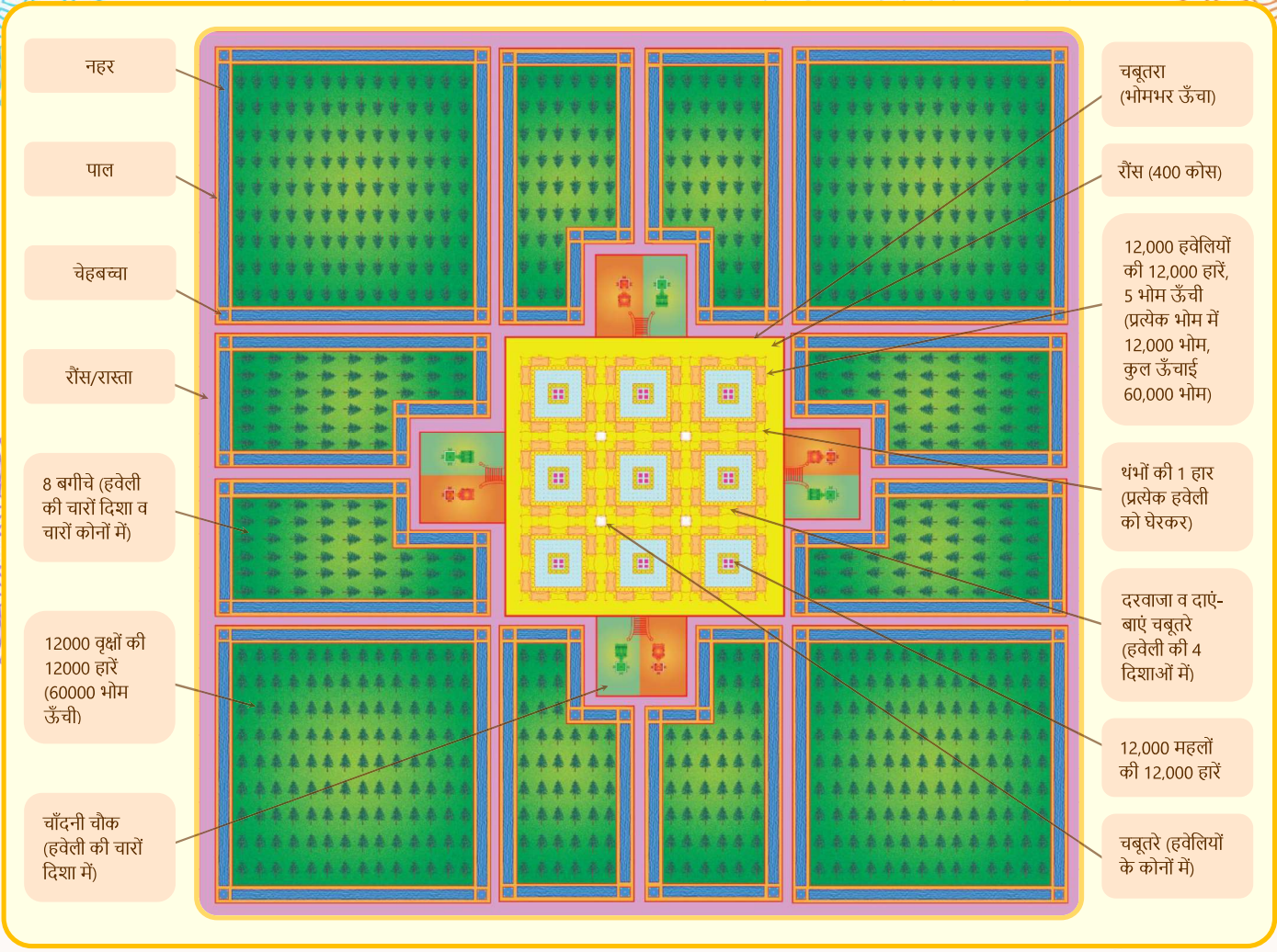
चबूतरा
(भोमर ऊँचा)

भोमर सीढियाँ
(हवेली की चारों दिशाओं में)

बड़ी नहर (वन के महल व
छोटी रांग की संधि में)

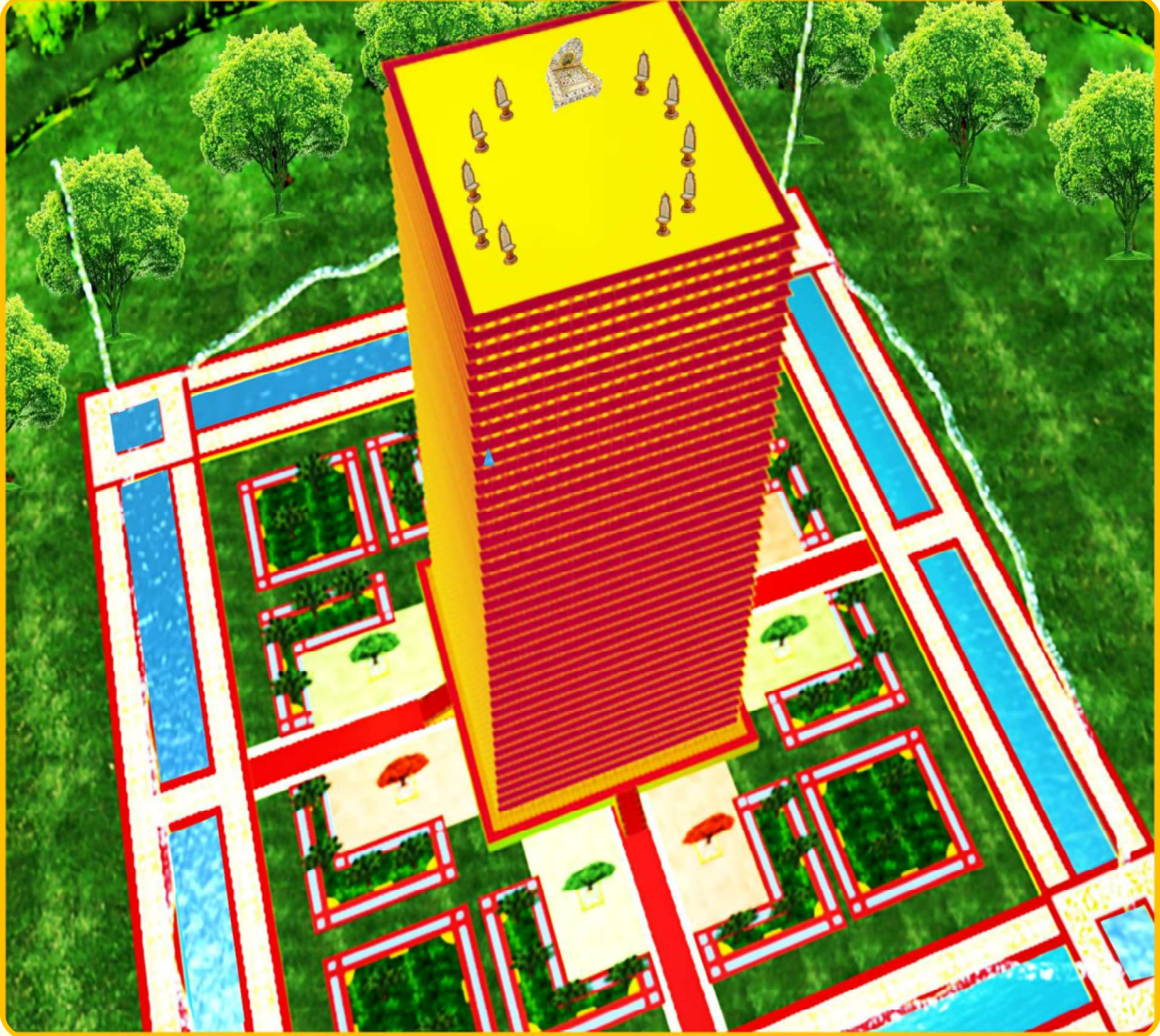


नक्शा नं. 97(ब) छोटी रांग : एक हवेली की शोभा



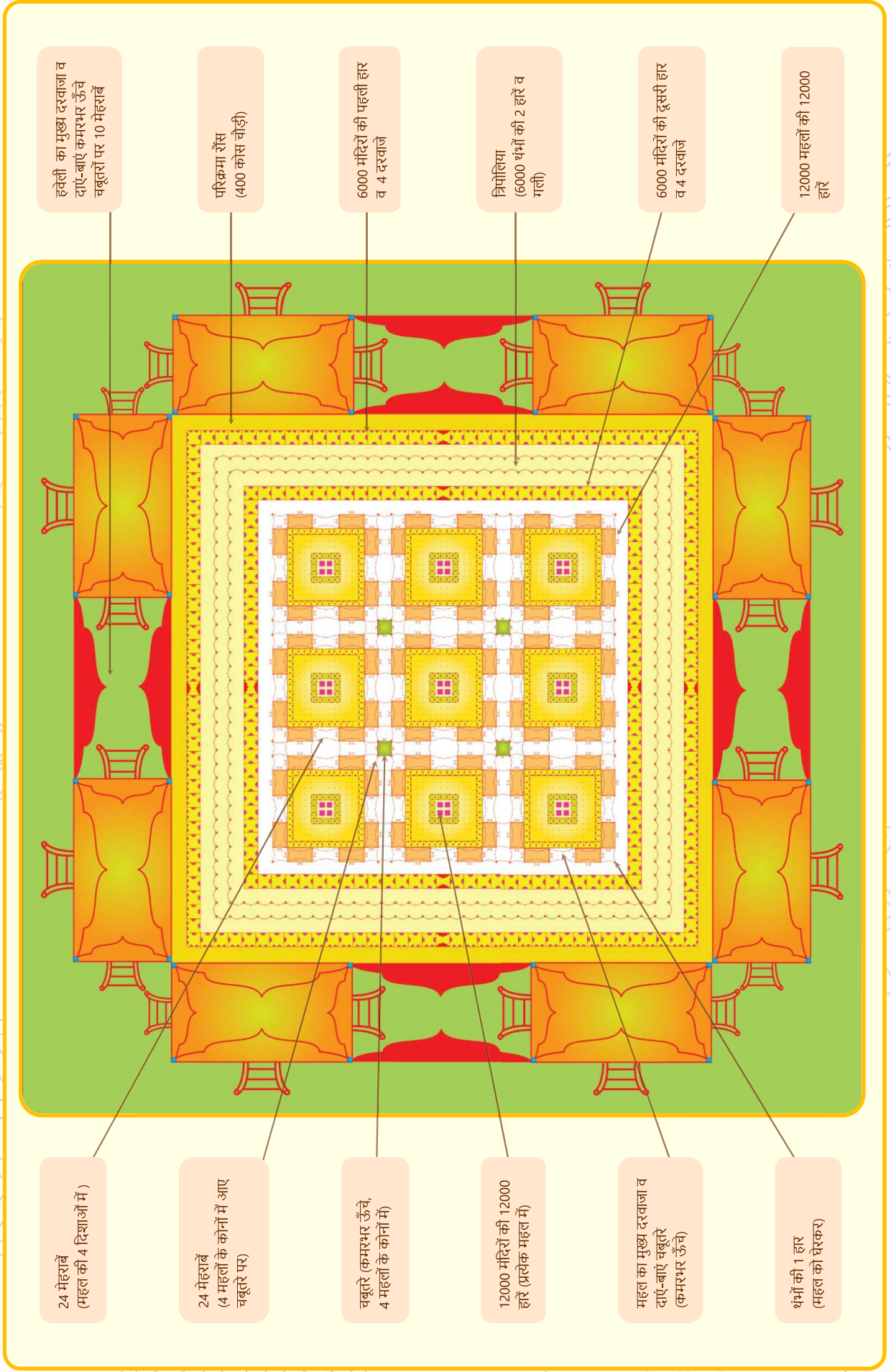
छोटी रांग की एक हवेली की शोभा

पांच भोम हवेलियन की, चौक छठी चांदनी ।
सब बैठे एक नूर एक रस, ए ठौर अति सुखदाए अपनी ॥



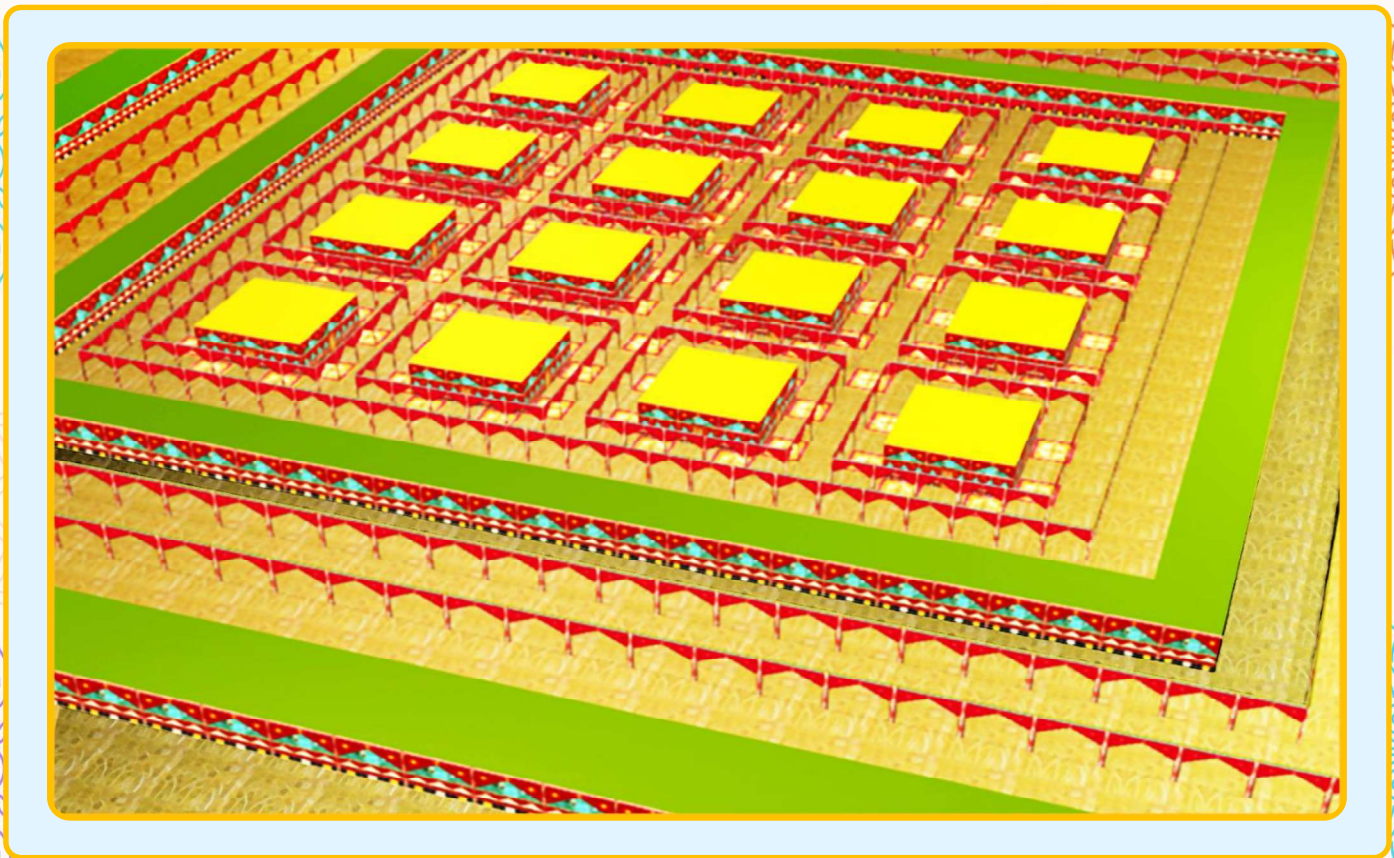
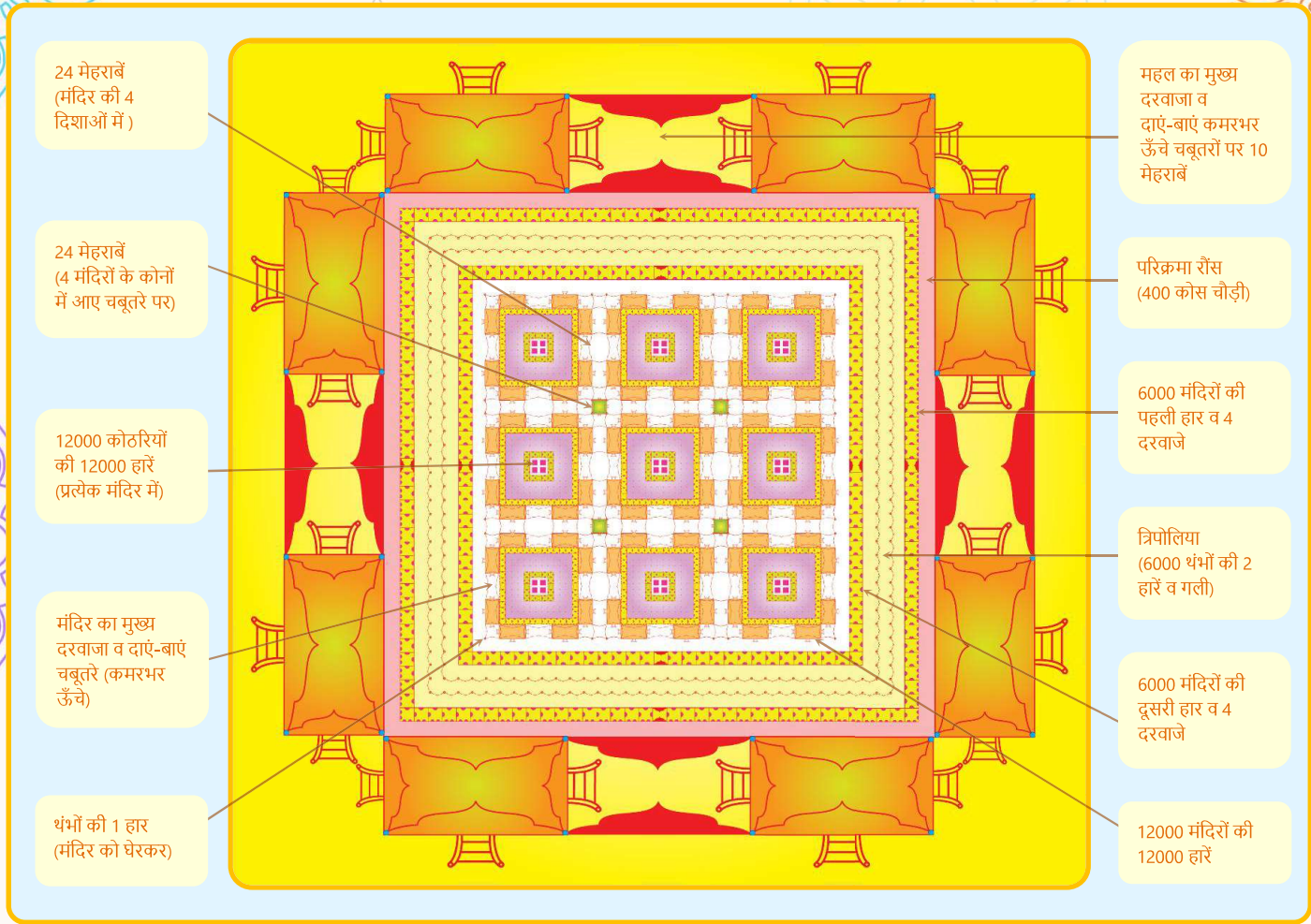
चारों हारे हवेलियों, चारों रास्ते दोरी बंध ।
दरखत दोऊं बाजू के, ए नूर मोमिन जाने सनंध ॥

!! नक्शा नं. 98(अ) छोटी रांग व बड़ी रांग - एक हवेली में महलों की शोभा !!





नक्शा नं. 98(ब) छोटी रांग व बड़ी रांग - एक महल में मंदिरों की शोभा

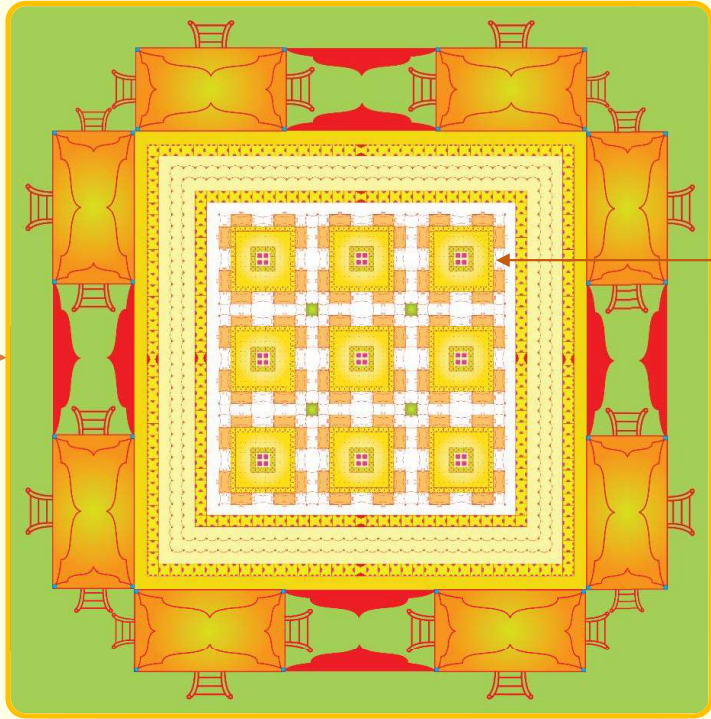




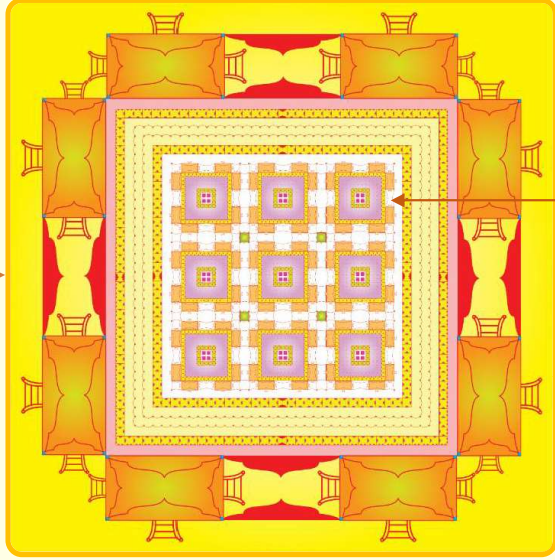
नक्शा नं. 99 छोटी रांग व बड़ी रांग - एक हवेली में महल, मंदिर व कोठरी की शोभा



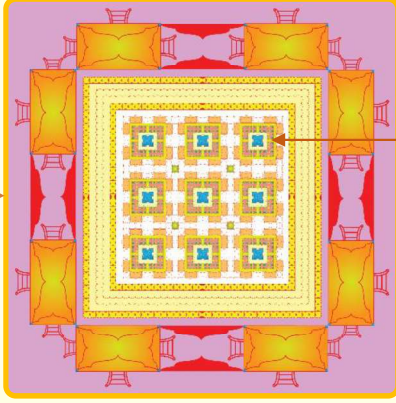
हवेली की शोभा



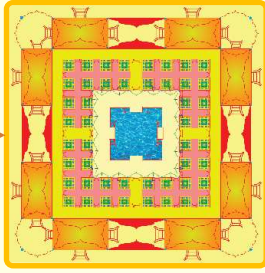
महल की शोभा



मंदिर की शोभा



कोठरी की शोभा



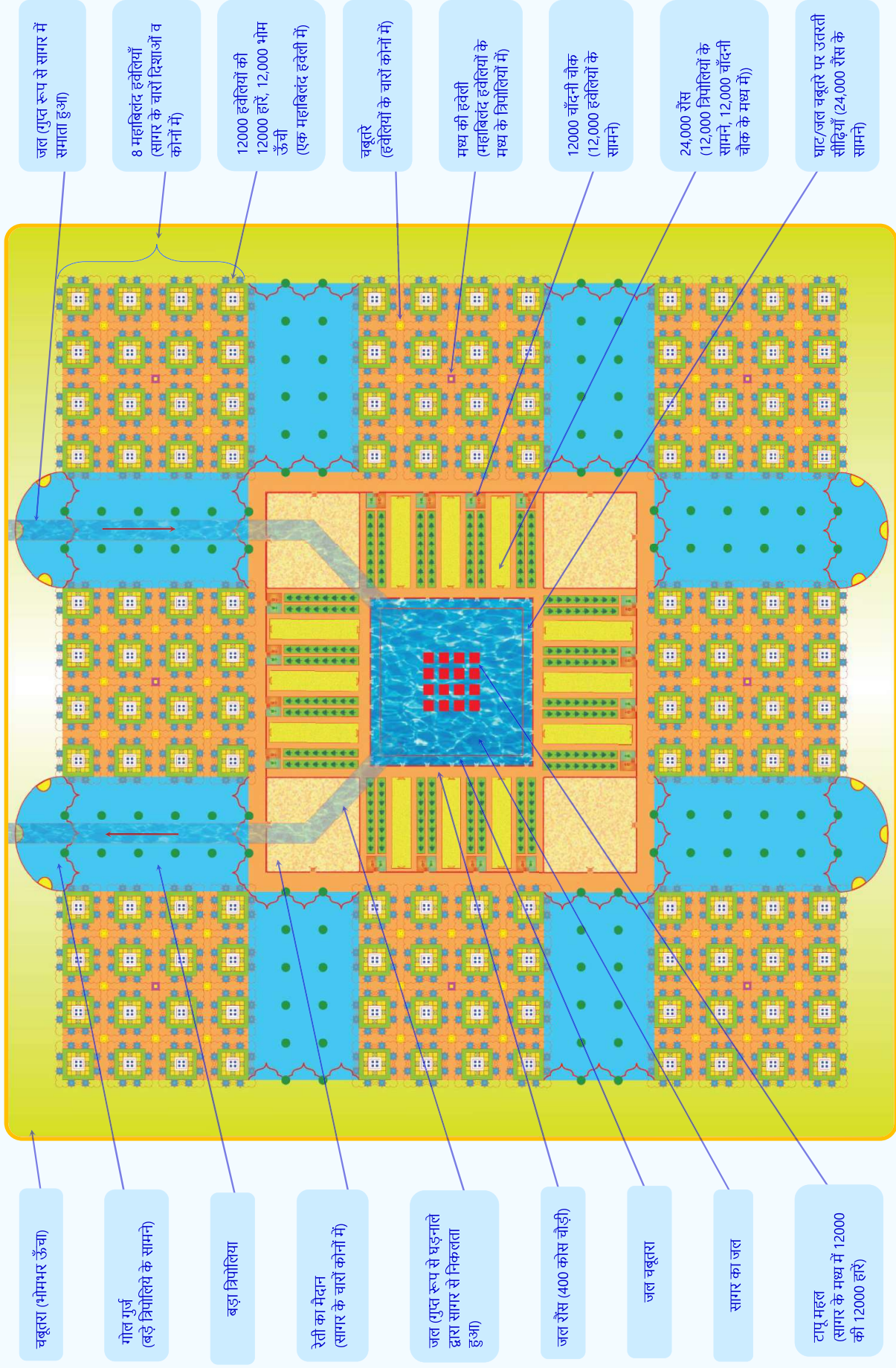
(मंदिर में 12,000 कोठरियों में से 1 कोठरी की शोभा)

(महल में 12,000 मंदिरों में से 1 मंदिर की शोभा)

(हवेली में 12,000 महलों में से 1 महल की शोभा)

छोटी रांग - 12,000 की 12,000 हारें, 5 भोम ऊँची (प्रत्येक भोम में 12,000 भोम, कुल ऊँचाई 60,000 भोम)
 बड़ी रांग - 12,000 की 12,000 हारें, 12,000 भोम ऊँची (प्रत्येक भोम में 12,000 भोम, कुल ऊँचाई 14,40,00,000 भोम)

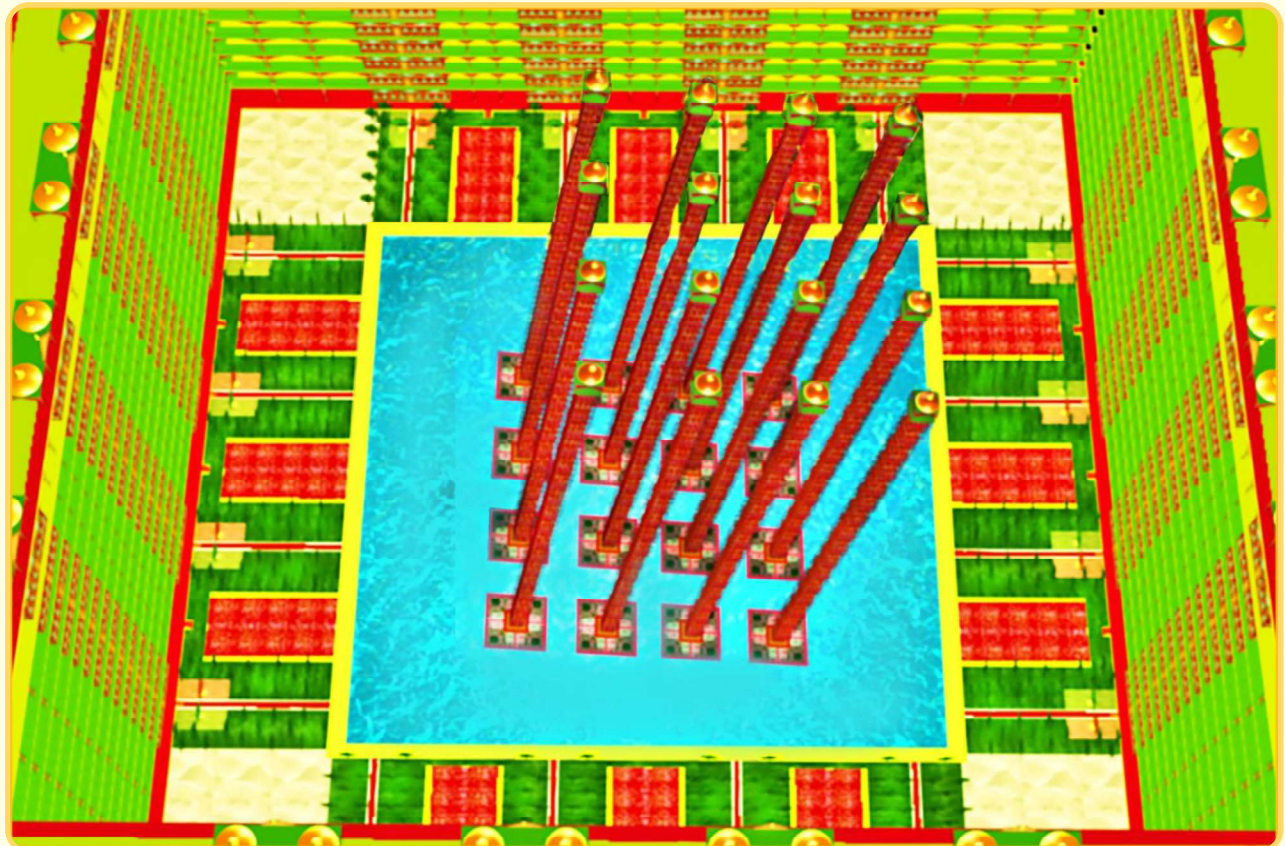
!! नक्शा नं. 100(अ) बड़ी रांग : एक सागर के चारों तरफ की शोभा !!



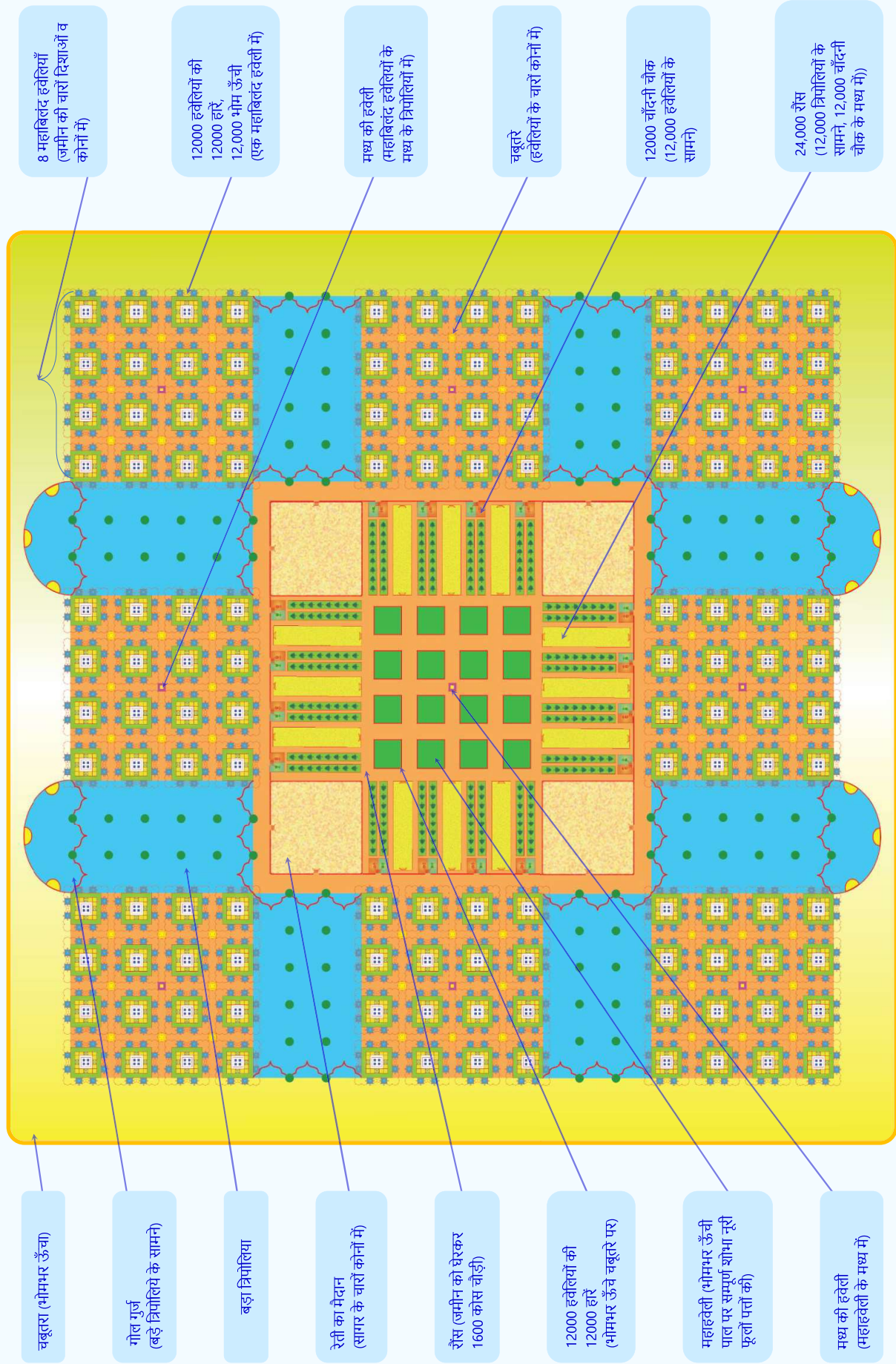
छोटी रांग की अंतिम आड़ी महानद से बड़ी रांग तक की शोभा



सागर के मध्य टापू महलों की शोभा



!! नक्शा नं. 100(ब) बड़ी रांग : एक जमीन के चारों तरफ की शोभा !!



चक़तरा (भोमभर ऊँचा)

गोबल गुर्ज़
(बड़े त्रिपोलिये के सामने)

बड़ा त्रिपोलिया

रेती का मैदान
(सागर के चारों कोनों में)

रौस (जमीन को घेरकर
1600 कोस चौड़ी)

12000 हवेलियों की
12000 हारें
(भोमभर ऊँचे चक़तरें पर)

महाहवेली (भोमभर ऊँची
पाल पर सम्पूर्ण शोभा नूरी
फूलों पत्तों को)

मध्य की हवेली
(महाहवेली के मध्य में)

8 महाबिलद हवेलियाँ
(जमीन की चारों दिशाओं व
कोनों में)

12000 हवेलियों की
12000 हारें,
12,000 भोम ऊँची
(एक महाबिलद हवेली में)

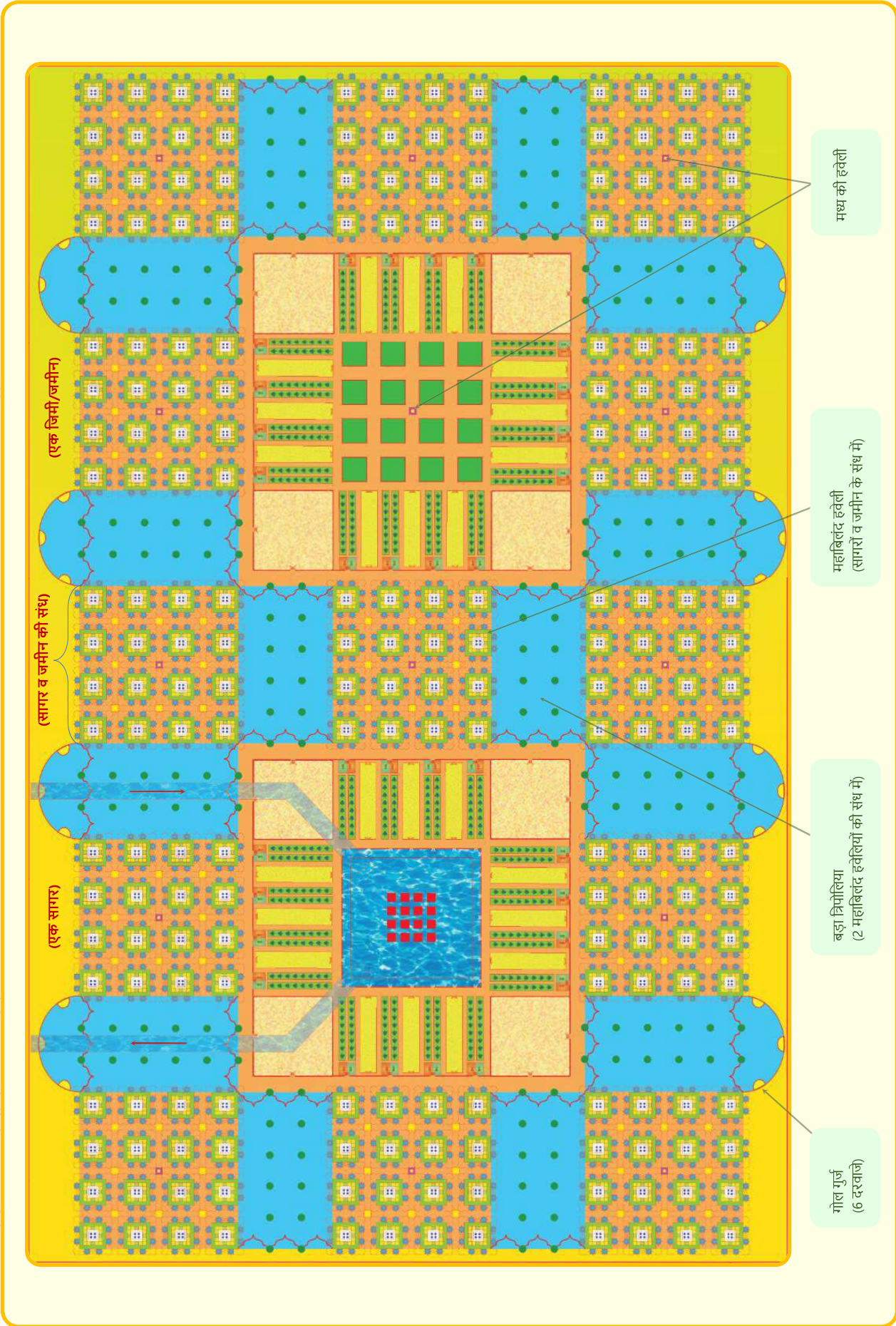
मध्य की हवेली
(महाबिलद हवेलियों के
मध्य के त्रिपोलियों में)

चक़तरें
(हवेलियों के चारों कोनों में)

12000 च़न्दनी चौक
(12,000 हवेलियों के
सामने)

24,000 रौस
(12,000 त्रिपोलियों के
सामने, 12,000 च़न्दनी
चौक के मध्य में)

!! नक्शा नं. 101 बड़ी रांग : एक सागर व एक जमीन/जमीन के चारों तरफ की शोभा !!



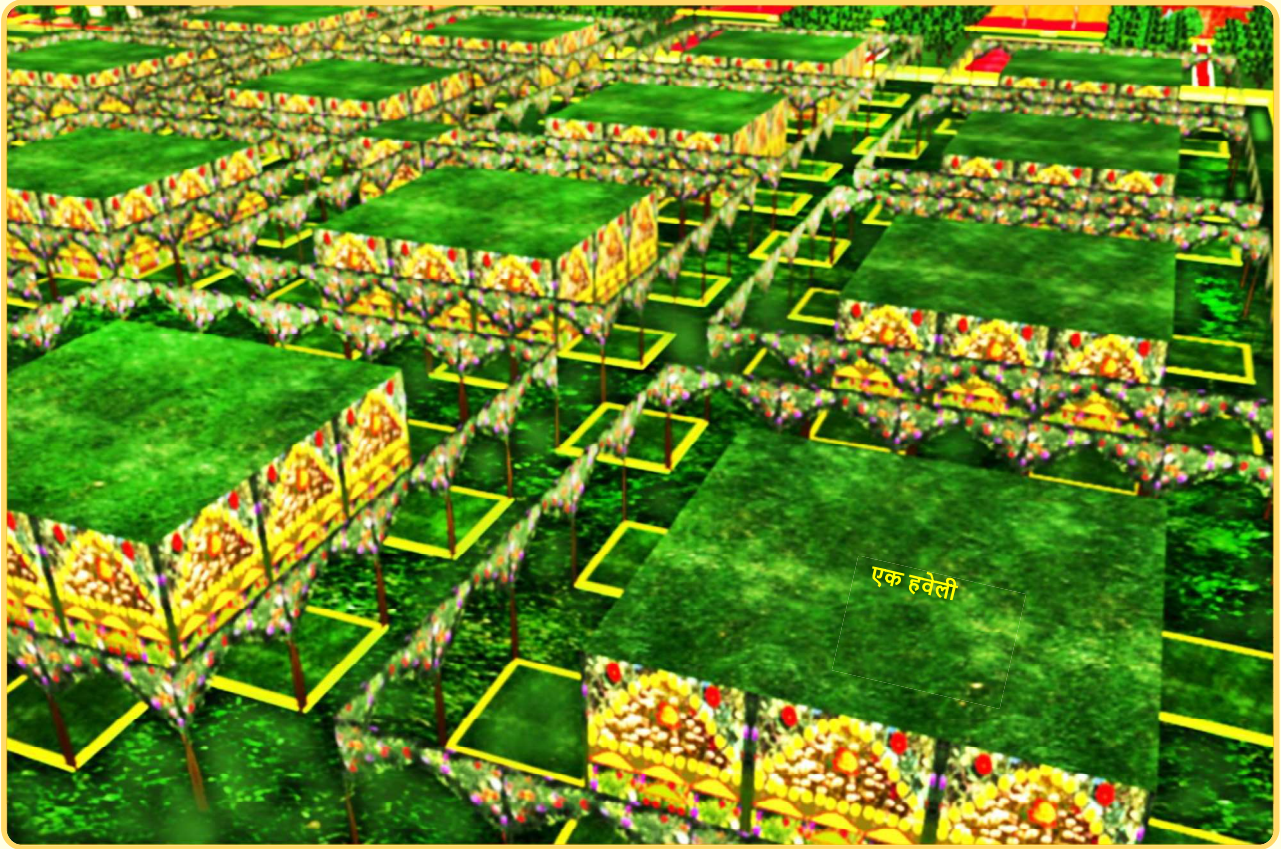
गोल गुर्ज
(6 दरवाजे)

बड़ा त्रिपोलिया
(2 महाबिलंद हवेलियों की संघ में)

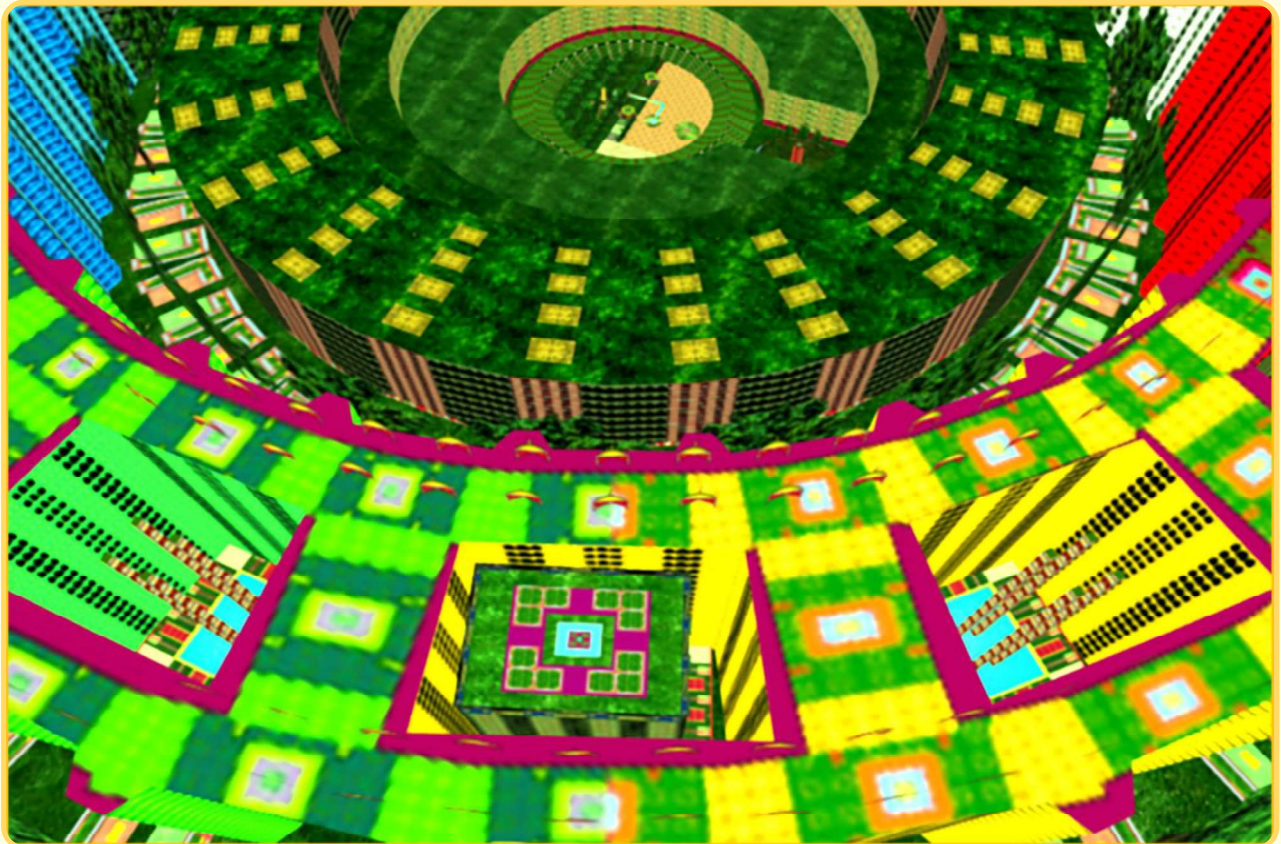
महाबिलंद हवेली
(सागरों व जमीन के संघ में)

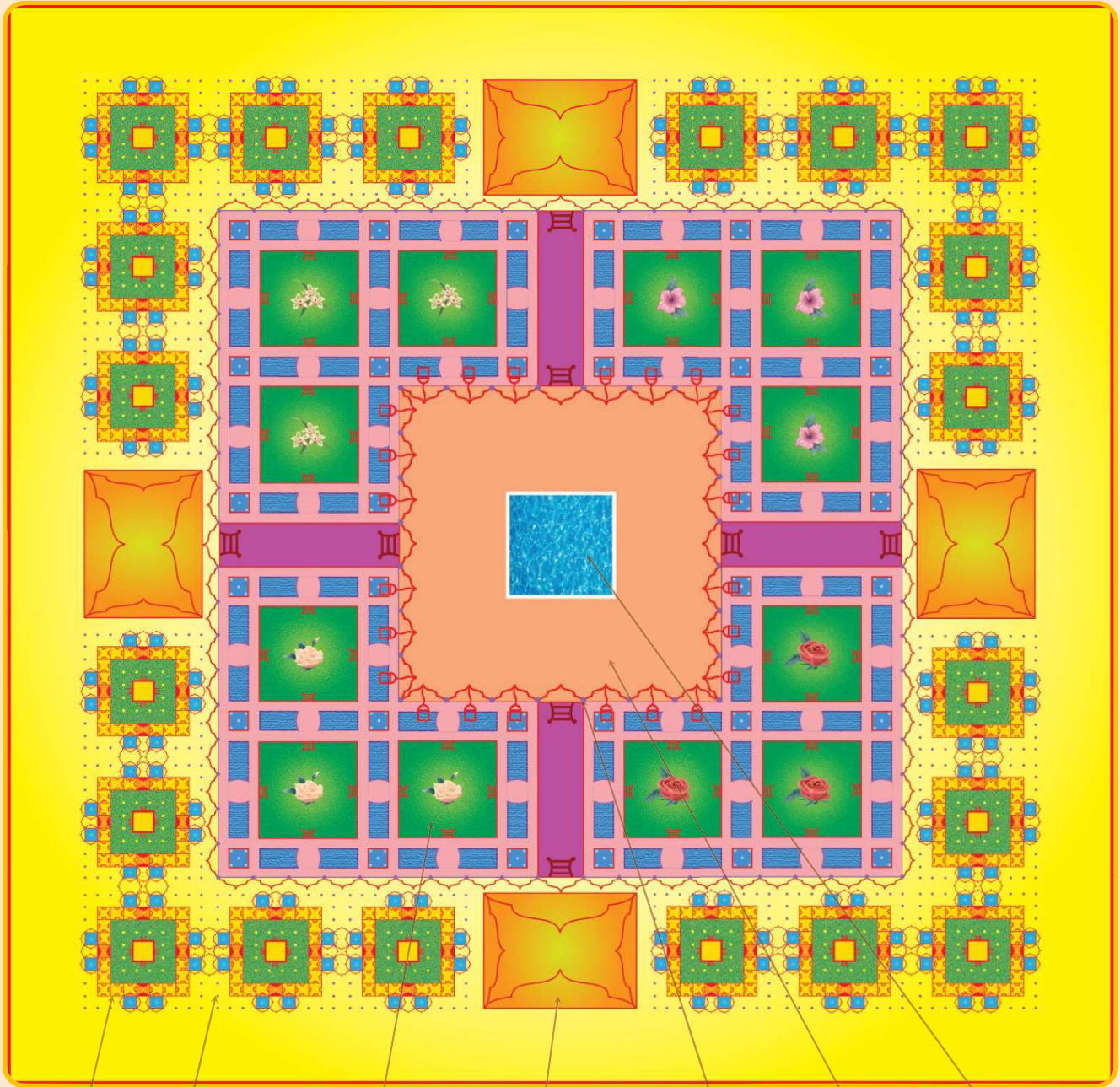
मध्य की हवेली

एक जमीन की महाबिलंद हवेली की भीतरी शोभा



जमीन व सागर की शोभा





महलों की हार

थंभों की 1 हार (प्रत्येक महल को घेरकर)

बगीचों की हार

दिशा के बड़े दरवाजे

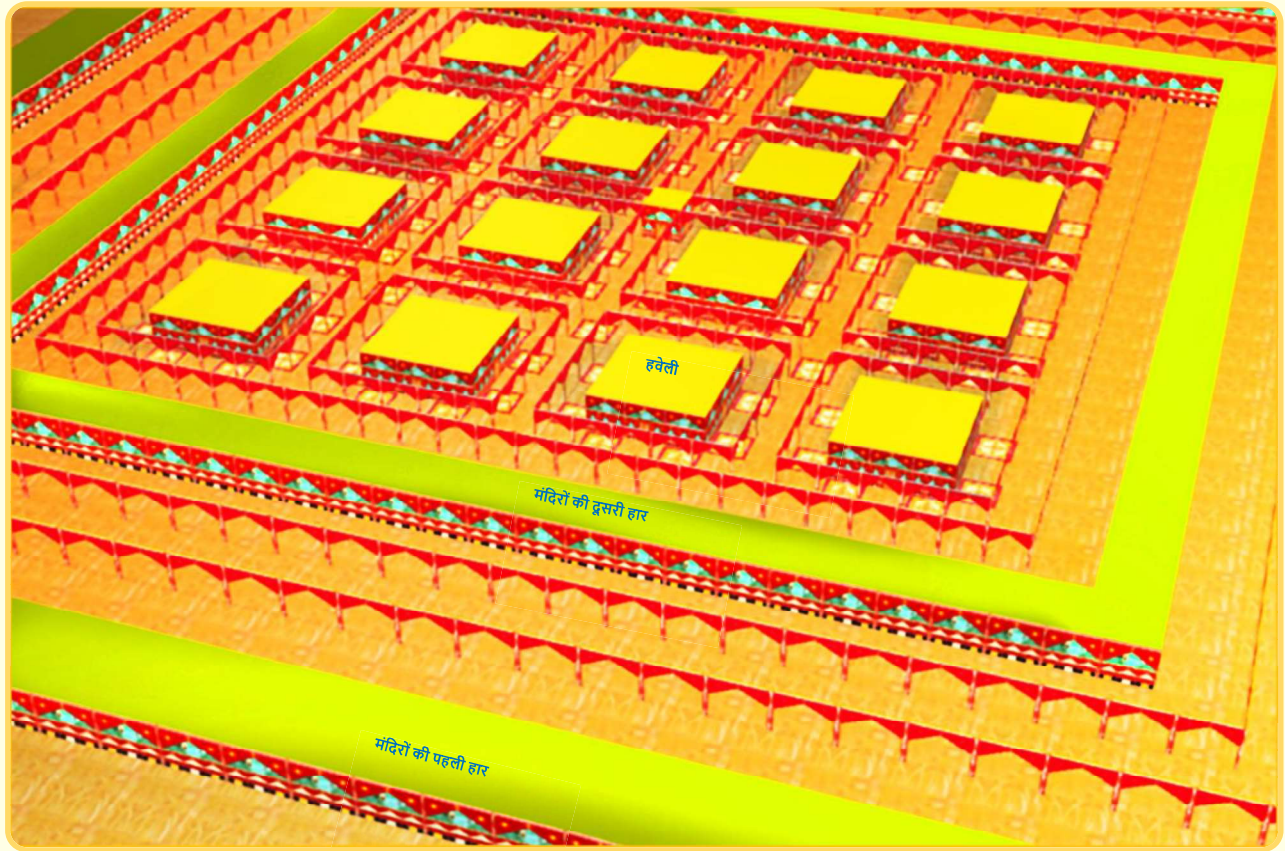
चबूतरा (कमर भर ऊँचा व किनार पर हिंडोले)

बैठक

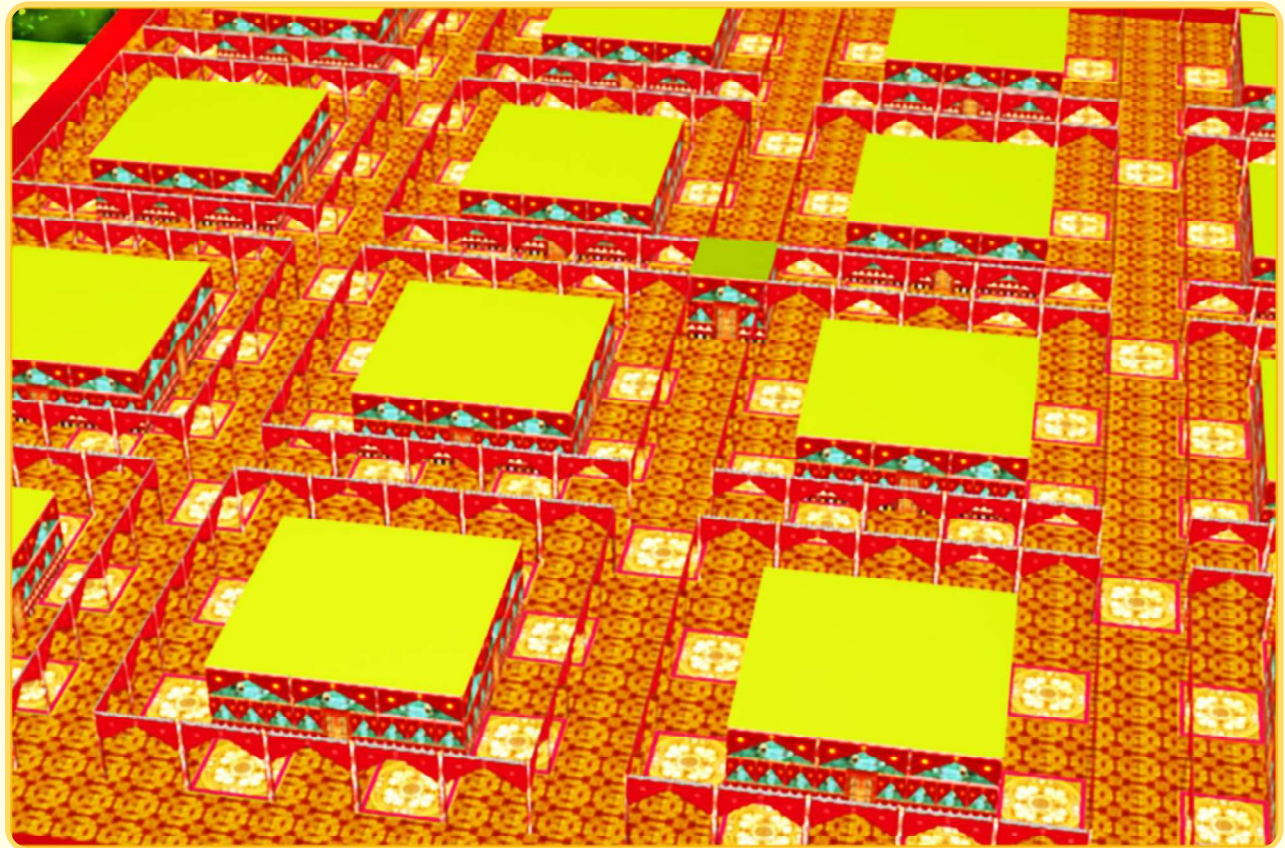
पानी का स्तून (चबूतरे के मध्य में)

तो नूर रांग पार की क्यों कहूं, जाको सुमार नहीं वार पार ।
वह मोमिन देखें दिल अर्स में, जो दिल अर्स परवरदिगार ॥

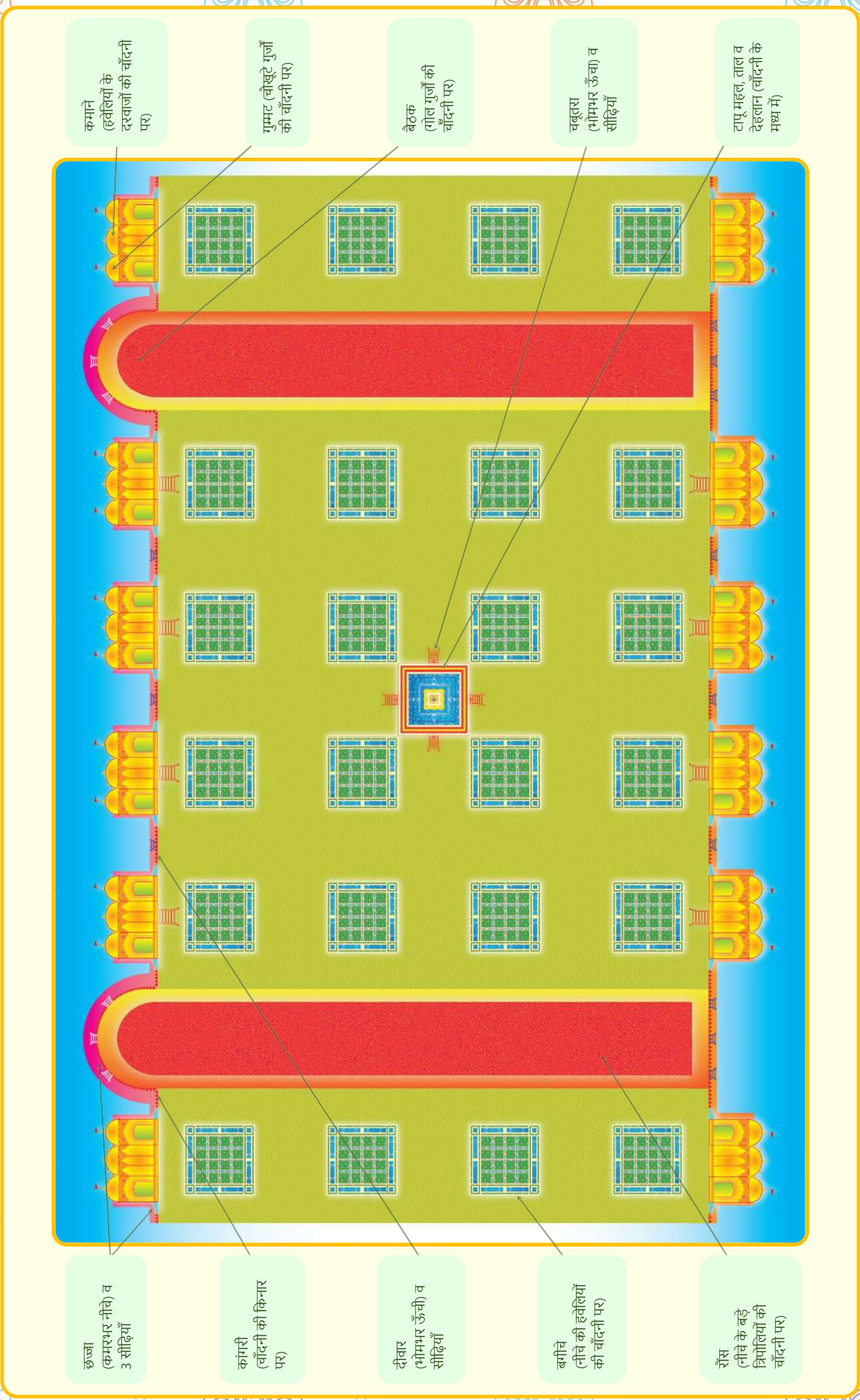
एक महाबिलंद हवेली की शोभा



महाबिलंद हवेली के मध्य की हवेली की शोभा



!! नक्शा नं. 103 बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चौदनी की शोभा !!



छाजा
(कमरभर नीचे) व
3 सीढ़ियाँ

कांगरी
(चौदनी की किनार
पर)

दीवार
(भोमभर ऊँची) व
सीढ़ियाँ

बाचीचे
(नीचे की हवेलियों
की चौदनी पर)

रौस
(नीचे के बड़े
त्रिपोलिया की
चौदनी पर)

कमाने
(हवेलियों के
दरवाजों की चौदनी
पर)

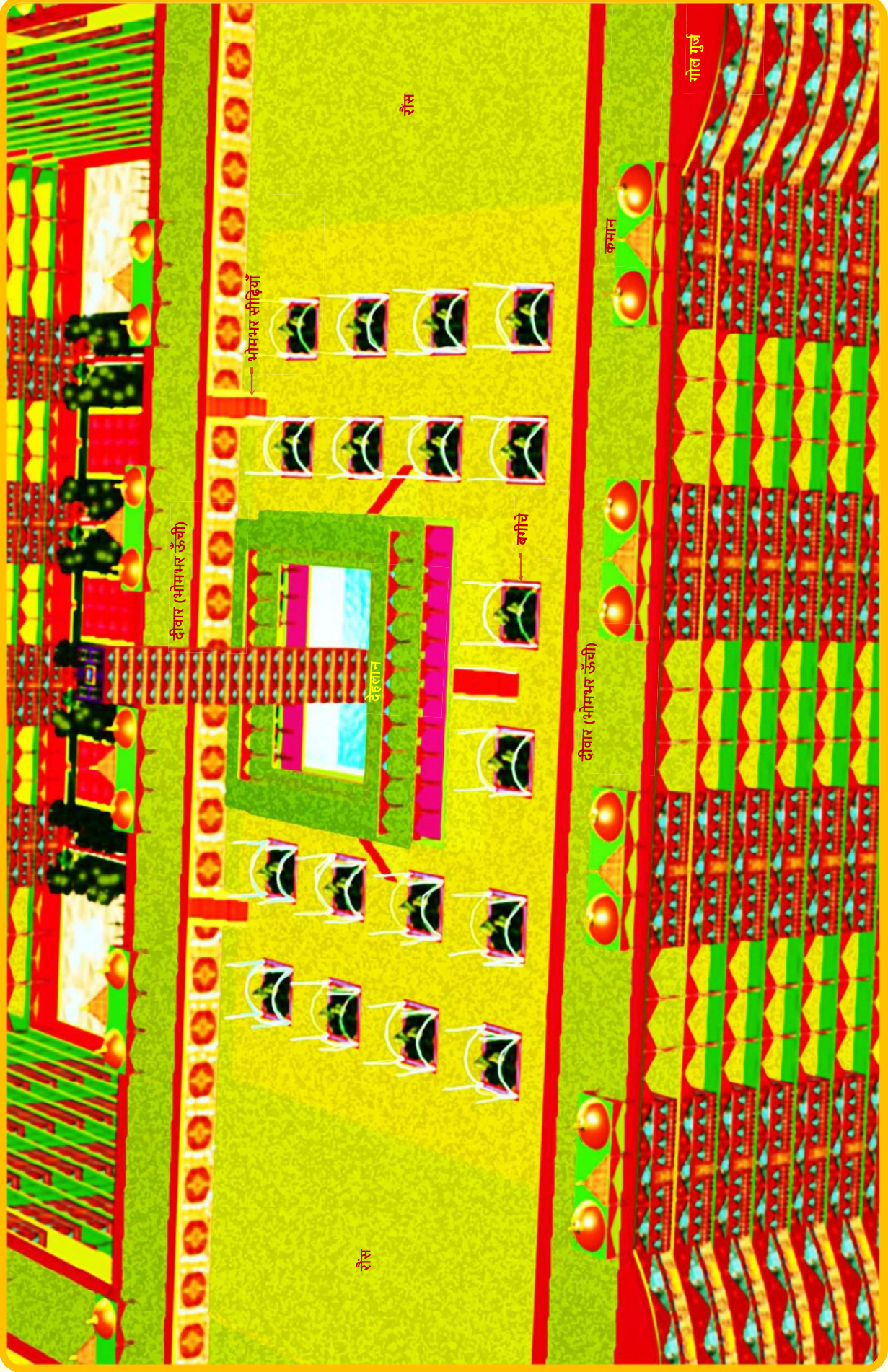
गुमट (लोखटे गुर्जों
की चौदनी पर)

बैठक
(गोल गुर्जों की
चौदनी पर)

चलतरा
(भोमभर ऊँचा) व
सीढ़ियाँ

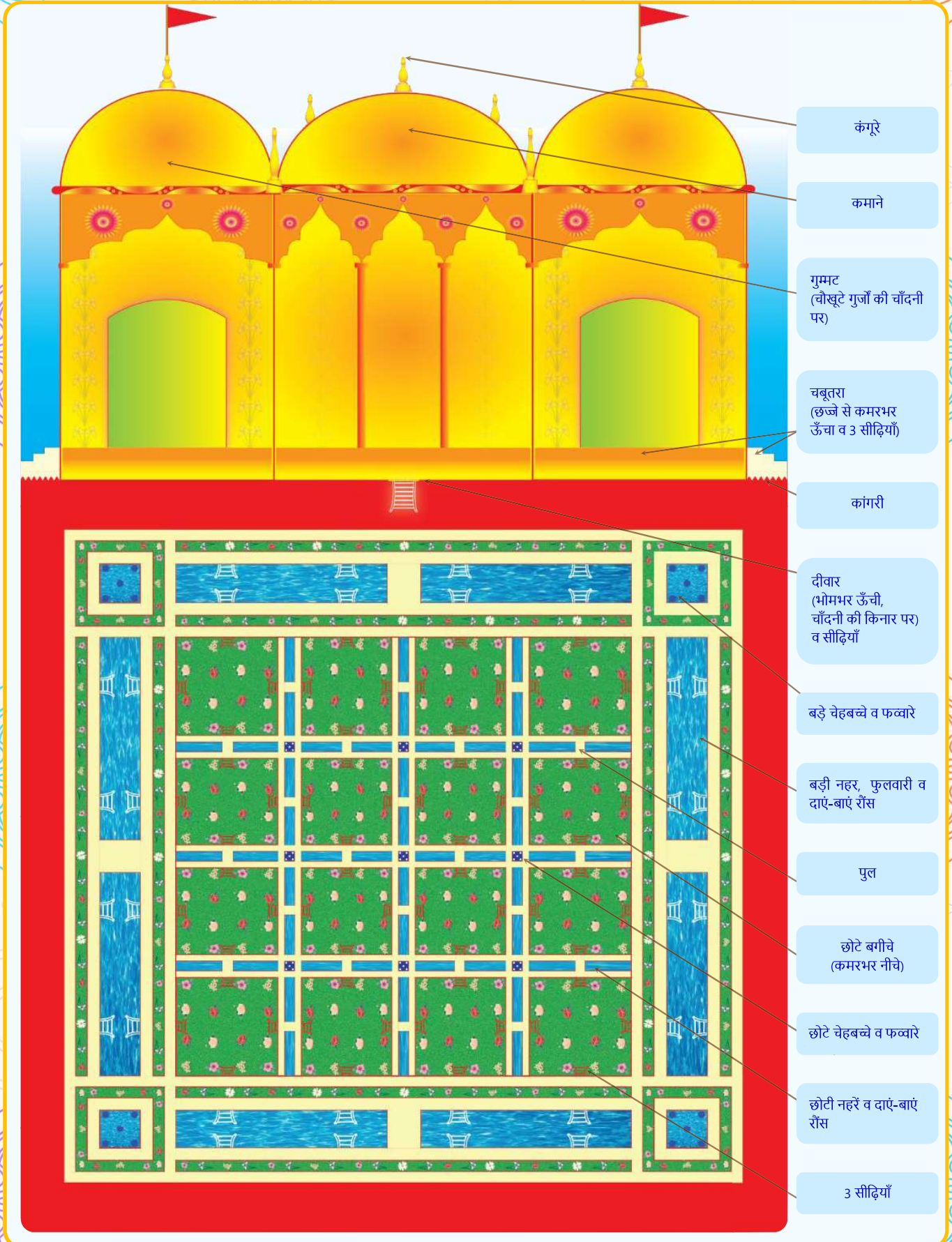
टापू महल, ताल व
देहलान (चौदनी के
मध्य में)

महाबिलद हवेली की चाँदनी की शोभा





नक्शा नं. 104 बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर एक बगीचे की शोभा

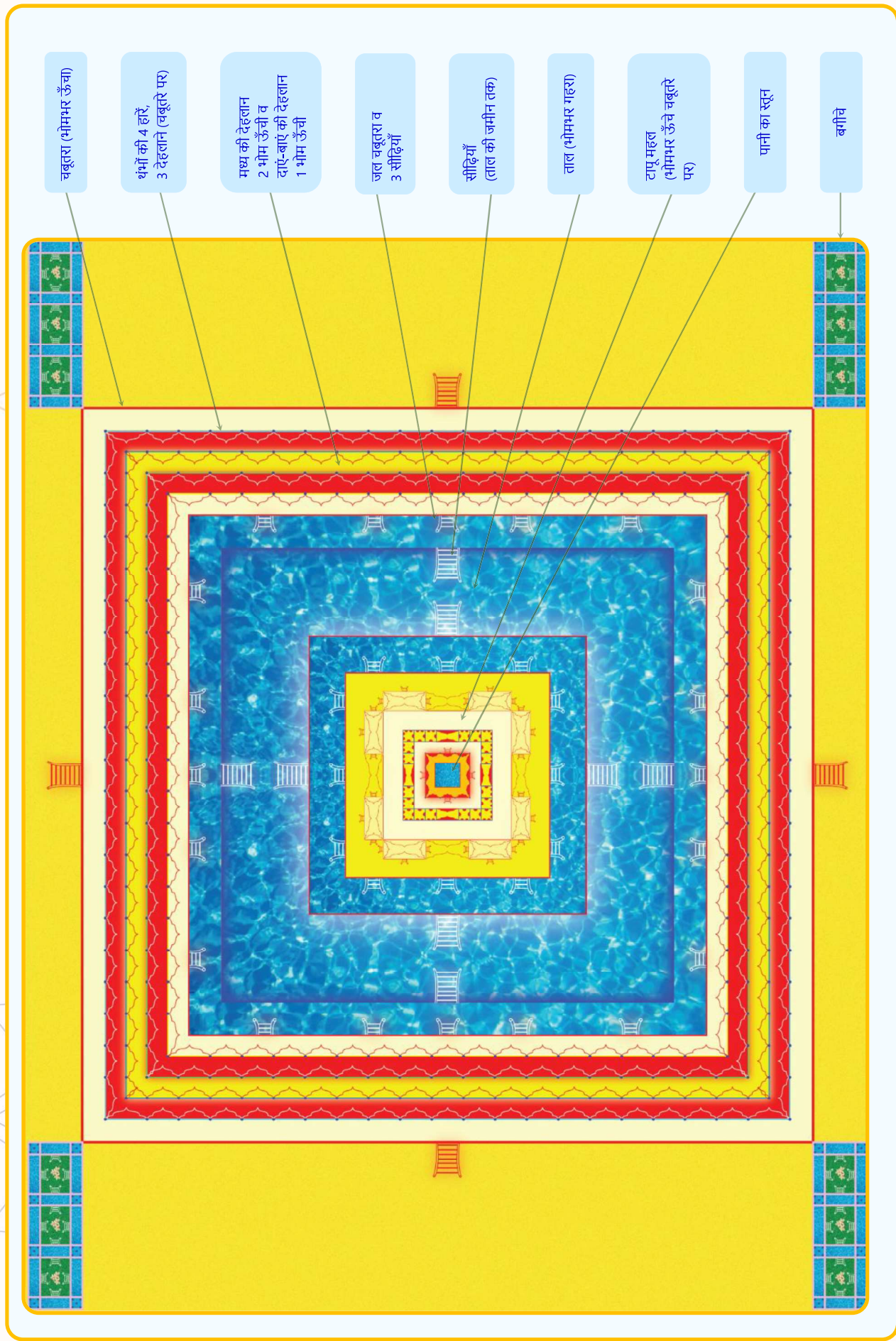


महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर बगीचे, गुम्बट व कमानों की शोभा



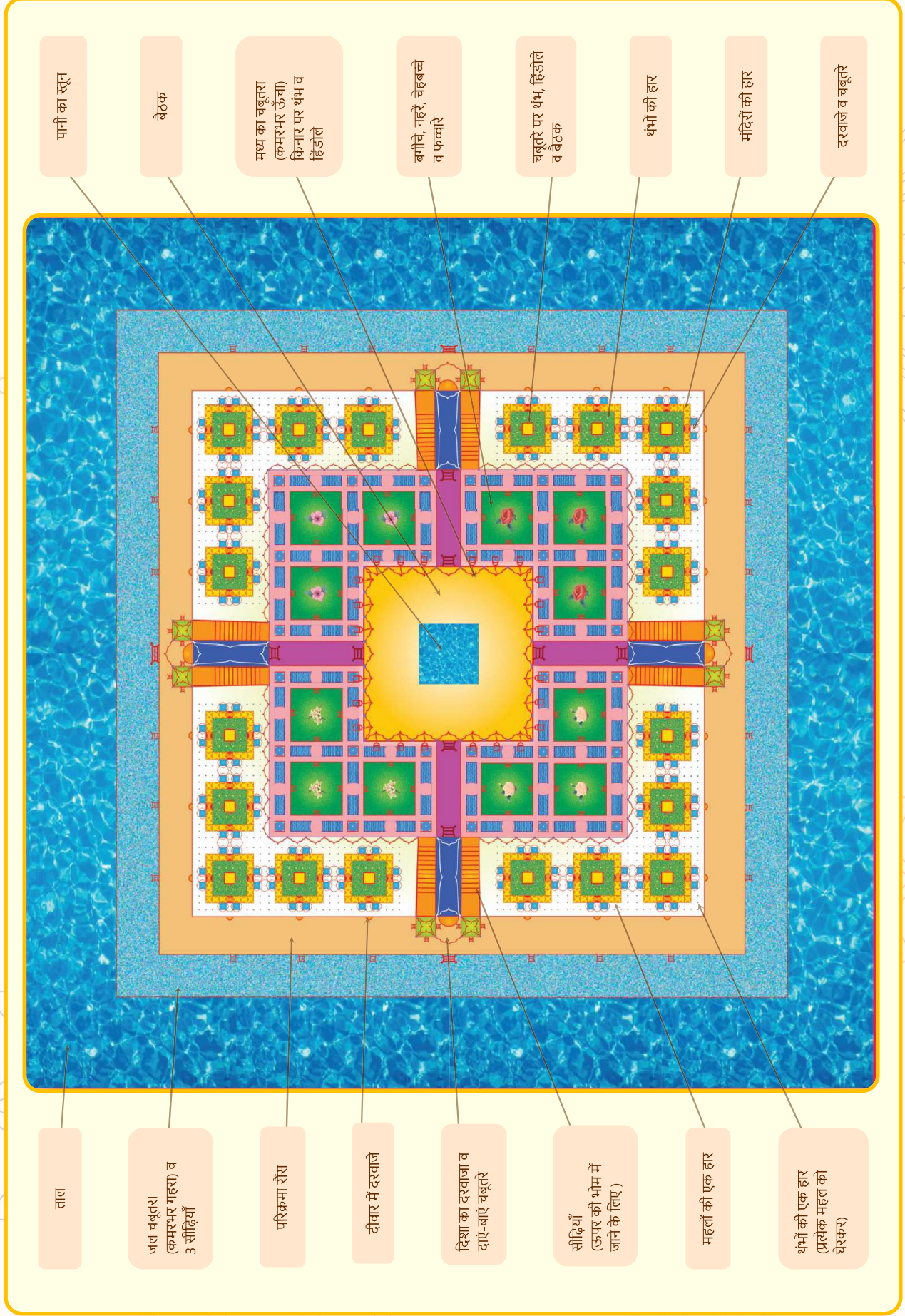


नक्शा नं. 105(अ) बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर टापू महल, ताल व देहलान की शोभा





नक्शा नं. 105(ब) बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर टापू महल की शोभा

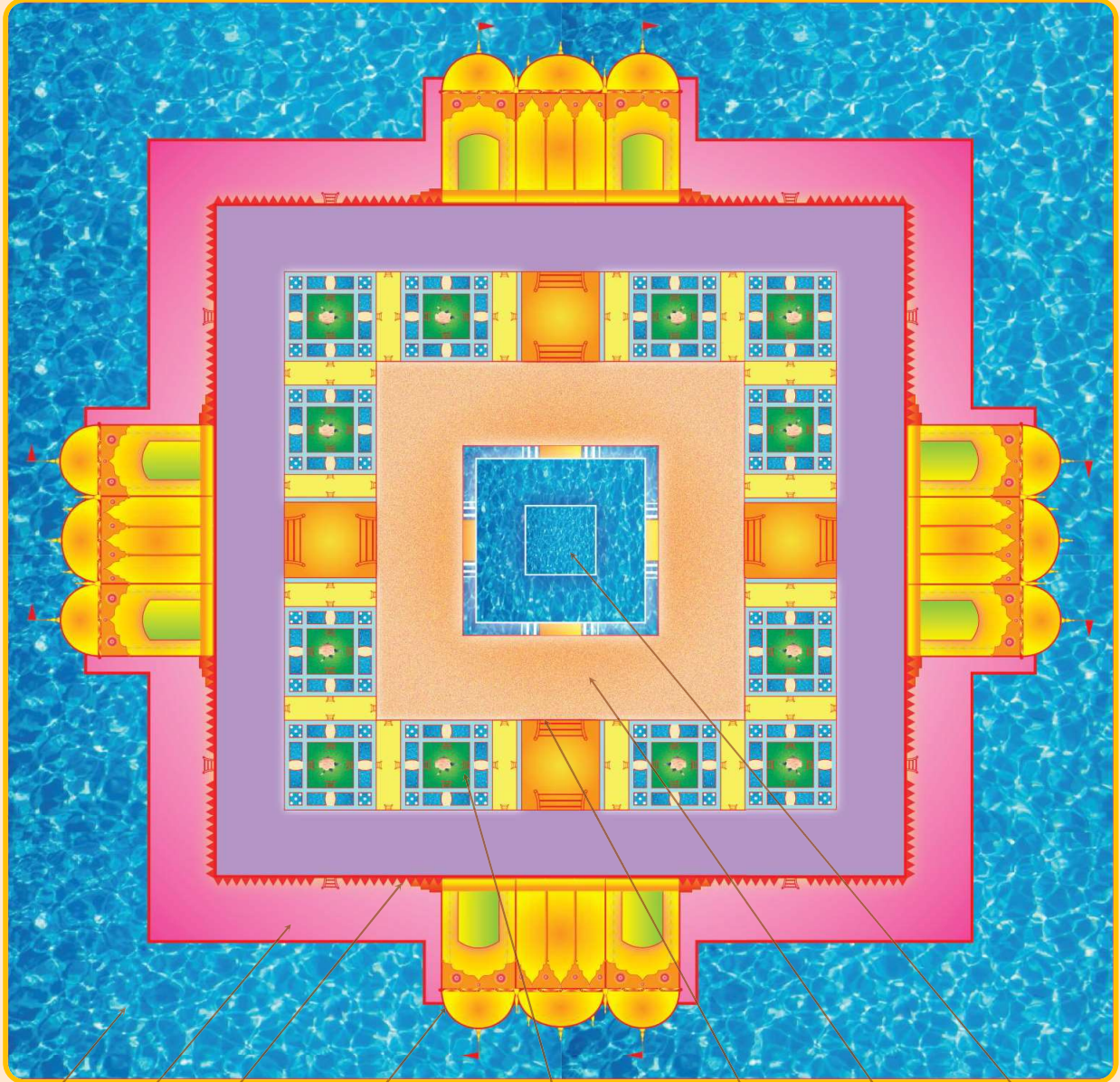


- ताल
- जल चबूतरा (कमरभर गहरा) व 3 सीढ़ियाँ
- परिक्रमा राँस
- दीवार में दरवाजे
- दिशा का दरवाजा व दाएं-बाएं चबूतरे
- सीढ़ियाँ (ऊपर की भोम में जाने के लिए)
- महलों की एक हार
- थंभों की एक हार (प्रत्येक महल को घेरकर)

- पानी का सूत
- बैठक
- मध्य का चबूतरा (कमरभर ऊँचा) किनार पर थंभ व हिंडोले
- बागीचे, नहरें, वेहबच्चे व फव्वारे
- चबूतरे पर थंभ, हिंडोले व बैठक
- थंभों की हार
- मंदिरों की हार
- दरवाजे व चबूतरे



नक्शा नं. 105(स) बड़ी रांग : महाबिलंद हवेली के टापू महल की चाँदनी



ताल

छज्जा व
3 सीढ़ियाँ

कांगरी

गुम्मत, कमानें,
कलश, ध्वजा व पताका

बगीचे
(कमरभर नीचे)

चबूतरा
(कमरभर ऊँचा) व 3 सीढ़ियाँ

बैठक

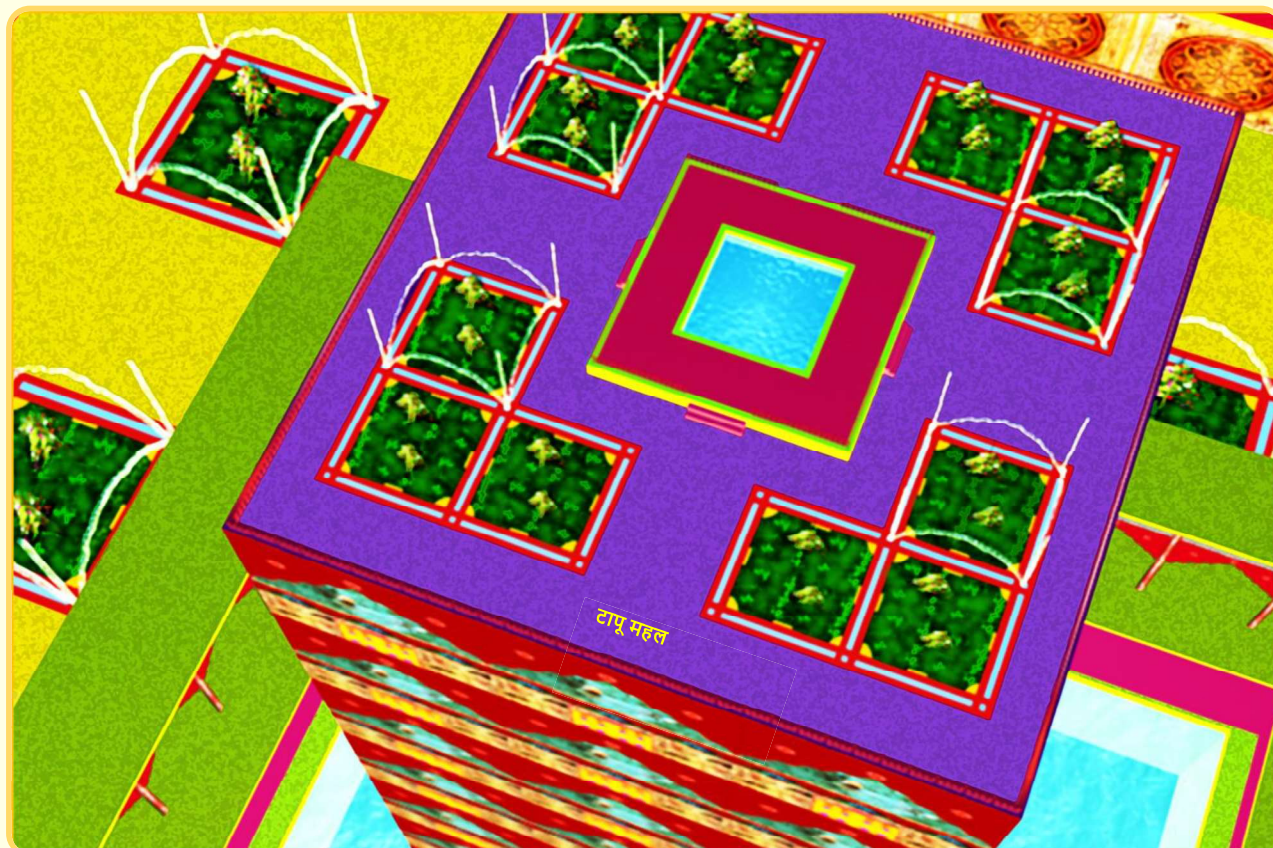
पानी का कुंड व
मध्य में खुलता हुआ स्तून

पार सोभा ना पार सागर, ना पार टापू ना इमारत ।
पार टापू ना मोहोल किनारें मोहोल, सोभा आसमान नूर झलकत ॥

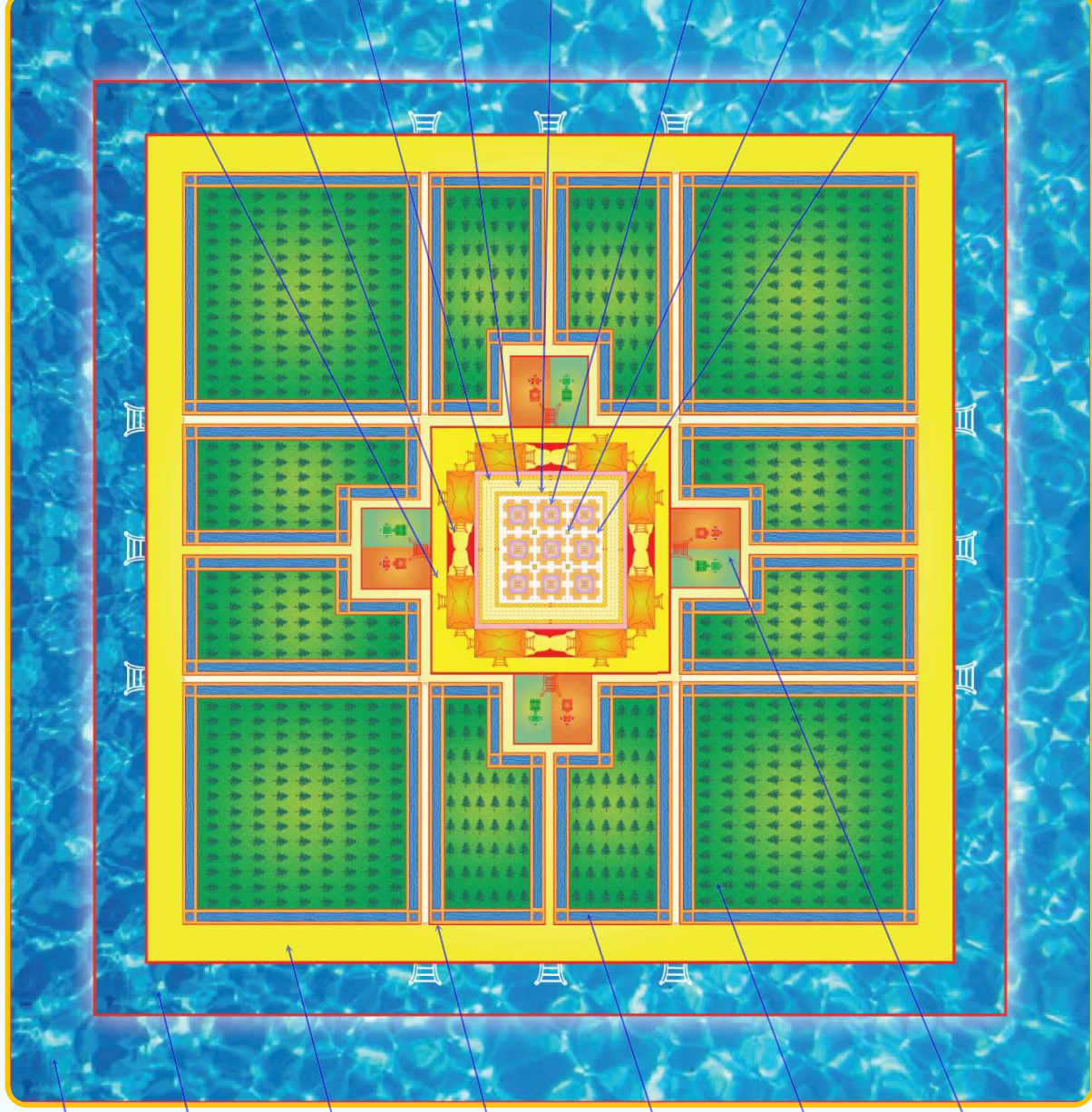
महाबिलंद हवेली की चाँदनी पर टापू महल, ताल व देहलान की शोभा



टापू महल की चाँदनी की शोभा



!! नक्शा नं. 106 बड़ी रांग : सागर के टापू में से एक टापू की शोभा !!



सागर का जल

जल चबूतरा व 3 सीढ़ियाँ

रोस
(कमरभर ऊँची)

चेहबन्दे व फव्वारे
(बगीचे के चारों कोनों में)

नहरें
(बगीचे की चारो दिशाओं में)

12 बगीचे
(चारो दिशाओं व कोनों में)

चाँदनी चौक व
भोमभर सीढ़ियाँ
(चारो दिशाओं में)

चबूतरा (भोमभर ऊँचा)

दिशा के दरवाजे व
दाएँ- बाएँ चबूतरे

6000 मंदिरों की पहली हार

6000 थमों की 2 हारें

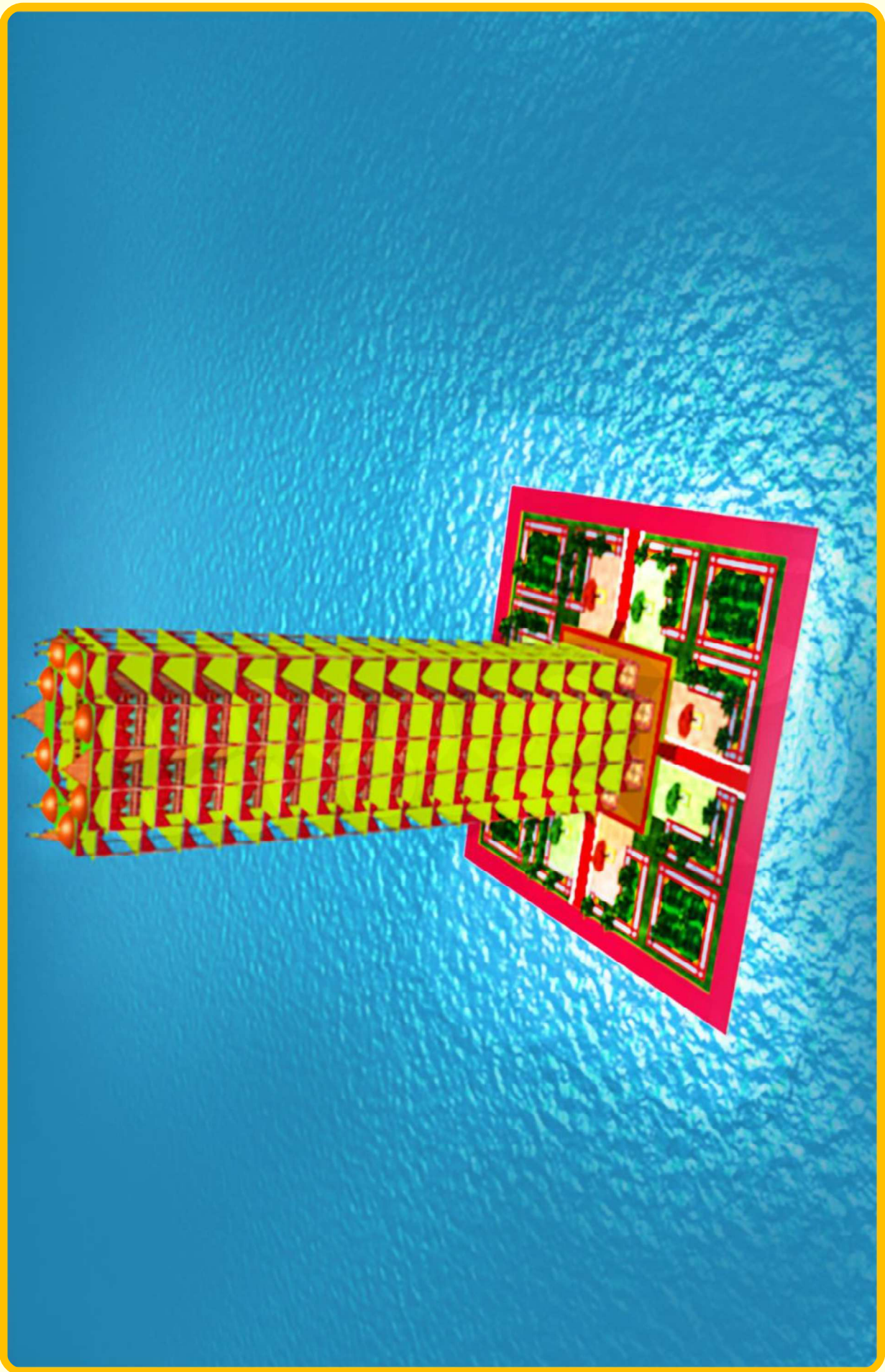
6000 मंदिरों की दूसरी हार

महल
(12000 महलों की 12000
हारें, कुल ऊँचाई
14,40,00,000 भोम)

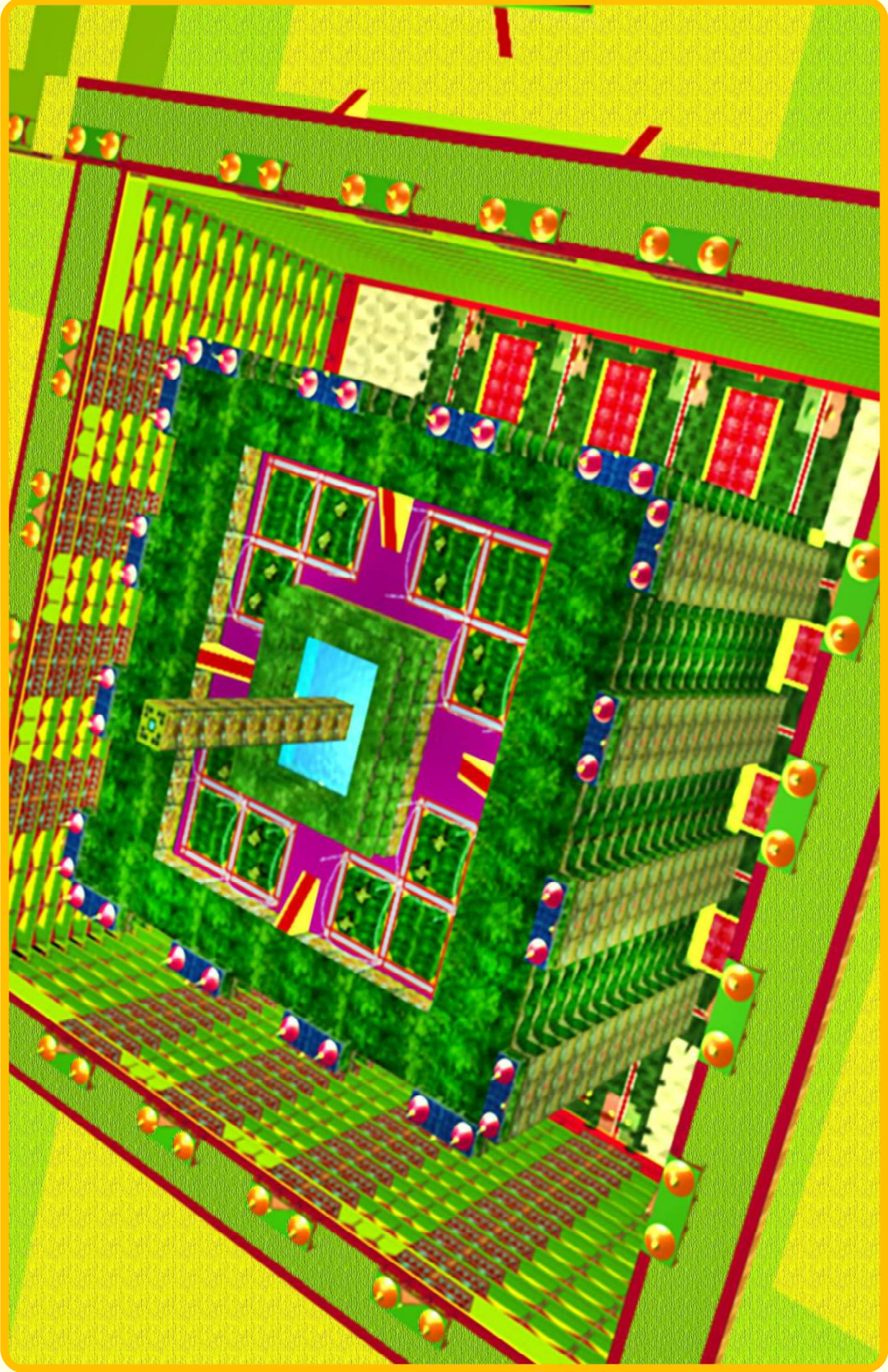
चबूतरे
(महल के कोनों में)

थमों की 1 हार
(महल को घेरकर)

सागर के एक टापू की शोभा

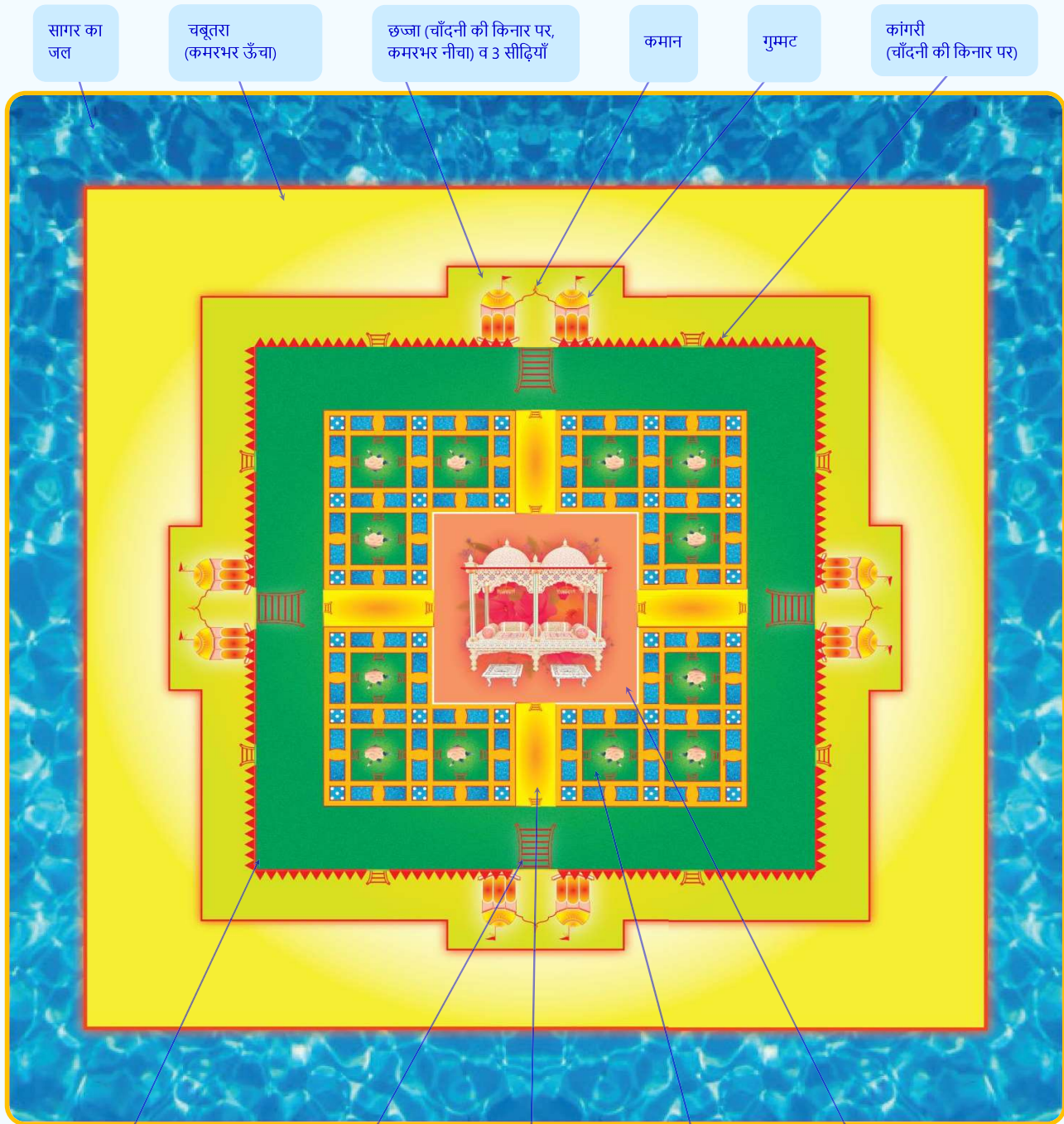


जमीन के मध्य एक टापू की शोभा





नक्शा नं. 107 बड़ी रांग : सागर के टापू में से एक टापूमहल की चाँदनी की शोभा



दीवार (भोमभर ऊँची, चाँदनी की किनार पर)

भोमभर सीढियाँ

रौस

बगीचे

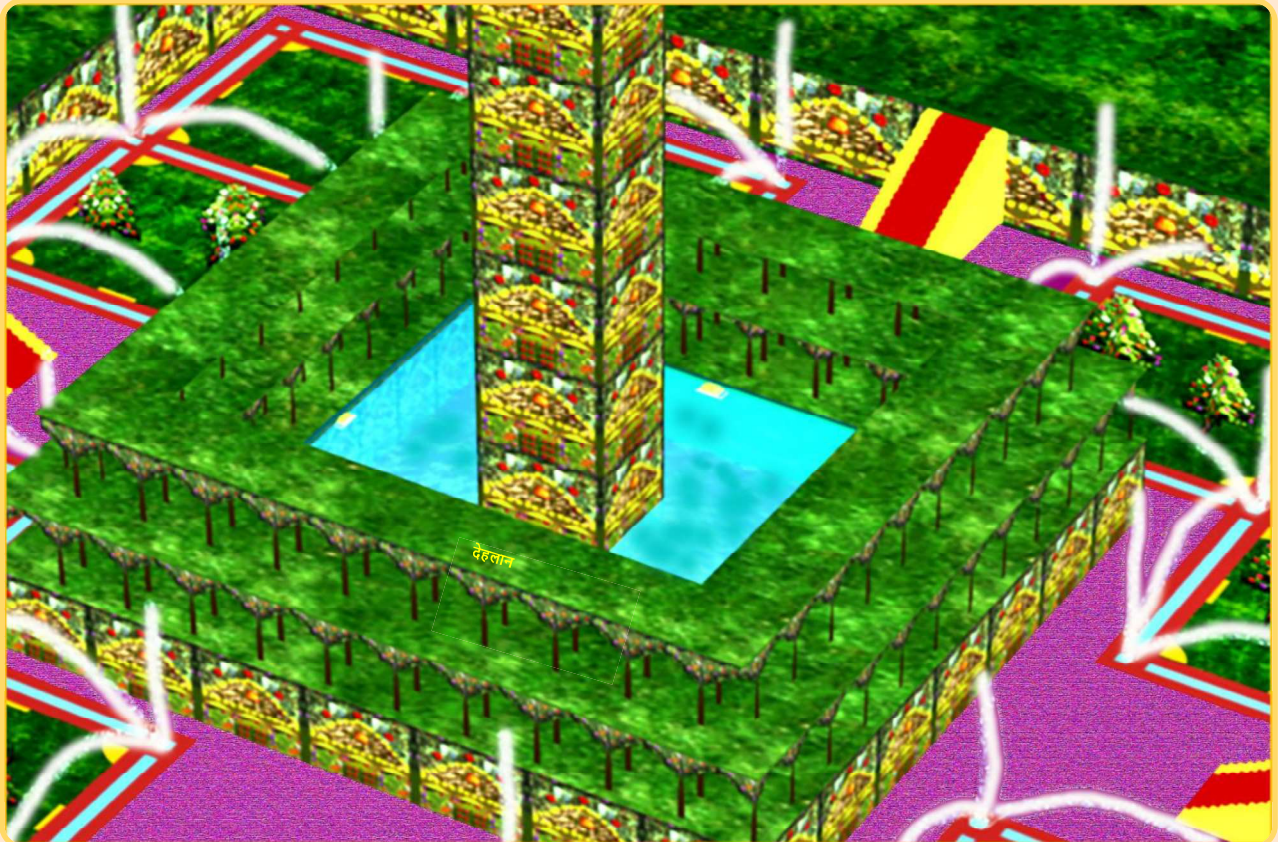
चबूतरा (कमरभर ऊँचा), कठेड़ा किनार पर व बैठक

अर्स सूर कई एक मोहोल में, तैसे मोहोल टापू अपार किनार ।
एक मोहोल अंबर कई बीच में, जुबां क्योँ कहे गिनती सुमार ॥

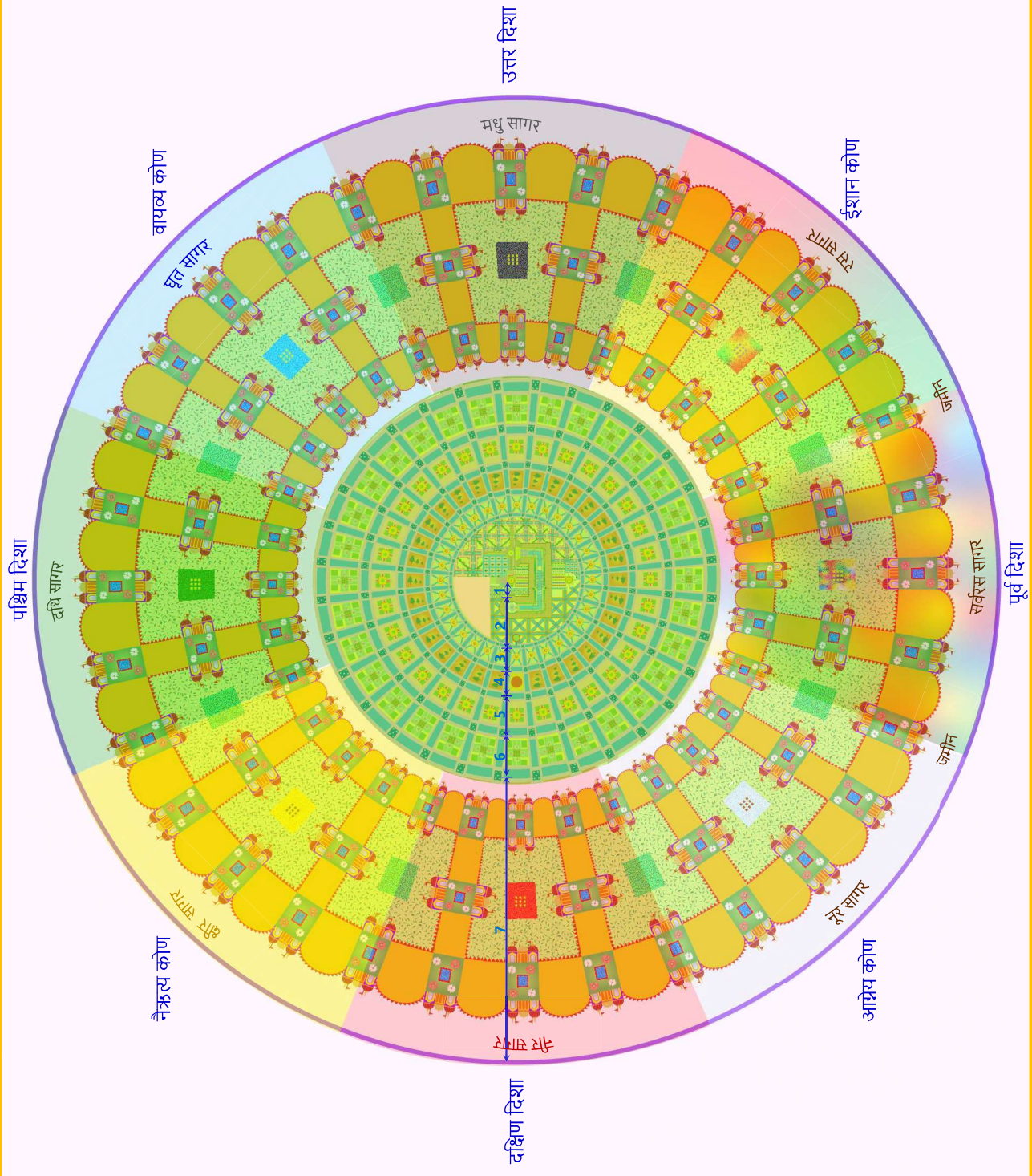
सागर के एक टापू की चाँदनी की शोभा



जमीन की चाँदनी के मध्य टापू महल, ताल व देहलान की शोभा



!! नक्शा नं. 108 बड़ी रांग : आठ सागर व आठ जमीन की चाँदनी की सम्पूर्ण शोभा !!



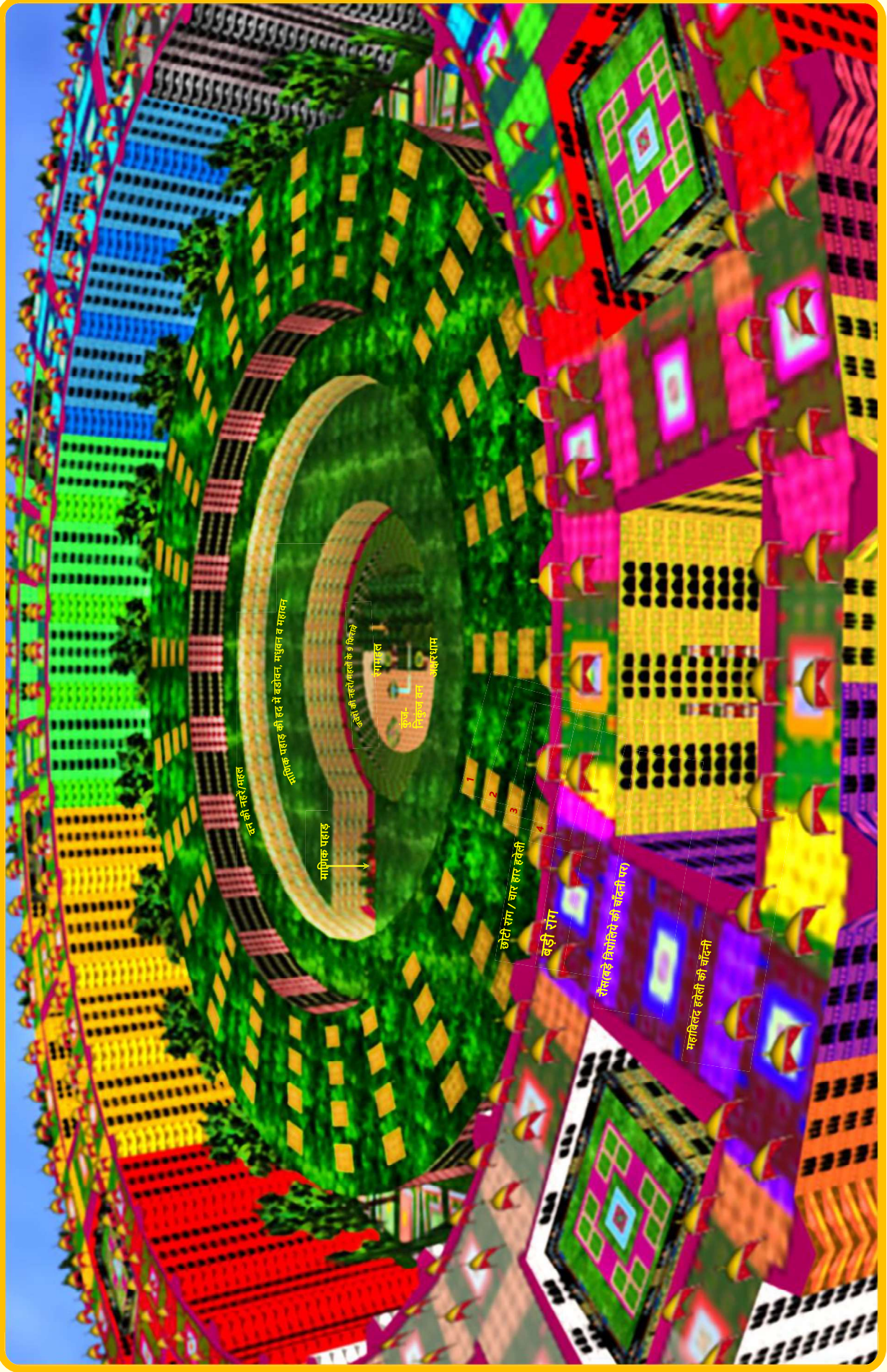
श्री परमधाम की सात परिक्रमा

1. रंगमहल की नजदीकी परिक्रमा
2. होज कोसर तालाब, कुंज- निकुंज वन, 24 हांस का महल, पश्चिम की चौगान, पुखराज पहाड़, यमुना जी व अक्षरधाम
3. जवरो की नहरों/महलों के 9 फिरावे
4. माणिक पहाड़ की हद में बड़ोवन, मधुवन व महावन के फिरावे
5. वन की नहरों/महल
6. छोटी रांग/वार हार हवेली
7. बड़ी रांग - आठ सागर व आठ जमीन

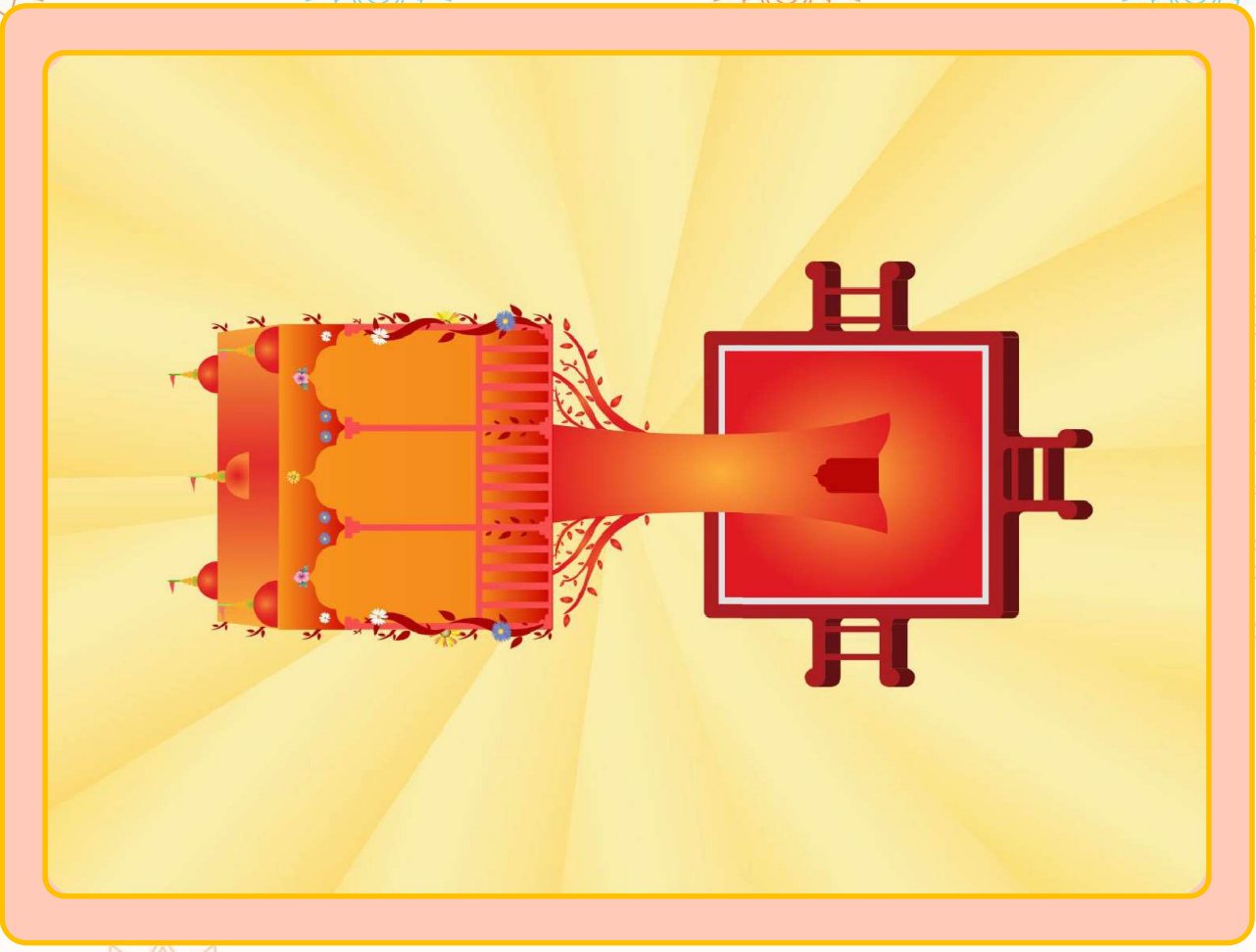
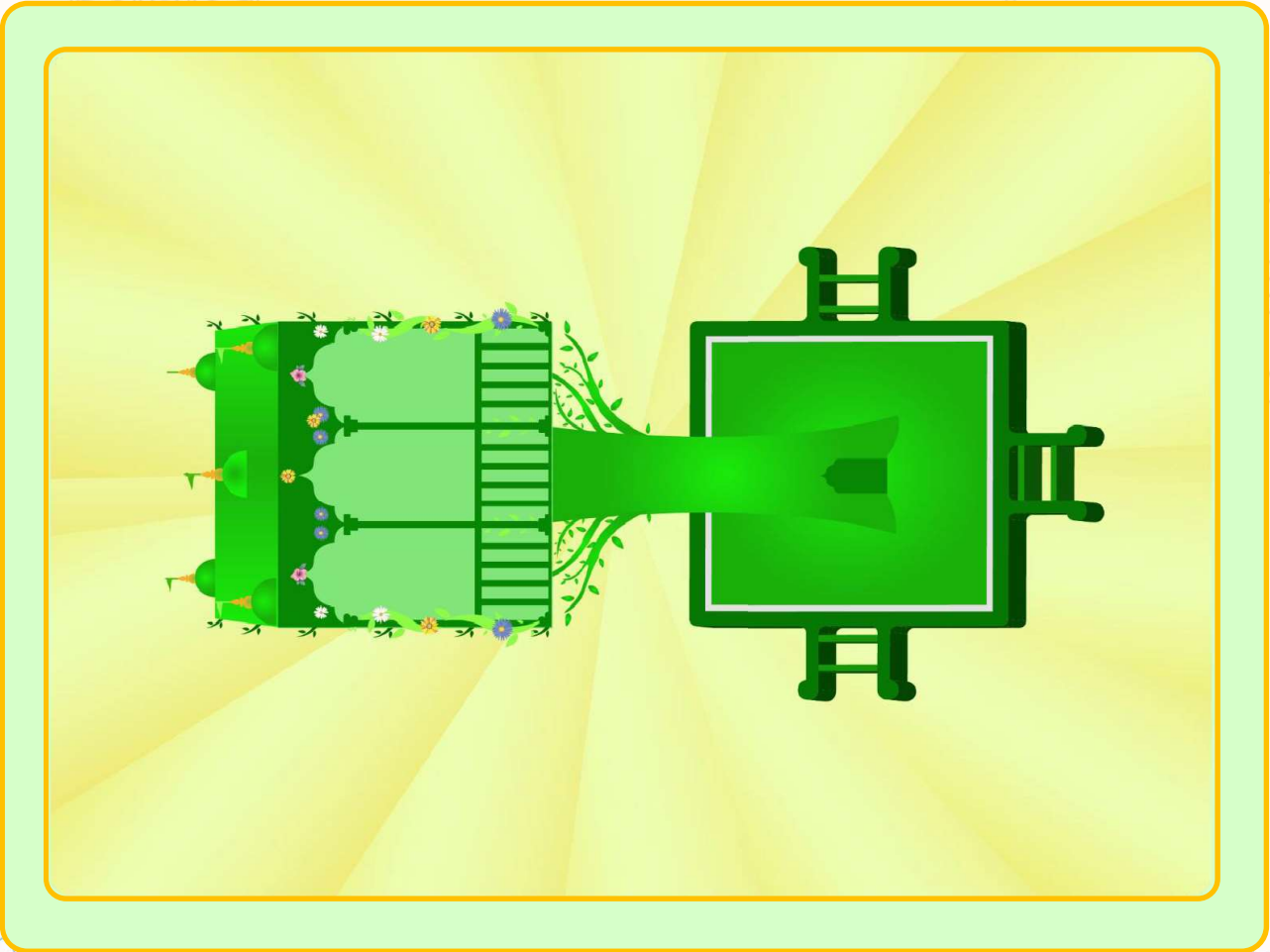
आठ सागर

1. नीर सागर - श्री राजजी के मुखारबिंद की शोभा का सागर (सफेद)
2. नीर सागर - रूहों की शोभा का सागर (लाल)
3. शीर सागर - रूहों की एक दिली/वाहेदत का सागर (पीला)
4. दधि सागर - श्री युगल स्वरूप के सिनहार का सागर (हरा)
5. धुत सागर - इस्क का सागर (आसमानी)
6. मधु सागर - खुदाई इलम का सागर (स्याम)
7. रस सागर - निसबत का सागर (10 रंग)
8. सर्वरस सागर - मेहर का सागर (सर्व रंग/अनंत रंग)

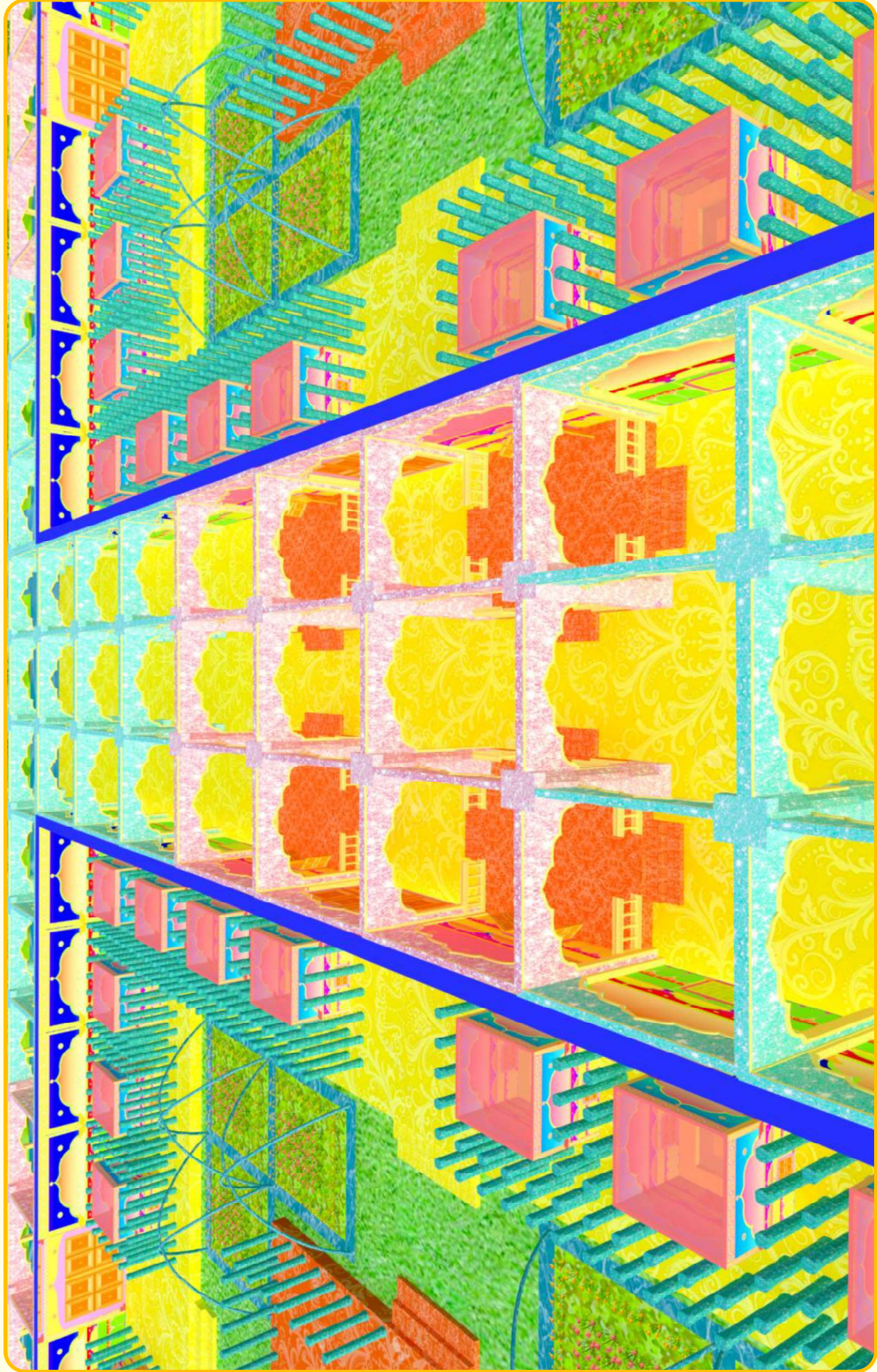
आठ सागर व आठ जमीन की चाँदनी की शोभा



!!
चाँदनी चौक : हरा वृक्ष (दक्षिण दिशा) व लाल वृक्ष (उत्तर दिशा) की शोभा
!!



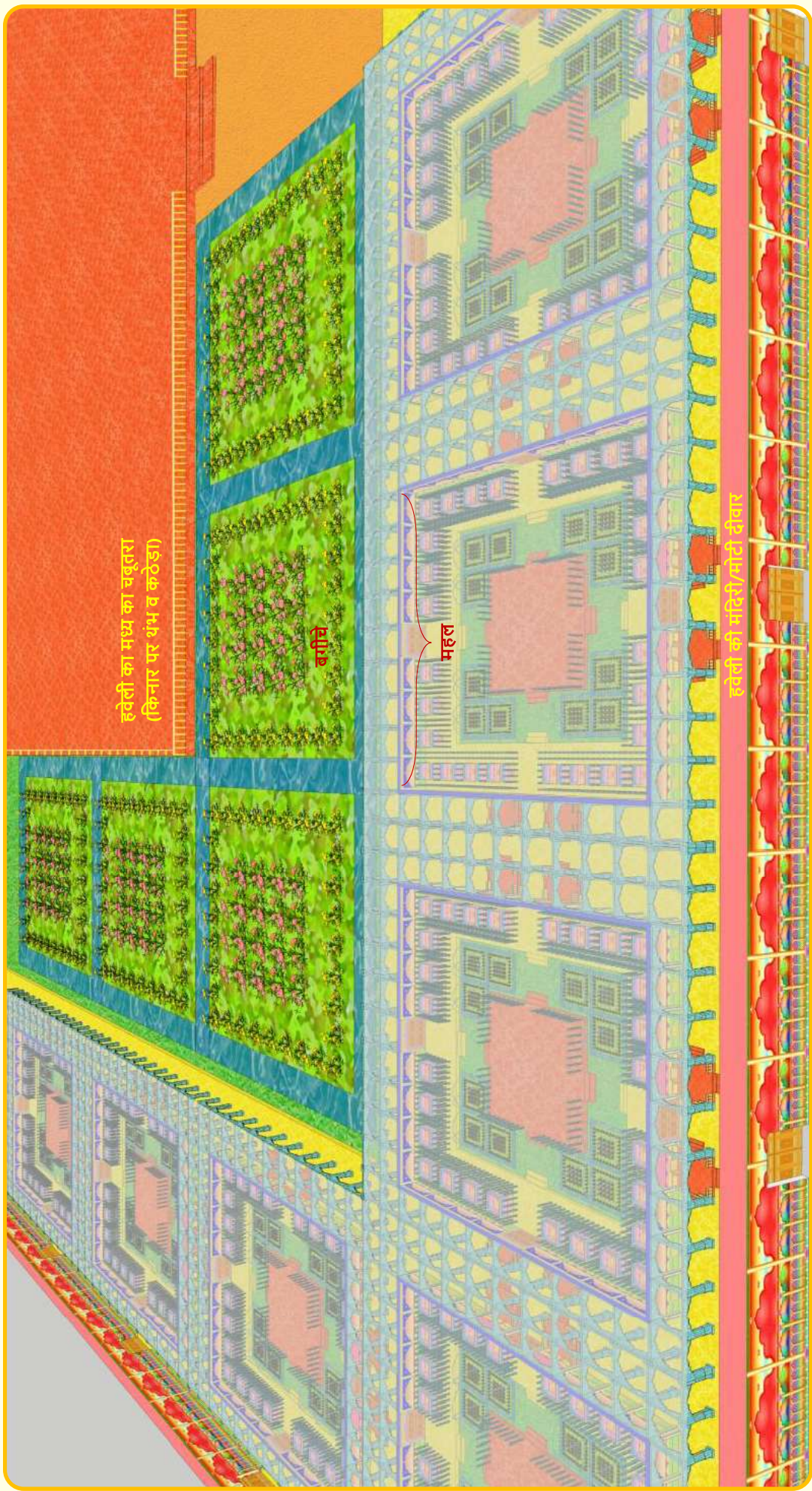
!! 24 मेहराबों की शोभा (दो हवेली के मध्य आए त्रिपोलिये में) !!



!!

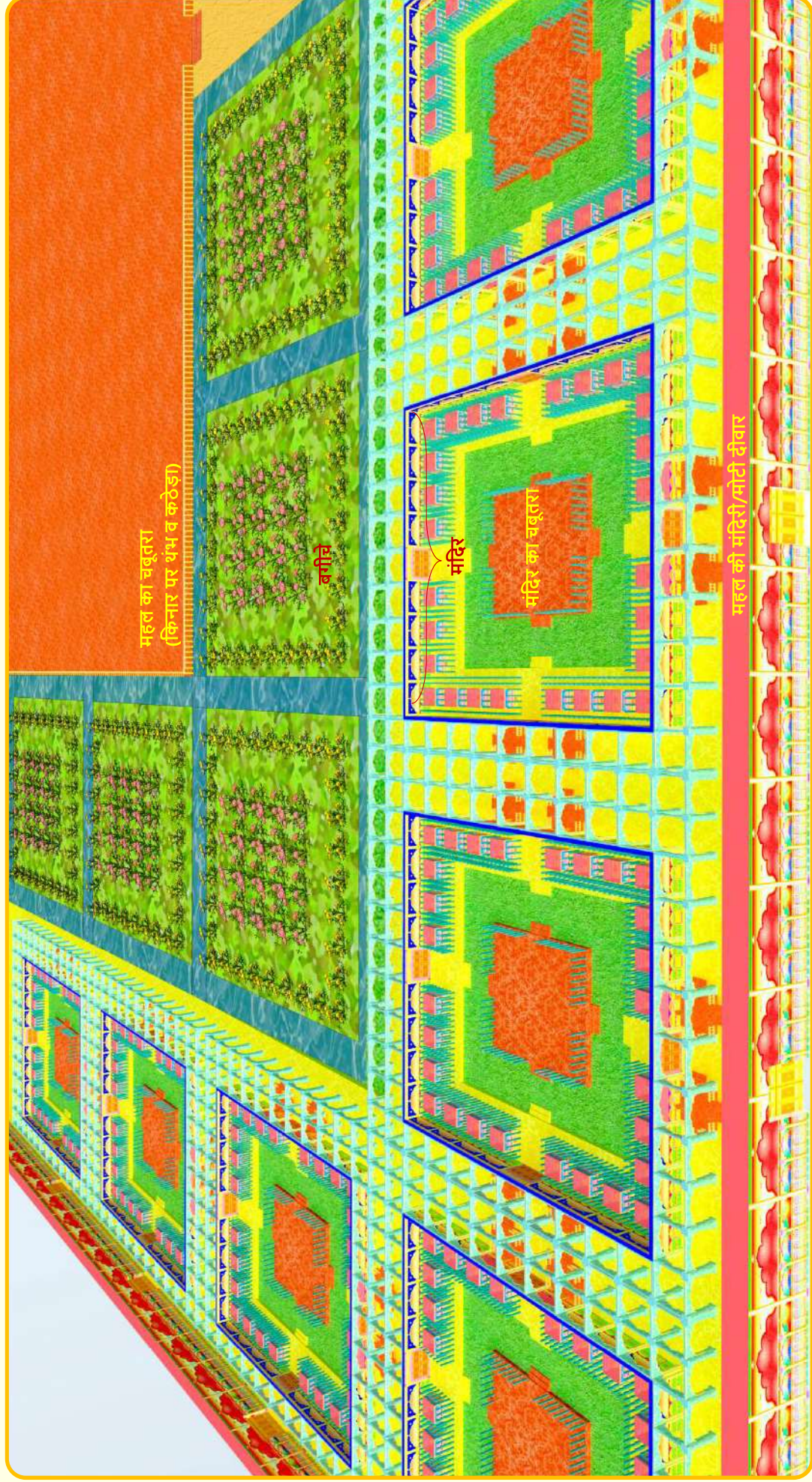
माणिक पहाड़ : एक हवेली में महलों की शोभा

!!



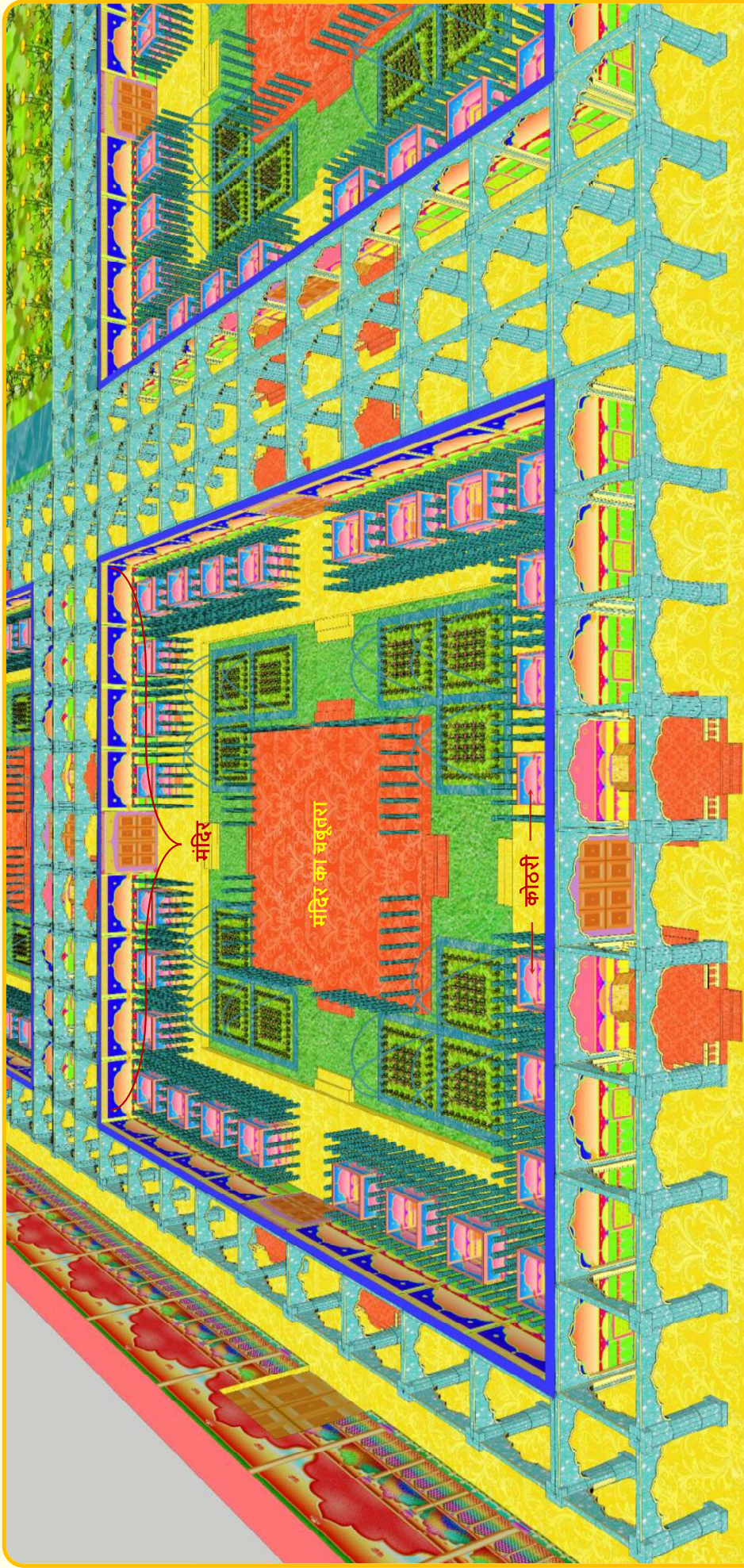


माणिक पहाड़ : एक महल में मंदिरों की शोभा





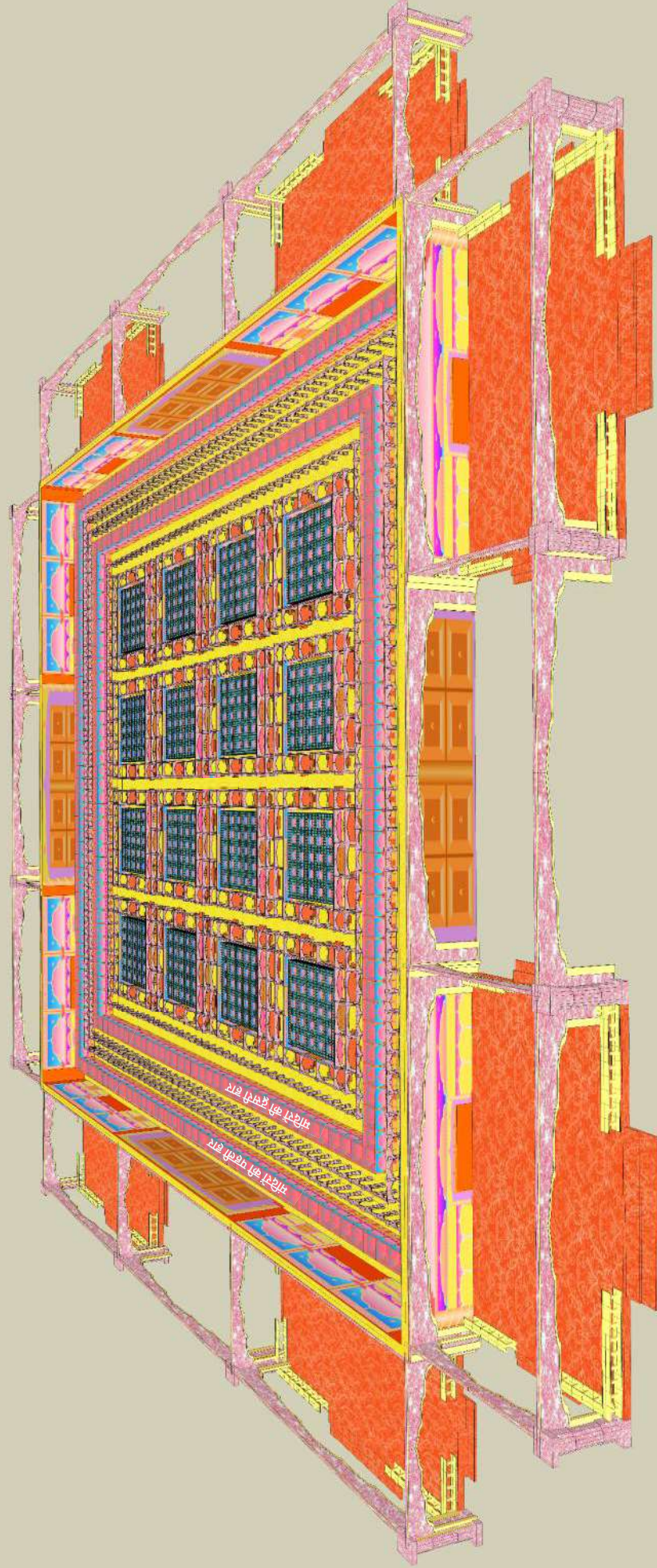
माणिक पहाड़ : एक मंदिर में कोठरियों की शोभा



महल की मंदिरी/माटी दीवार

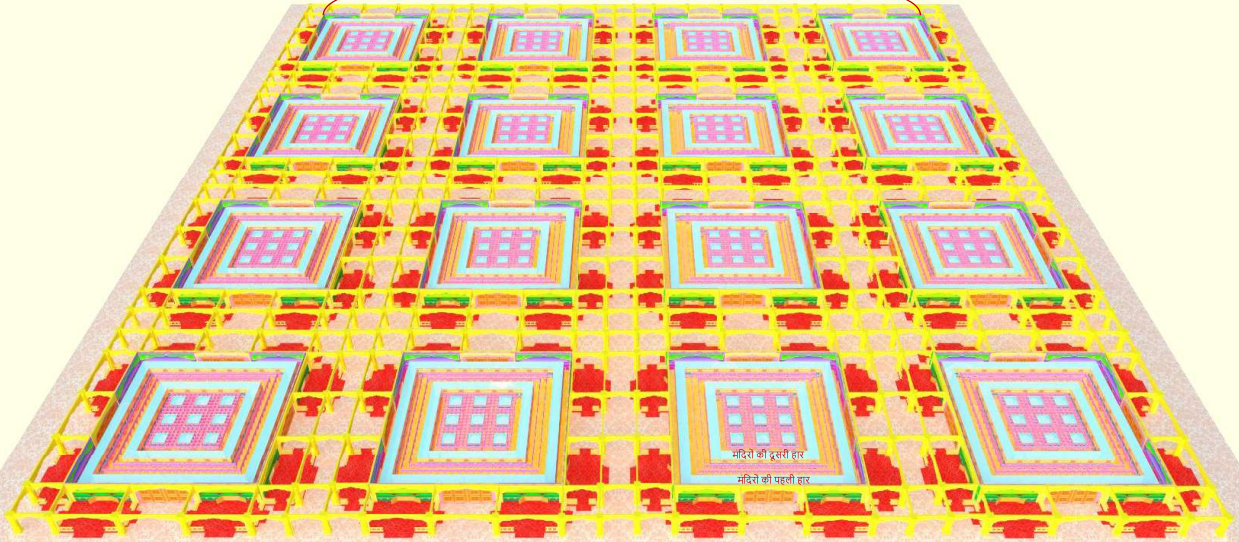


छोटी रांग/बड़ी रांग : एक हवेली की शोभा



छोटी रांग : एक महाबिलंद हवेली की शोभा

12,000 हवेलियों की 12,000 हरें (60,000 भोम ऊँची)



बड़ी रांग : एक महाबिलंद हवेली की शोभा

12,000 हवेलियों की 12,000 हरें (14,40,00,000 भोम ऊँची)



!! बड़ी रांग : मध्य की हवेली की शोभा !!

